ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगर आप अधिक मुआवजा नहीं दे सकते तो इस्तीफा दे दें: शोभा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 15 सितंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-254

आवारा कुत्तों के प्रेमियों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तीखा कटाक्ष

गाय घर की सदस्य हैं, जानवर नहीं, वह मां है

देश में जो लोग गाय को अपने आहार के रूप में देखते हैं और कुत्तों पर दुलार न्यौछावर करते हैं, ऐसे लोगों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीखा कटाक्ष भी किया और सीधा संदेश भी दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, गाय जानवर नहीं, माता है। पीएम का यह संदेश उन पाखंडियों के लिए था जो आवारा कुत्तों के लिए खुद को पशु-प्रेमी का नाम देने में शान समझते हैं और गाय का मांस देख कर लार टपकाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संदेश सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में प्रधानमंत्री गाय को माता कहकर उसका सम्मान करते हैं

शुभ-लाभ सरोकार

और उसे सिर्फ जानवर मानने से मना करते हैं। दूसरी तरफ समाज में ऐसे पाखंडी और राक्षस भी मौजूद हैं, जो गाय को सिर्फ अपने स्वाद का हिस्सा मानते हैं, लेकिन आवारा कुत्तों के प्रेमी बने घूमते हैं। प्रधानमंत्री के वीडियो के साथ-साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी का भी एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे एक कुत्ते को चूम-चूम कर और अपने गले लगा-लगा कर निहाल हो रहे हैं। दिल्ली के विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे दोहरे चरित्र वाले लोगों पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए ऐसी

बात कह दी कि पूरा हॉल ठहाकों से गूंज उठा। चर्चा आवारा कुत्तों और डॉग लवर्स से शुरू हुई, लेकिन गाय के प्रति बरती जाने वाली निर्ममता पर आ गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं हाल ही में कुछ एनिमल लवर्स से मिला। इतना सुनते ही हॉल में बैठे लोग हंसने लगे। इस पर पीएम मोदी ने मुस्कुराते हुए कहा, आप लोग तो हंसने लगे? हमारे देश में ऐसे बहुत लोग हैं, जिनकी खासियत है कि वे गाय को जानवर मानते हैं। लेकिन कुत्तों को घर का सदस्य। जबकि बात इसके ठीक विपरीत है। गाय

कुत्तों को चूमने और गाय को खाने वाला तबका समाज को सड़ा रहा

जानवर नहीं है। वह हमारे घर की सदस्य है। वह हमारी माता है। बात सिर्फ जानवरों से प्यार की नहीं है, बात उस दोहरे मापदंड की है जहां एक तरफ कुछ लोग कुत्तों को लेकर कोर्ट-कचहरी तक पहुंच जाते हैं, लेकिन दूसरी तरफ वही लोग बीफ-फेस्टिवल मनाते दिखते हैं। कुछ समय पहले स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास ने आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाते हुए लिखा, कानूनी विशेषज्ञ एक बात बताएं। अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आखिरी होता है, ▶10पर

पूर्वोत्तर राज्यों के सघन दौरे पर प्रधानमंत्री मोदी

मिजोरम और मणिपुर के बाद असम पहुंचे पीएम

मैं शिव भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं : मोदी

गुवाहाटी, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पूर्वोत्तर राज्यों का दो दिवसीय सघन दौरा मिजोरम, मणिपुर और असम तक जारी रहा। रविवार को असम पहुंच कर प्रधानमंत्री मोदी ने दरांग जिले के मंगलदोई में 6,300 करोड़ रुपए की स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने असम को कुल 18 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्वोत्तर राज्यों की कांग्रेस सरकारों द्वारा लंबे समय तक की गई उपेक्षा पर कड़ा प्रहार किया और कहा कि देश के विकास में उत्तर पूर्वी राज्यों की अहम भूमिका है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान करने का भी आरोप लगाया।

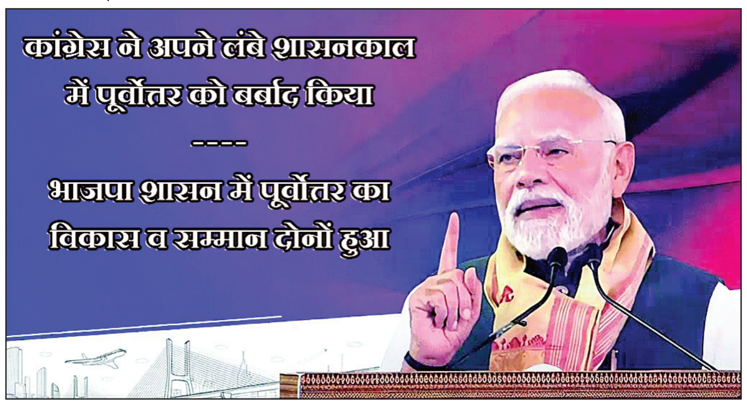

दरांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं। उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है। इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी पूर्व की है, उत्तर पूर्व की है। उत्तर पूर्वी राज्यों के चमकने का समय आ गया है। किसी भी क्षेत्र के विकास में कनेक्टिविटी की अहम भूमिका होती है। हमारी सरकार उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए समर्पित है। सड़कें, रेलवे और हवाई मार्गों का विकास किया जा रहा है। इससे लोगों की जिंदगी बदल रही है और उज्जवल भविष्य की राह बन रही है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक असम पर शासन किया लेकिन ब्रह्मपुत्र नदी पर केवल 3 पुल बनाए, जबकि हमने पिछले 10 वर्षों में छह पुल बनाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये कांग्रेस वाले मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं, लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। आप लोग मुझे बताएं, क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा फैसला सही है या गलत? जनसभा में मौजूद भारी भीड़ ने एक स्वर से प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन में हुंकार लगाई। कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब पूरा देश आतंक से लहूलुहान होता था और कांग्रेस चुपचाप खड़ी रहती थी। आज हमारी सेना ऑपरेशन सिंदूर चलाती है, पाकिस्तान के कोने-कोने से आतंक को उखाड़ फेंकती है, लेकिन कांग्रेस के लोग पाकिस्तान की सेना के साथ खड़े हो जाते हैं। कांग्रेस के लोग हमारी सेना के बजाय ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर की मार के बाद भी सुधर नहीं रहा पड़ोसी

पाकिस्तान फिर से बना रहा लश्कर का ध्वस्त ठिकाना

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की मार के बाद भी पाकिस्तान सुधरने का नाम नहीं ले रहा है। ऑपरेशन सिंदूर में ध्वस्त हुए पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने फिर से खड़े किए जा रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के मुरीदके स्थित लश्करे तैयबा का मुख्यालय भी जमींदोज कर दिया गया था, लेकिन पाकिस्तान सरकार अपने पैसे से उसका फिर से निर्माण करा रही है। भारतीय खुफिया एजेंसियों की यह रिपोर्ट सामने आने से पाकिस्तान का गंदा चरित्र दुनिया के सामने एक बार फिर सार्वजनिक हुआ है।

सरकारी पैसे से दोबारा बनाए जा रहे हैं आतंकी अड्डे

विडंबना यह है कि पाकिस्तान पहले से ही आर्थिक जहालत झेल रहा है उस पर बाढ़ जैसी आपदा पाकिस्तान के लोगों को तबाह किए हुई है। लेकिन इससे बेखबर पाकिस्तान सरकार आतंकी ठिकानों को सरकारी पैसे से नया रूप देने में लगी हुई है। पहलगाम में हुए एक भयानक आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने इसका बदला लेने के लिए 7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था। भारतीय सेना के घातक मिसाइल हमले में मुरीदके स्थित लश्करे तैयबा का मुख्यालय मार्काज तैयबा पूरी तरह बर्बाद हो गया। यह इमारत आतंकियों को ट्रेनिंग देने, हथियार स्टोर करने और ब्रेनवॉश करने के लिए इस्तेमाल होती थी। हमले के निशान पाकिस्तानी जमीन पर आज भी साफ दिखते हैं। इस ऑपरेशन ने न सिर्फ लश्कर के साथ-साथ पाकिस्तान सरकार को भी तगड़ा झटका दिया था। लेकिन पाकिस्तान ने इससे कोई सीख नहीं ली। कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रही। ▶10पर

नियमित अंतराल पर पूरे देश में एसआईआर कराने की मांग

कोर्ट नहीं तय कर सकती एसआईआर का समय : चुनाव आयोग

अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की पीआईएल

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर मचे बवाल के बीच चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में स्पष्ट किया है कि अदालत एसआईआर का समय तय नहीं कर सकती। यह चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार है। चुनाव आयोग ने बाकायदा हलफनामा दाखिल कर सुप्रीम कोर्ट में अपनी बात रखी है। दरअसल, पूरे देश में एक नियमित अंतराल पर एसआईआर कराने की मांग को लेकर दाखिल अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका (पीआईएल) के जवाब में राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने यह बात कही है। जनहित याचिका में कहा गया है कि नियमित अंतराल पर एसआईआर कराए जाने पर अवैध विदेशी घुसपैठिए वोटर लिस्ट को प्रभावित नहीं कर पाएंगे।

अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका अवैध प्रवासियों की समस्या पर केंद्रित है। वे कहते हैं कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और म्यांमार से आने वाले अवैध तत्वों ने कई राज्यों में वोटर लिस्ट को बिगाड़ दिया है। खासकर बिहार में हर विधानसभा क्षेत्र में 8,000 से 10,000 फर्जी या डुप्लीकेट नाम हैं। इससे जनसंख्या का संतुलन बिगड़ गया है और चुनाव प्रभावित हो रहे हैं। उपाध्याय ने मांग की है कि एसआईआर को सालाना या नियमित आधार पर कराया जाए, ताकि वोटर लिस्ट साफ हो सके। यह रिवीजन मतदाता सूची को अपडेट करने का एक खास तरीका है, जिसमें घर-घर जाकर सत्यापन किया जाता है। लेकिन चुनाव आयोग को यह मांग पसंद नहीं आई। आयोग ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और मतदाता ▶10पर

नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने जताई आशंका

प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा साजिश का नतीजा

72 मृतकों को शहीद का दर्जा, 10-10 लाख का मुआवजा

काठमांडू, 14 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में देश को 3 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। नेपाली अर्थशास्त्री ने बताया कि यह आंकड़ा देश के 1.5 साल के बजट के बराबर है। नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने नेपाल में हुई हिंसा में सुनियोजित साजिश की आशंका व्यक्त की है और इसकी उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

कार्यभार संभालने के दूसरे दिन रविवार 14 सितंबर को प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने हिंसा में जान गंवाने वाले 72 लोगों को शहीद का दर्जा दिया और उनके परिवार को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया। अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कहा, 8 सितंबर 2025 की घटना में मारे गए सभी लोगों को शहीद घोषित किया गया है और उन्हें दस-दस लाख रुपए दिए जाएंगे। घायलों का खर्च सरकार उठाएगी और उन्हें मुआवजा भी दिया जाएगा। शवों को काठमांडू से दूसरे जिलों में भेजने की व्यवस्था सरकार करेगी। उन्होंने कहा, हम आर्थिक संकट में हैं। हमें पुनरनिर्माण पर काम करना चाहिए। निजी संपत्तियां भी जला दी गईं। हम उपद्रवियों को नहीं छोड़ेंगे। जिनका नुकसान हुआ है सरकार उन्हें कुछ मुआवजा देने के उपायों पर काम करेगी। यह आसान ऋण या किसी अन्य उपाय के माध्यम से हो सकता है। इसके अलावा अंतरिम पीएम ने देश के युवाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए भ्रष्टाचार मिटाने को लेकर भी अपनी सरकार को सजग होकर काम करने के आदेश दिए हैं। प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने प्रदर्शन में फैली हिंसा को नेपाल के इतिहास में सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। ▶10पर

नूंह दंगे के आरोपी कांग्रेस विधायक मामन खान को लगी डांट

विधायक हो तो क्या, अलग से नहीं होगा ट्रायल: सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगाई

नई दिल्ली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें कांग्रेस विधायक मामन खान को नूंह हिंसा मामले में अलग से ट्रायल चलाने का आदेश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी नेता को सिर्फ उसके पद के आधार पर कोई विशेष सुविधा नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें हरियाणा कांग्रेस विधायक मामन खान के लिए अलग से ट्रायल चलाने की बात कहीं गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि विधायक होना अलग ट्रायल का आधार नहीं हो सकता। कानून की नजर में सभी बराबर हैं।

यह मामला 2023 की नूंह दंगे से जुड़ा है, जिसमें छह लोगों की मौत हुई थी। इस हिंसा को भड़काने के आरोप में विधायक मामन खान और अन्य लोगों पर केस दर्ज किया गया था। ट्रायल कोर्ट ने विधायक खान के लिए अलग से सुनवाई का आदेश दिया, जिसे पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने भी सही ठहराया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले को पलट दिया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि सिर्फ राजनीतिक पद के आधार पर किसी को अलग से ट्रायल की अनुमति देना संविधान के अनुच्छेद 14 में दिए गए समानता के सिद्धांत के खिलाफ है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कुछ अहम बातें बताईं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी आरोपी कानून के सामने बराबर हैं। विधायक होना अलग ट्रायल का आधार नहीं हो सकता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

विधानसभा चुनाव के पहले टकराने लगीं महत्वाकांक्षाएं

मांझी की हठ से डगमगा रही एनडीए की नाव

मांझी ने मांगी 20 सीटें, नहीं मिलीं तो 100 पर लड़ेंगे चुनाव

तेजस्वी यादव ने कहा, सभी 243 सीटों पर राजद लड़ेगा चुनाव

पटना, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनाव के पहले इंडी के साथ-साथ एनडीए गठबंधन का भी तालमेल बिखरता हुआ दिख रहा है। इंडी गठबंधन में शामिल राजद के नेता तेजस्वी यादव ने पहले ही यह ऐलान कर दिया है कि राजद सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। इसका सीधा मतलब है कि राजद और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बात नहीं बनी है। दूसरी तरफ भाजपा नीत एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी

अवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने 20 सीटें नहीं मिलने पर 100 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। एनडीए के ही दूसरे दल लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान भी बिहार विधानसभा चुनाव में 40 सीटों की मांग कर रहे हैं। इन मांगों से एनडीए गठबंधन का तालमेल असंतुलित होता दिख रहा है। हालांकि, भाजपा नेतृत्व क्राइसिस मैनेजमेंट में लगा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा बिहार पहुंच कर नेताओं से बातचीत कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के कुछ समय पहले ही महागठबंधन से निकल कर एनडीए में लौटे जीतन राम मांझी ने फिर 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में 20 सीटों की मांग तेज कर दी है। मांझी ने यहां तक कहा कि उनकी पार्टी को अगर 20 सीटें नहीं दी गईं तो वे 100 प्रत्याशियों को उतारेंगे। केंद्रीय मंत्री रहते हुए ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,13,120/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,32,240/- (प्रति किलोग्राम)

राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ की संगोष्ठी विकासोन्मुख प्रस्तावों के साथ सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारत के विभिन्न प्रांतों के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय महासंघ की शनिवार शाम शहर के पैलेस रोड स्थित पांच सितारा होटल में समाज की राष्ट्रीय प्रतिनिधि सभा सह संगोष्ठी आयोजित हुई, जिसमें अपनी बिरादरी के विभिन्न राष्ट्रीय विषयों पर विचार विमर्श कर कई प्रस्तावों पर सहमति जताई गई। बैठक की शुरुआत आगंतुक अतिथियों का तिलक एवं साफा पहनाकर किया गया। कार्यक्रम में शामिल समाज के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सोमकान्त शर्मा जयपुर ने शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के स्वर्णिम वैदिक इतिहास पर प्रकाश डालते हुए समाज बंधुओं से आह्वान किया कि प्रत्येक समाज बंधु को अपने इतिहास पर गर्व करते हुए आदित्य हृदय स्तोत्र को कंठस्थ करना चाहिए। उन्होने सुनील शर्मा

द्वारा प्रस्तावित आगामी सामाजिक विकास योजनाओं को विस्तार से समझाते हुए समाज के पटल पर रखा। राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा ने बेंगलूरु के समीप मुलबागल में समाज के शक्ति स्थल के निर्माण की घोषणा करते हुए यहां विश्व की सबसे ऊँची एवं भव्य भगवान भास्कर की प्रतिमा लगाने की घोषणा की। शर्मा ने रोजगार, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं युवाओं को विभिन्न खेल प्रतियोगिता के आयोजन द्वारा समाज से जोड़ने पर बल दिया। देशभर से आये हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों में से बिहार से राजेन्द्र पाठक, प्रकाश मिश्रा, महाराष्ट्र से नितिन महेंद्र शर्मा, शिव प्रसाद शर्मा, ओडीसा से शेखर आचार्य, जोधपुर से राकेश अबोटी, जितेंद्र अबोटी, बीकानेर से आर.के. शर्मा, कामिनी भोजक, सामाजिक जनगणना के तहत पारिवारिक वंशावली के डिजिटल ऐप के बारे में जोधपुर से प्रियंका शर्मा ने डिजिटल डाटा द्वारा ऐप से जुड़ने की अपील की। हुब्बल्ली से नरेश शर्मा, के.जी.एफ. से रमेश शर्मा, छत्तीसगढ़ से दिलीप शर्मा, उषा अभय शर्मा, बलुन्दा से प्रकाश शर्मा, अहमदाबाद से नटवर शर्मा, पवन शर्मा ने अपने-अपने विचार प्रकट करते हुए सुनील शर्मा द्वारा किये जा रहे विकासकार्यों की प्रशंसा की। माध्यम महिला मंडल की अध्यक्षा संतोष शर्मा, चंद्रा शर्मा, सरला शर्मा आदि ने भी अपने विचार प्रकट किये।

राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा चेन्नई ने भारतवर्ष से आये सभी कार्यकारिणी सदस्यों को संबोधित करते हुए समाज हित में सक्रिय योगदान देने की अपील करते हुए तमाम आगंतुक समाज बंधुओं का अभिनंदन करते हुए धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन ओजस्वी उद्घोषक चेतनप्रकाश शर्मा ने किया। इस अवसर पर बसंत शर्मा पाली, पुष्करराज शर्मा, उम्मेदकिशन शर्मा, संदीप शर्मा, संजय शर्मा शिरडी, किशोर शर्मा जलगांव, राजेश शर्मा, आदेश शर्मा पूना, संदीप शर्मा चालीसगांव, मुम्बई से बसंत शर्मा और विनोद शर्मा, भद्रावती से हरीश शर्मा एवं सूरज शर्मा, हुब्बल्ली से राजू शर्मा एवं ईश्वर शर्मा, होसपेट से हनुमान प्रसाद शर्मा, जयंतीलाल शर्मा, अशोक शर्मा, श्रीनिवास शर्मा, राजेश शर्मा, अविनाश शर्मा, भूपेश कश्यप, डी, बाबूलाल शर्मा, वीरेन्द्र शर्मा, प्रकाश शर्मा, हेमराज शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

मातृछाया जैन महिला संगठन का मेगा शॉपिंग प्रदर्शनी कल से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मातृछाया जैन महिला संगठन की ओर से पहचान सीजन 5, दो दिवसीय मेगा शॉपिंग एग्जीबिशन हुनर के रंग, अपनो के संग का आयोजन मंगलवार से वीवी पुरम स्थित त्रिशला रेसिडेंसी में किया जाएगा।

प्रदर्शनी का उद्घाटन माइक्रो प्रिंट एंड पैक के मेनेजिंग डायरेक्टर जयंतीलाल बालर एवं समाजसेवी कांता महावीरचंद समदड़िया द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया जायेगा। मातृछाया की अध्यक्ष ललिता नागोरी एवं सचिव रेशमा बड़ोला ने एग्जीबिशन को नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाने वाला बताते हुए कहा कि मातृछाया द्वारा उभरती हुई महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और जरूरतमंद परिवारों को सहयोग कर ऊंचा उठाने के लिए यह एग्जीबिशन आयोजित किया जा रहा है। यह एग्जीबिशन पूर्णतया निशुल्क है। मातृछाया की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि प्रातः 10 बजे से रात 7 बजे तक चलने वाले इस एग्जीबिशन में डिजाइनर सारीस, फैशनेबल ड्रेसेस, सजावटी सामग्री एवं स्टाइलिश फैशनेबल आइटम्स, इमीटेशन ज्वेलरी, होम एप्लायंसेज, लेडीज एक्सेसरीज, आकर्षक महिला बैग एवं पर्स, श्रृंगार सामग्री, हैंडलूम्स, खाने पीने की अनेक वेरायटी एवं चाट आइटम्स, बच्चों के लिए खिलौने आदि करीब 45, 48 स्टाल्स लगाए जा रहे हैं। व्यवस्था टीम का नेतृत्व कर रही नीलम ललवानी के अनुसार यहां शॉपिंग की वेरायटी की इतनी भरमार है कि यहां खरीददारों को पूर्ण संतुष्टि मिलेगी।

संयोजिका पुष्पा बाफना एवं मोनिका पालरेचा ने बताया कि इस प्रदर्शनी में शॉपिंग के साथ-साथ सामाजिक मेल-मिलाप और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी अवसर मिलेगा।

परिवारों और बच्चों के लिए यह आयोजन एक आनंदमयी अनुभव रहेगा।

प्रदर्शनी बुधवार शाम 7 बजे तक चलेगा। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य आत्म निर्भरता व सहयोग को बढावा देना है।

साधारण, विशेष और असाधारण व्यक्तियों का दृष्टिकोण भी होता है अलग: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि साधारण, विशेष और असाधारण व्यक्तियों का दृष्टिकोण भी अलग होता है।

साधारण व्यक्ति को संपत्ति मिलती है तो वह मौज-मजा करने की सोचता है। विशेष व्यक्ति संपत्ति का सही उपयोग करने का विचार रखता है, जबकि असाध-ारण व्यक्ति संपत्ति का परोपकार में प्रयोग करता है। साधारण व्यक्ति के लिए संबंध केवल स्वार्थ का साधन होते हैं, विशेष व्यक्ति के लिए उनमें सद्भाव भी रहता है और असाधारण व्यक्ति के लिए संबंध स्व और पर दोनों के विकास का माध्यम बन जाते हैं। व्यक्तित्व की परीक्षा इसी से होती है कि संपत्ति, सामग्री और संबंधों के प्रति आपका दृष्टिकोण क्या है। साधारण व्यक्ति भी यदि

अपना नजरिया बदले तो असाध-ारण बन सकता है। यदि आप समंदर जैसा महान व्यक्तित्व बनाना चाहते हैं तो तीन बातों को गांठ बांध लें संपत्ति चाहिए लेकिन सद्बुद्धि गंवाकर नहीं, सामग्री चाहिए किंतु सद्गुण छोड़कर नहीं और संबंध चाहिए परंतु सत्य को भुलाकर नहीं। आपका जीवन-मूल्य ही आपके व्यक्तित्व की ऊँचाई का वास्तविक मापदंड हैं। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ ट्रस्टी महेंद्र जैन ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे है। 21 सितम्बर को सामूहिक कालसर्प योग पितृदोष ग्रहदोष निवारण महापूजन अनुष्ठान रखा गया है। बेंगलूरु से महालक्ष्मी लेआउट से हम साथ साथ है परिवार ने दर्शन वंदन प्रवचन का लाभ लिया। बेंगलूरु से जवेरचंद जैन, विनोद कुमार भंसाली, चेतन प्रकाश झारमुथा, निलेश कुमार लोढ़ा, राकेश कुमार दांतेवाडिया, दिनेश कुमार छाजेड, पंकज कुमार गांधी, टिपटूर से जितेंद्र कुमार वेदमुथा, चिराग कुमार वेदमुथा का बहुमान भंवरलाल पेराजमल जैन, महावीर कुमार संघवी, सुरेश कुमार संघवी, सुरेश कुमार पोरवाल, महेंद्र जैन, मोहनलाल जैन ने किया। संतोष बाई योगिता वेदमुथा महिलाओं का बहुमान बबिता जैन, फेंशी जैन, कोमल जैन ने किया।

शटल स्ट्राइकर्स ने नेट निंजास को हराकर जीता कटारिया कप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर कांठा प्रांत की युवा शाखा कांठा प्रांत जैन मित्र मंच द्वारा कांठा प्रांत बेंगलूरु के युवाओं की खेल प्रतिभा को उचित मंच देने के उद्देश्य से आयोजित कटारिया कप बैडमिंटन प्रतियोगिता शटल स्ट्राइकर्स ने जीती। वेस्ट ऑफ कॉर्ड रोड़ स्थित ए टू वी बैडमिंटन एकाडमी में मिश्रीमल अजीतकुमार कटारिया के मुख्य प्रायोजन में आयोजित कटारिया कप के सीजन 3 के फाइनल मुकाबले में शटल स्ट्राइकर्स एवं नेट निंजास के बीच कड़ी जद्दोजहद देखने को मिली। लगभग 2 घंटे तक चली कशमकश के पश्चात शटल स्ट्राइकर्स ने कप अपने नाम किया। मंगलाचरण से प्रारंभ प्रतियोगिता में मित्र मंच के अध्यक्ष अजीत कटारिया ने सभी का स्वागत किया। मित्र मंच के

मंत्री निखिल गुंदेचा ने सह प्रायोजक भंवरलाल शांतिलाल चैरिटेबल ट्रस्ट, जर्सी प्रायोजक प्रकाश भलगट, फूड प्रायोजक मानकचंद गुगलिया, वेन्यू प्रायोजक उत्तमचन्द कोठारी एवं शटल प्रायोजक कालुराम कटारिया के साथ ज्ञात अज्ञात सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। राजाजीनगर कांठा प्रांत ओसवाल साजनान संघ के अध्यक्ष मिश्रीमल कटारिया एवं महामंत्री भागचंद गुगलिया ने सभी टीम मालिको को भागीदारी के लिये धन्यवाद दिया तथा खिलाड़ियों से खेल भावना की अपेक्षा की। प्रतियोगिता के संयोजक मनीष बोहरा एवं विशाल गुगलिया ने बताया कि बेंगलूरु के कांठा प्रांत की खेल प्रतिभाएं अपना खेल कौशल दिखाने में हमेशा अग्रणी रही है और राष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल का लोहा मनवाया है। प्रतियोगिता में उप-स्थित श्री कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के महामंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता की घोषणा की। विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गयी। विजेता टीम के लीडर धीरज कटारिया एवं उपविजेता टीम लीडर विमल कटारिया ने कहा कि आयोजन से कांठा प्रांत के युवाओं के खेल में निखार के साथ नेटवर्किंग भी बढ़ती है।

मित्र मंच के सह सचिव शेखर चानोदिया ने बताया कि प्रतियोगिता उद्घाटन में कांठा प्रांत जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी, किरणराज कोठारी, किरणराज खीवेंसरा, कांठा प्रांत विजयनगर मंडल के अध्यक्ष मो-हनलाल कटारिया, महावीर गांधी, महावीर गुगलिया के साथ कांठा प्रांत के अनेकों गणमान्य तथा महिलाएं उपस्थित थी।

अभिमान ही मनुष्य जीवन को करता है बर्बाद: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मनुष्य को अपनी पीड़ा को भगवान के सामने व्यक्त करना चाहिए। जब भगवान दया करेंगे तो सब सही हो जाएगा। मनुष्य को जीवन में कभी अभिमान ना आएं की प्रार्थना करनी चाहिए। विनंती करनी चाहिए कि जैसी भी स्थिति हो मनुष्य खुश रहे, ऐसा सब्र मिलने की प्रार्थना करनी चाहिए। मनुष्य की कमजोरी क्या है यह समझना चाहिए। सबसे बड़ी कमजोरी उसका अभिमान होता है। जिस मनुष्य को अभिमान आ गया वह किसी की नहीं सुनता है। जब अभिमान आ जाता है तो मनुष्य कुछ भी छोड़ देता है। लेकिन जीवन का कल्याण करना है तो कषाय छोड़ना चाहिए। मान छोड़ने का प्रयास करना चाहिए।

मनुष्य में सबसे बड़ी कमी थोड़ा मिलने के बाद अभिमान करना ही है। सही से देखों तो कुछ भी नहीं है, लेकिन मानव अभिमान के चक्कर में जीवन को बर्बाद कर रहा है।

मनुष्य को पीछे करने का सबसे बड़ा कारण उसका अभिमान ही है। नाव अगर समुद्र में है तो कुछ भी हो सकता है। एक झटके में मनुष्य का जीवन बर्बाद हो सकता है। संसार का पूरा मामला क्षणभर का है। संसार में रह कर मनुष्य कितना भी उछल ले, लेकिन सब मामला कुछ क्षण का है। इसलिए कहते हैं कि धन और ज्ञान का घमंड नहीं करना चाहिए। जिस चीज के लिए आज मनुष्य घमंड कर रहा है वह कब तक रहेगा पता नहीं। अगर पढना है, सीखना है तो सुख की आशा नहीं करनी चाहिए। अगर सुख की आशा है तो आप कुछ नहीं सीख सकते हैं। अगर गुरु मिले तो अनपड़ बन कर सीखें। अगर वहां सीखाने की कोशिश करेंगे तो जीवन में कुछ नहीं मिलेगा। जैसे एक पान सड़ता है तो पूरी गठरी को खराब कर देता है। वैसे ही अगर मनुष्य सीखे हुए का अध्ययन नहीं करेगा, तो वह भी भूल जाएगा। अध्ययन से ही मानव सब कुछ सीख पाता है। सीखे हुए को अगर लगातार नहीं दोहराओगे तो वह भी भूल जाओगे।

मनुष्य अपने समर्पण और विनय से ही बुद्धि प्राप्त करता है। लेकिन उसको गवाने के लिए ज्यादा समय नहीं लगता है। मनुष्य अपने अहंकार से सब कुछ बेकार कर सकता है। गुरुदेव ने फरमाया कि भले ही कोई पेड़ फल नहीं देता है, लेकिन वह छाया देता है। इसलिए किसी को कम मत समझो। समय आने पर कुछ भी हो सकता है। अपने बुजुर्गों का सम्मान करो। उनके दिखाए रास्ते पर चलना सीखो। समय जाने के बाद कुछ नहीं मिलेगा। जब तक जीवन है कुछ बेहतर कर लेना चाहिए। अगर कुछ अच्छा करोगे तो ही मरने के बाद दुनिया याद रखेगी। वर्तमान में मनुष्य के पास उनके पूर्वजों के मुकाबले कुछ नहीं है। अगर अपनत्व है तो सब कुछ है। छोटा जीवन है, इसलिए अभिमान में जीवन को बर्बाद नहीं करना चाहिए। इस मौके पर चेन्नई के सैदापेट से 100 पुरुष और महिलाओं ने गुरु दर्शन किए। सभा में प्रकाश चंद बैताला, चंपालाल बैताला, प्रकाशचंद मुथा, सुरेश चंद मुथा, गौतमचंद कटारिया, मनोहर लाल बोहरा, राजेंद्र कुमार लुकड़, गौतम श्रीश्रीमाल, धनराज खीवेंसरा, उत्तमचंद बोहरा, हुकमीचंद, ताराचंद भंडारी, विमल चंद बांठिया, कमलचंद धोखा हेब्बाल के अलावा गंगानगर, विजयनगर, राज-ाजीनगर, यशवंतपुर, मागडी रोड, विल्सन गार्डन, हनुमंतनगर, शांति नगर, कम्मनहल्ली, फ्रेजर टाउन एवं अन्य क्षेत्रों से काफी संख्या में लोगों की उपस्थिति रही। संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

1 हजार से अधिक जरूरतमंदों को परोसी गई खुशियों की थाली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायूम बेंगलूरु शाखा द्वारा शनिवार को राष्ट्रीय सेवा प्रकल्प आनंद सबके लिए के अंतर्गत मासिक सेवा कार्यक्रम खुशियों की थाली का आयोजन मैसूरु बैंक सर्कल, अंजनेया मंदिर के पास सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में 1000 से अधिक जरूरतमंदों को गरम, पौष्टिक और प्रेमपूर्वक भोजन परोसा गया। यह पहल केवल भोजन प्रदान करने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसमें समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और मानवता का संदेश भी समाहित था।

इस सेवा में विशेष रूप से समाजसेवी सुरेंद्र गोयल उपस्थित रहे, जिनका मार्गदर्शन और सहयोग मायूम परिवार के लिए हमेशा प्रेरणास्पद रहा है। कार्यक्रम का संयोजन रूपेश केडिया द्वारा

कुशलता और समर्पण के साथ किया गया, जिससे यह आयोजन सुचारू और प्रभावशाली बना।

इस बार आयोजन के मुख्य प्रायोजक वैभव खंडेलवाल और करण राजपुरोहित थे, जिनके सहयोग से यह सेवा कार्य और भी व्यापक और व्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुआ।

उनके योगदान ने यह संदेश दिया कि समाजसेवा में हर छोटा या बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है। इस मौके पर उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, पूर्व अध्यक्ष स्नेह जाजू, सचिव सन्नी जैन, वरिष्ठ सदस्य पवन रजलीवाल, अशोक अग्रवाल, अशु मित्तल, निखिल अग्रवाल, प्रितेश बुराड, मनीष अग्रवाल, गौरव रुंगटा, हर्षिता खंडेलवाल और अन्य कई सदस्य उपस्थित थे। सभी ने मिलकर इस कार्यक्रम को यादगार और सार्थक बनाया।

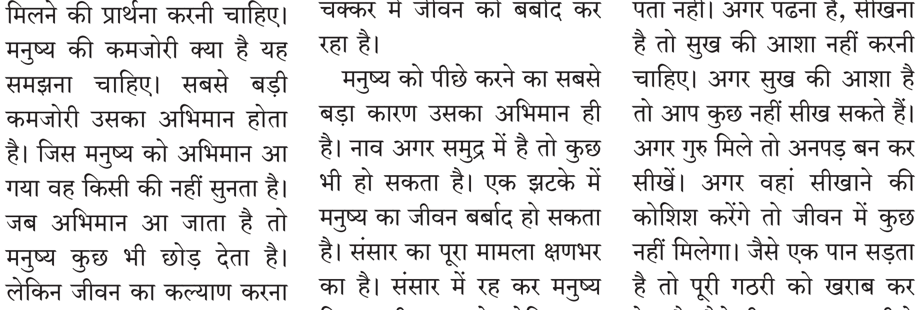

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के मंजूनाथ नगर में श्री बेनका युवाकारा संघ की ओर से गणेश उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशांत, मंजूनाथ, चंदन, अरुण, किरण, विश्वास, जगन, संतोष.आर, हितेन, पुनीत, पुरूषोत्तम, कौशिक, दीपक, वरुण, श्रेयस और संतोष समेत अन्य लोगों का सहयोग रहा।

रक्तदान के लिए रैली निकाली

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन तेरापंथ युवक परिषद ने 17 सितंबर को होने वाले मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के तहत रविवार को हासन तेरापंथ सभा भवन से एक जागरूकता रैली निकाली। रैली सभा भवन से शुरू होकर गांधी बाजार, एन आर सर्किल में मानव श्रृंखला बनाने के

बाद हेमवती स्टैच्यू, महावीर सर्किल, कस्तूरबा रोड से होते हुए वापस तेरापंथ सभा भवन पहुंची। इस कार्यक्रम में तेरापंथ सभा से मंत्री विमल कोठारी, पारस तातेड, सुरेश तातेड युवक परिषद अध्यक्ष नितेश सुराणा, मंत्री मनीष तातेड, महिला मंडल से रेखा सुराणा, ललित सुराणा, ममता कोठारी एवं सभी तेरापंथ युवक परिषद, ज्ञान शाला के बच्चों की उपस्थिति रही।

अगर आप अधिक मुआवजा नहीं दे सकते तो इस्तीफा दे दें: शोभा करंदलाजे

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने यहाँ तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया हासन के मोसालेहोसल्ली में गणेश जुलूस के दौरान हुई त्रासदी में मृतकों और घायलों को और मुआवजा देने में असमर्थ हैं, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। राज्य में एक हिंदू-विरोधी सरकार चल रही है। उन्होंने उस पर एक समुदाय को खुश करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्हें सिर्फ अल्पसंख्यक ही दिखाई देते हैं। लेकिन, उन्हें दूसरे समुदाय दिखाई नहीं देते। हासन के मोसालेहोसल्ली में हुई भीषण त्रासदी में निर्दोष लोग मारे गए। उनका कहना है कि उन्हें और मुआवजा देना संभव नहीं है। यह कहाँ तक सही है? मांड्या के मद्दुर में एक अनधिकृत प्रार्थना कक्ष बनाया जा रहा है। इसकी शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने राज्य में हो रही घटनाओं के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को जिम्मेदार ठहराया। ज्ञातव्य है कि हासन तालुका के मोसाले होसाहल्ली में शुक्रवार रात एक दुखद घटना में, एक लॉरी के गणेश विसर्जन जुलूस से टकराने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। जुलूस राष्ट्रीय राजमार्ग 373 पर चल रहा था, तभी एक कैंटर लॉरी अचानक सामने आई एक बाइक से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो बैठी। टक्कर से बचने के प्रयास में, चालक ने गाड़ी मोड़ दी, जिससे लॉरी सड़क के डिवाइडर को पार कर भीड़ में जा घुसी। इस टक्कर में नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को हासन के एचआईएमएस अस्पताल ले जाया गया, जहाँ कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने ट्रक चला रहे भुवनेश के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 281, 106 और 125 के तहत मामला दर्ज किया है। दुर्घटनास्थल पर रिकॉर्ड की गई वीडियो क्लिप में दिख रहा है कि ट्रक एक दोपहिया वाहन को टक्कर मारता है और फिर डिवाइडर पार करके गणेश जुलूस में नाच रही भीड़ से टकरा जाता है। घटना में चालक को भी चोटें आईं। पुलिस ने दनायकनहल्ली निवासी मंजूनाथ के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया, जिन्होंने इस घटना में अपने भतीजे ईश्वर को खो दिया था। मृतकों में तीन मोसाले होसाहल्ली स्थित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियरिंग छात्र हैं। वे चित्रदुर्गा जिले के होसदुर्गा तालुक के गविरंगपुरा के 21 वर्षीय मिथुन, चिक्कमगलूरु तालुक के मल्लेनाहल्ली के 21 वर्षीय सुरेश, बल्लारी के 22 वर्षीय प्रवीण कुमार हैं। मरने वाले अन्य लोगों में राजेश, 18, ईश्वर, गोकुल 17, कुमारस्वामी 25, प्रवीण कुमार 25 और प्रभाकर 51 शामिल हैं। मौके का दौरा करने वाले सांसद श्रेयस पटेल ने इस घटना को 'दुखद' बताया। उन्होंने कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हमें जानकारी मिली है कि कई लोगों की जान चली गई है। ऐसी घटना कभी नहीं होनी चाहिए थी। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी जाँच के बाद ही सही कारण का पता चलेगा। विधायक एच. डी. रेवन्ना ने भी घटनास्थल का दौरा किया और स्थिति का जायजा लिया। राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा, जो हासन जिले के प्रभारी भी हैं, ने भी हासन तालुका के मोसाले होसाहल्ली का दौरा किया, जहाँ दुर्घटना हुई थी। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें घटनाक्रम की पूरी जानकारी दी।

धर्मस्थल सामूहिक दफनाने का मामला

शेट्टी ने एसआईटी को 4 संदिग्ध हत्याओं की सूचना दी, मानव अवशेष मिले

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कार्यकर्ता महेश शेट्टी ने धर्मस्थल में कथित सामूहिक दफनाने की जाँच कर रहे विशेष जाँच दल (एसआईटी) के समक्ष एक औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में एजेंसी से 2006 और 2010 के बीच हुई कई संदिग्ध मौतों की जाँच फिर से शुरू करने का आग्रह किया गया है। एसआईटी प्रमुख प्रणब मोहंती के समक्ष दर्ज कराई गई इस शिकायत में उन चार अज्ञात मौतों का जिक्र है जो कथित तौर पर उस चार साल की अवधि के दौरान गेस्ट हाउस के अंदर हुई थीं। शेट्टी का दावा है कि ये घटनाएँ संदिग्ध प्रकृति की थीं और उनका आरोप है कि आरटीआई दस्तावेजों से शवों के वर्गीकरण और दफनाने में अनियमितताओं का पता चलता है। शिकायत के अनुसार, सभी चार शवों को स्थानीय ग्राम पंचायतों के माध्यम से दफनाया गया था, क्योंकि उन्हें 'लावारिस' घोषित किया गया था, जिससे उन्हें अधिक गहन जाँच से बचने का मौका मिला होगा। उन्होंने कहा संदेह है कि ये सभी हत्याएँ हो सकती हैं। उन्होंने एसआईटी से प्राथमिकी दर्ज करने और इन मौतों को संदिग्ध हत्याओं के रूप में देखने का आग्रह किया। कथित तौर पर चारों को पुलिस रिकॉर्ड में अज्ञात मृत्यु रिपोर्ट (यूडीआर) के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन उन्होंने उन परिस्थितियों पर सवाल उठाया है जिनके तहत उन्हें लावारिस घोषित किया गया और दफनाया गया। इस बीच, एक समानांतर घटनाक्रम में, सौजन्या के चाचा विट्ठल गौड़ा, एक नाबालिग, जिसके साथ 2012 में धर्मस्थल में बलात्कार और हत्या की गई थी, ने चल रही जाँच से संबंधित नए दावे किए हैं। गुरुवार को वायरल हुए एक वीडियो में, गौड़ा ने आरोप लगाया कि बंगलागुड्डे में एक स्पॉट महाजर के दौरान हड्डियों और खोपड़ियों सहित मानव अवशेष मिले थे। उन्होंने दावा किया कि एक बच्चे सहित कई व्यक्तियों की हड्डियाँ बरामद की गईं, और आगे आरोप लगाया कि घटनास्थल पर वामाचार (काला जादू) अनुष्ठानों में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएँ भी मिलीं। गौड़ा ने कहा मैं एसआईटी के साथ पूरा सहयोग करने को तैयार हूँ।

महावतों और कावड़ियों को परोसा गया विशेष नाश्ता

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु जिला प्रशासन ने रविवार को मैसूरु पैलेस परिसर में दशहरा हाथियों के महावतों और कावड़ियों के परिवारों के लिए एक विशेष नाश्ता परोसा। नाश्ते में ओब्बट्टू या होलिगे, घी, मसाला इडली, वड़ा, चटनी, डोसा, सागु, पोंगल और अवरेकालु उपमा सहित अन्य व्यंजन शामिल थे। मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने इस अवसर पर महावतों, कावड़ियों और उनके परिवारों को स्वयं ये व्यंजन परोसे, उसके बाद स्वयं और कार्यक्रम में भाग लेने वाले अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उनके साथ भोजन करने के लिए उपस्थित हुए। महादेवप्पा ने इस अवसर पर महावतों और कावड़ियों के बच्चों के लिए एक अस्थायी स्कूल का भी उद्घाटन किया। उन्होंने और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने महावतों और कावड़ियों के बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी अवलोकन किया। उन्होंने मैसूरु पैलेस परिसर में स्थापित अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र का भी दौरा किया और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि महावतों, कावड़ियों और उनके परिवारों की नियमित स्वास्थ्य जाँच हो। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं विधायक तनवीर सैत और जी.टी. देवेगौड़ा, गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति की उपाध्यक्ष पुष्पा अमरनाथ, कर्नाटक प्रदर्शनी प्राधिकरण के अध्यक्ष अयूब खान, उपायुक्त जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी, शहर पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर, मैसूरु जिला पुलिस अधीक्षक एन. विष्णुवर्धन और मैसूरु के पुलिस उपायुक्त बिंदु मणि और सुंदर राज भी उपस्थित थे।

हिंदू निशाने पर: विपक्षी एकता, कांग्रेस सरकार के लिए दुविधा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजनीतिक दलों की आंतरिक प्रतिद्वंद्विता और प्रतिष्ठा की लड़ाई के चलते, सांप्रदायिक मुद्दे राज्य में दिन-प्रतिदिन बड़ी समस्या बनते जा रहे हैं और राज्य सरकार इससे निपटने के लिए संघर्ष कर रही है।

गणेश उत्सव के दौरान हुए दंगे कांग्रेस के हिंदुत्व विरोधी होने के आरोप को और मजबूत कर रहे हैं। सरकार द्वारा मुद्दे को भटकाने के लिए किए जा रहे विभिन्न हथकंडे बेकार साबित हो रहे हैं और कांग्रेस सरकार पर हिंदू विरोधी होने का ठप्पा लगाया जा रहा है। एक ओर, भाजपा से निष्कासित विधायक बसन गौड़ा पाटिल नारेबाजी कर रहे हैं, वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक उनके सामने फीके पड़ गए हैं। विजेंद्र और अशोक ने अपनी छवि चमकाने के लिए मद्दुर में गणेशोत्सव पर पथराव करने वालों के खिलाफ एक विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित किया था। यह विरोध प्रदर्शन सफल रहा।

जिस समय मद्दुर में दंगे सरकार के लिए एक गंभीर मुद्दा बन रहे थे, उसी समय स्थानीय कार्यकर्ताओं ने यतनाल को बुलाने की माँग करते हुए नारे लगाए। इसके बाद, वे पहुँच गए और जमकर हंगामा किया। अशोक और विजयेंद्र के प्रयास यतनाल की लोकप्रियता बढ़ाने में कारगर साबित हुए। बीजापुर तक सीमित रहे यतनाल ने अपने निष्कासन के बाद पूरे राज्य का दौरा शुरू कर दिया है। वे जहाँ भी जा रहे हैं, उन्हें भारी समर्थन मिल रहा है। भाजपा नेता इसका मुकाबला करने के लिए तरह-तरह के प्रयास कर रहे हैं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, जो कि कित्तूर कर्नाटक क्षेत्र तक ही सीमित थे, ने पुलिस अधिकारियों के प्रति अपना गुस्सा दिखाया, जो भाजपा में बढ़ते गुस्से का संकेत है। पिछले हफ्ते, धारवाड़ के नरेंद्र गाँव में गणेश उत्सव के दौरान डीजे बजाने को लेकर युवाओं के दो समूहों के बीच हाथापाई हो गई थी। पुलिस ने स्थिति को शांत करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। इसकी निंदा करते हुए विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

इस संबंध में शांति बैठक में शामिल प्रह्लाद जोशी ने जोर देकर कहा कि एसपी और डीएसपी की अनुमति के बिना लाठीचार्ज करने वाले इंस्पेक्टर को निलंबित किया जाना चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक रूप से पुलिस अधिकारियों पर चिल्लाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो एसपी कार्यालय के सामने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एक ओर, भाजपा नेता कांग्रेस सरकार को हिंदू विरोधी बताने के लिए आपस में होड़ लगा रहे हैं, वहीं कांग्रेस सरकार इसका उचित जवाब न दे पाने से हताश है। कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर है और भाजपा के आरोपों का उचित जवाब देने में लापरवाही बरती जा रही है। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने विधानसभा में ही नमस्ते सदावत्सले का गायन किया था। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने अप्रत्याशित रूप से एबीवीपी के कार्यक्रम में भाग लिया था। इस तरह के व्यवहार से कांग्रेस के एक अन्य गुट में बेचैनी पैदा हो गई है। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने यह कहकर भाजपा के हिंदुत्व पर तंज कसने की कोशिश की है कि वह भी अपने प्रतिद्वंद्वियों की तरह हिंदू हैं और उनके नाम में ईश्वर और विष्णु नाम हैं।

प्रमुख कंपनी के नाम पर निवेश धोखाधड़ी में व्यवसायी और बुजुर्ग महिला को 1.3 करोड़ का नुकसान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक 53 वर्षीय व्यवसायी और एक बुजुर्ग महिला ने एक प्रमुख कंपनी के नाम के लालच में ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी में कुल 1.3 करोड़ गँवा दिए और मदद के लिए पूर्वी डिवीजन साइबर अपराध पुलिस से संपर्क किया। व्यवसायी ने गुरुवार को अपनी शिकायत में कहा कि 17 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से एक व्हाट्सऐप संदेश आया, जिसमें रिलायंस कैपिटल लिमिटेड प्राइमरी मार्केट अकाउंट रजिस्ट्रेशन फॉर्म लिखा था। संदेश में उनसे एक दिन में ज्यादा रिटर्न देने का वादा करते हुए 50,000 जमा करने को कहा गया। उत्सुकतावश, उन्होंने पैसे निवेश कर दिए और अगले दिन उन्हें 5 प्रतिशत का लाभ हुआ। वह शेयर बेचना चाहते थे, लेकिन समूह के अन्य निवेशकों ने उन्हें निवेश जारी रखने और ज्यादा निवेश करने का सुझाव दिया। इस सलाह पर अमल करते हुए, उन्होंने बड़ी रकम निवेश की और उन्हें एहसास हुआ कि वह फंस गए हैं। अपनी शिकायत में, उन्होंने कहा कि उन्होंने 18,99,940.23 का भुगतान करने के बाद कुल 42,381 शेयर आवंटित किए। उन्होंने उसे सौदा बंद करने को कहा और 120 प्रतिशत का मुनाफा दिखाया। जब मैंने दूसरे आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) के लिए आवेदन किया, तो मुझे 1,09,824 शेयर आवंटित किए गए और आवश्यक राशि 81,09,404.16 थी। मेरे पास 35,01,000 कम थे और मैंने उनसे कहा कि मैं यह राशि नहीं दे पाऊँगा। उन्होंने कहा कि अगर मैं बाकी पैसे नहीं चुकाता, तो यह राशि वापस नहीं की जा सकेगी। इसलिए, मैंने बाकी राशि चुकाने के लिए उधार ली। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने इस कमी के लिए उन्हें अल्पकालिक ऋण की पेशकश की और पाँच दिनों के भीतर चुकाने को कहा, और कहा कि वह सारा पैसा निकाल सकते हैं।

पीड़ित ने अपनी शिकायत में कहा जब मैंने रकम वापस कर दी, तो उन्होंने मुझे आईपीओ बेचने को कहा और कुल लाभ राशि 1,26,28,000 दिखाई। इसके बाद, उन्होंने मुझे पैसे निकालने के लिए आवेदन करने को कहा और लाभ राशि का 15 प्रतिशत ब्रोकरेज शुल्क, यानी 11,00,000, चुकाने को कहा। राशि चुकाने के बाद, उन्होंने 10 प्रतिशत कस्टोडियन शुल्क यानी 12,00,000 चुकाने को कहा। तभी उन्हें शक हुआ और उन्होंने अपने दोस्तों से पूछताछ की, तो उन्होंने बताया कि यह एक जाल है। इसी तरह की एक घटना में, कोडिहल्ली निवासी एक 63 वर्षीय सेवानिवृत्त कर्मचारी ने इसी तरह की कार्यप्रणाली के कारण 76 लाख गँवा दिए और गुरुवार को पूर्वी संभाग साइबर अपराध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वह आरोपी के संपर्क में आई, जिसने उसे 2 जुलाई को रिलायंस यूजर एक्सक्लूसिव सर्विस ग्रुप में जोड़ दिया। उसने 76,55,264 मूल्य के पुल-अप स्टॉक, ब्लॉक ट्रेड और आईपीओ (आरंभिक सार्वजनिक निर्गम) में निवेश करना शुरू किया। अपनी शिकायत में, उसने कहा कि उसने 22 अगस्त को निवेश रोक दिया और राशि निकालने के लिए कहा। उसे लाभ पर 10 प्रतिशत ब्रोकरेज राशि का भुगतान करने के लिए कहा गया। उसने उनसे अपने खाते से ब्रोकरेज राशि काटने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने ब्रोकरेज राशि अलग से देने पर जोर दिया।

मंत्री ने प्रमोदा देवी वाडियार को किया आमंत्रित

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच.सी. महादेवप्पा ने मैसूरु के पूर्व राजपरिवार की प्रमोदा देवी वाडियार को 2025 के दशहरा उत्सव के लिए आधिकारिक निमंत्रण दिया।

महादेवप्पा ने मैसूरु पैलेस परिसर स्थित उनके आवास पर वाडियार से मुलाकात की और उन्हें कर्नाटक सरकार की ओर से दशहरा उत्सव के लिए निमंत्रण दिया। परंपराओं का पालन करते हुए, प्रभारी मंत्री ने उन्हें दशहरा उत्सव में आमंत्रित करते हुए फलों और पान की एक टोकरी 'फला ताम्बूल' भेंट की। दशहरा उत्सव का उद्घाटन 22 सितंबर को चामुंडी पहाड़ियों पर होगा और 2 अक्टूबर को विजयादशमी जुलूस के साथ इसका समापन होगा। इस अवसर पर राज्य गारंटी कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष, उपायुक्त जी. लक्ष्मीकांत रेड्डी, शहर पुलिस आयुक्त सीमा लाटकर, मैसूरु जिला पुलिस अधीक्षक एन. विष्णुवर्धन और मैसूरु जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस. युकेश कुमार भी उपस्थित थे।

रायसांद्रा झील पर अतिक्रमण के आरोप में रियल एस्टेट एजेंट पर मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। परप्पना अग्रहारा पुलिस ने शहर के एक रियल एस्टेट एजेंट के खिलाफ फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके लेआउट और मकान बनाने के लिए रायसंद्रा झील पर अतिक्रमण करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की। बोम्मनहल्ली सर्कल की राजस्व निरीक्षक कविता एम. द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, आरोपी राम रेड्डी पर कर्नाटक भूमि राजस्व अधिनियम और बीएनएस की धारा 192, 318, 324, 329, 336 और 340 के तहत मामला दर्ज किया गया है। राजस्व विभाग के अधिकारियों ने पिछले साल नवंबर में बेगुरु होबली के सर्वे नंबर 54, डोड्डानगमंगला में स्थित 56.2 एकड़ में फैली रायसंद्रा झील का निरीक्षण किया था और कथित तौर पर पाया था कि राम रेड्डी और अन्य लोगों ने लेआउट और मकान बनाने के लिए बड़े पैमाने पर अतिक्रमण किया था।

अधिकारियों ने जमीन वापस लेने के लिए अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू किया, लेकिन आरोपियों ने इसका विरोध किया और जमीन का सर्वेक्षण करने की मांग की और तब तक अतिक्रमित संपत्ति पर यथास्थिति बनाए रखने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने सर्वेक्षण किया और पाया कि जमीन पर अतिक्रमण किया गया था, और जमीन वापस पाने के लिए कानूनी प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद, आरोपियों ने कथित तौर पर आदेश की अवहेलना करते हुए लेआउट और मकान बनाना जारी रखा। कविता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मकान और लेआउट जाली दस्तावेजों के आधार पर बनाए जा रहे थे, जिनकी योजनाएँ बिक्री के लिए थीं और जनता तथा राज्य के खजाने को धोखा देने के लिए बनाई जा रही थीं।

ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने के लिए

बेंगलूरु को मिला भारत का पहला साइबर कमांड सेंटर, प्रणब मोहंती डीआईजी नियुक्त

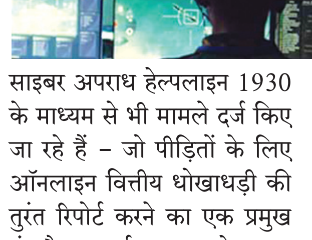

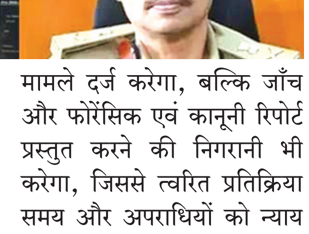

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। साइबर धोखाधड़ी में वृद्धि से निपटने के लिए एक अग्रणी कदम के रूप में, कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को दिए गए निर्देशों के बाद, बेंगलूरु में भारत का पहला साइबर कमांड सेंटर शुरू किया गया। सरकार ने अब प्रणब मोहंती को केंद्र के संचालन का नेतृत्व करने के लिए उप महानिरीक्षक नियुक्त किया है। नए स्थापित साइबर कमांड सेंटर का उद्देश्य साइबर अपराध से संबंधित सभी शिकायतों को एक ही, सुव्यवस्थित जाँच प्रणाली के अंतर्गत लाना है। बेंगलूरु में वर्तमान में 45 साइबर पुलिस स्टेशन हैं, और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से भी मामले दर्ज किए जा रहे हैं - जो पीड़ितों के लिए ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की तुरंत रिपोर्ट करने का एक प्रमुख तंत्र है। इस नई व्यवस्था के साथ, साइबर पुलिस स्टेशनों या हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से दर्ज की गई सभी शिकायतें अब साइबर कमांड सेंटर को भेजी जाएँगी और उसी द्वारा समन्वित की जाएँगी। यह केंद्र न केवल मामले दर्ज करेगा, बल्कि जाँच और फोरेंसिक एवं कानूनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की निगरानी भी करेगा, जिससे त्वरित प्रतिक्रिया समय और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अधिक समन्वित प्रयास सुनिश्चित होंगे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक में 16,000 से ज्यादा अनसुलझे साइबर अपराध के मामले लंबित हैं। अब तक, नियमित पुलिस अधिकारियों को कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारियों और साइबर अपराध की जाँच, दोनों का प्रबंधन करना पड़ता था, जिससे देरी होती थी और ध्यान भटकता था। अब कमांड सेंटर के स्थापित होने के साथ, समर्पित टीमों को पूरी तरह से साइबर अपराध से निपटने का काम सौंपा जाएगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पुष्टि की, इस पहल से हमें साइबर अपराध जाँच में विशिष्ट तकनीकी विशेषज्ञता वाले कर्मियों की भर्ती करने का अवसर मिलेगा। अधिकारियों को डिजिटल साक्ष्यों को संभालने, वित्तीय संस्थानों के साथ समन्वय करने और नागरिकों द्वारा 1930 या साइबर पुलिस स्टेशनों पर अपराधों की रिपोर्ट करने पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया जाएगा। इस केंद्र से सामान्य पुलिस स्टेशनों पर कार्यभार कम करने और मामलों के समाधान की दरों में सुधार की भी उम्मीद है, खासकर फिशिंग, पहचान की चोरी, वित्तीय घोटाले और सोशल मीडिया अपराधों से जुड़े जटिल ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में। प्रणब मोहंती के नेतृत्व में, साइबर कमांड सेंटर के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बनने की उम्मीद है, जो भारत में साइबर अपराध प्रवर्तन के लिए एक केंद्रीकृत, तकनीक-संचालित दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

कोलकाता में हुई द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग

600 लोग फिल्म देख रहे थे, 2 हजार लाइन में खड़े थे

कोलकाता, 14 सितंबर (एजेंसियां)। तमाम विवादों के बाद कोलकाता में एक सिनेमाघर में द बंगाल फाइल्स की स्पेशल स्क्रीनिंग हुई। फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि फिल्म में बंगाल के दो संविधान को दिखाया गया है।

आजादी से पहले भी दो संविधान थे। एक हिंदुओं का और एक मुसलमानों का। इस फिल्म पर प्रतिबंध लगाकर पश्चिम बंगाल सरकार ने साबित कर दिया है कि राज्य में दो संविधान हैं। यहां कोई भी भारतीय संविधान का पालन नहीं करता। लेकिन आज थिएटर में मौजूद 600 लोगों और प्रतीक्षा में खड़े 2000 लोगों ने साबित कर दिया है कि वे इस तानाशाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कोलाकाता के अलीपुर स्थित नेशनल लाइब्रेरी में फिल्म द बंगाल फाइल्स की स्पेशल स्क्रीनिंग का विशेष प्रीमियर आयोजित किया गया। इसका आयोजन खोला हवा नामक संस्था द्वारा किया गया। राज्य सरकार के विरोध के कारण बंगाल के किसी भी सिनेमा हॉल में द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग नहीं की जा रही है। विवेक अग्निहोत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें निर्देशक सिनेमाहॉल में खड़े दिख रहे हैं और कैप्शन में लिखा है, मंच तैयार है। आज रात कोलकाता के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुस्तकालय में 550 लोग द बंगाल फाइल्स देखेंगे। 2000 लोग इंतजार में खड़े हैं।

राजनाथ ने बड़े रक्षा सुधार के तहत नयी रक्षा खरीद नियमावली को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने सुधारों की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राजस्व खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, सरल, सक्षम और युक्तिसंगत बनाने के लिए नयी रक्षा खरीद नियमावली 2025 को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के कार्यालय ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने नयी नियमावली को मंजूरी दे दी है। बजट अनुमान 2025 में राजस्व खरीद का बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये है।

नयी नियमावली रक्षा क्षेत्र मेंआत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए सेनाओं के लिए राजस्व खरीद में तेजी लाएगी, स्टार्टअप और एमएसएमई सहित भारतीय उद्योग को सरल प्रक्रियाओं के साथ सक्षम बनाने के साथ साथ नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देगी। इसमें सहायक वित्तपोषण विकल्प और अनावश्यक दंड में ढील देकर उद्योगों के सामने आने वाली कार्यशील पूंजी संबंधी समस्याओं को कम किया गया है।

नयी नियमावली से उद्योग, शिक्षा जगत और सार्वजनिक क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा अनुसंधान और विकास को कई सक्षम प्रावधानों के साथ बढ़ावा मिलेगा।

इसमें रक्षा राजस्व खरीद और उद्योग के लिए समान अवसर प्रदान करने से संबंधित विशिष्ट चिंताओं का समाधान किया गया है। नयी नियमावली वित्त मंत्रालय द्वारा जारी वस्तुओं के लिए खरीद नियमावली के अनुरूप है।

शाह की अध्यक्षता में पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन

गांधीनगर, 14 सितम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में रविवार को गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में 'हिंदी दिवस-2025' के अवसर पर 'पांचवें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ।

श्री शाह ने समारोह के शुभारंभ अवसर पर हिंदी भाषा प्रेमियों का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी अन्य भारतीय भाषाओं की प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि मित्र है। पहले अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित होता था। इसमें कुछ बदलाव किए गए और पिछले पांच वर्षों से यह कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किया जा रहा है। इसके परिणामस्वरूप हमें राजभाषा और देश की सभी भाषाओं के बीच संवाद बढ़ाने का बहुत ही अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुजरात में प्रारंभ से ही दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, कन्हैयालाल मुंशी और उमाशंकर जोशी सहित अन्य कई विद्वानों ने हिंदी भाषा को स्वीकार किया और इसका प्रचार भी किया। इन दूरदर्शी नेताओं ने भारतीय भाषाओं को एक-दूसरे के साथ संवाद करने और प्रत्येक राज्य में हिंदी को प्रोत्साहन देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि गुजरात में गुजराती और हिंदी का सह-अस्तित्व रहा है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रीय स्तर पर गुजराती बच्चों की पहुंच बहुत अधिक बढ़ गई है। दिल्ली से बाहर यह पांचवां अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित हो रहा है। यह सम्मेलन भाषा प्रेमियों को नई दृष्टि, ऊर्जा और प्रेरणा देता है। आज इस सम्मेलन में कई प्रकाशनों का लोकार्पण हुआ है, जो भाषा के प्रति हमारे प्रेम और शैलियों में भाषा के उपयोग को बढ़ावा देती है। हिंदी बोलचाल और प्रशासन के साथ-साथ विज्ञान, तकनीक और न्याय की भाषा भी होनी चाहिए।

श्री शाह ने 'सारथी' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह एक अनुवाद प्रणाली है, जिसके माध्यम से हिंदी भाषा से भारत की सभी मान्य भाषाओं में सरलता से अनुवाद किया जा सकता है। इस अनुवाद प्रणाली में ऐसी व्यवस्था की गई है कि इसके माध्यम से देश के किसी भी राज्य से किए गए पत्राचार का प्रत्युत्तर केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा उनकी स्थानीय भाषा में दिया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने स्वराज की लड़ाई के दौरान तीन मुद्दों पर बल दिया था- स्वराज, स्वधर्म और स्वभाषा। इन तीनों चीजें न केवल एक-दूसरे से बल्कि देश के स्वाभिमान से भी जुड़ी हुई हैं। महात्मा गांधी गुजरात राज्य साहित्य परिषद के अध्यक्ष थे और उन्होंने गुजराती शब्दकोश की रचना में बहुत बड़ा योगदान दिया था। वे जानते थे कि जब तक भाषा मजबूत नहीं होती, तब तक कोई भी समाज दुनिया के सामने उन्नत मस्तक के साथ खड़ा नहीं हो सकता। इसके अलावा, उन्होंने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' के बारे में बताते हुए कहा कि इस शब्दकोश में लगभग सात लाख शब्दों को शामिल किया गया है, जो वर्ष 20229 तक दुनिया की सभी भाषाओं में सबसे बडा शब्दकोश बन जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। इसके हिस्से के रूप में आज पांच दृष्टिबाधित लोगों को एआई-संचालित चश्मे प्रदान किए गए हैं। इस चश्मे की विशेषता बताते हुए उन्होंने कहा कि एआई-संचालित चश्मे की मदद से दृष्टिबाधित व्यक्ति अपनी मातृभाषा में भी पढ़ सकेंगे, इससे परिचित चेहरों को पहचानने में मदद मिलेगी और वॉइस असिस्टेंट सिस्टम की मदद से करेंसी मुद्रा की पहचान कर सकेंगे। इस प्रकार, यह चश्मा उनके निजी सहायक के रूप में काम करेगा।

श्री शाह ने देश भर के माता-पिता से अपील की कि बच्चों के साथ मातृभाषा में बातचीत करें और उन्हें मातृभाषा में बोलना, लिखना और पढ़ना सिखाएं। अनेक भाषा विद्वानों और मनोवैज्ञानिकों ने यह सिद्ध किया है कि जब बच्चा अपनी भाषा में पढ़ता, सोचता, बोलता, विश्लेषण करता, तर्क करता और अपनी भाषा में निर्णय लेता है, तो उसकी क्षमता लगभग 30 फीसदी बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को मातृभाषा को महत्व देना चाहिए और राजभाषा का सहयोग करना चाहिए। संस्कृति भाषा ने हमें ज्ञान की गंगा दी है, तो हिंदी भाषा ने उस ज्ञान को घर-घर तक पहुंचाया है। जबकि हमारी स्थानीय भाषाओं ने उस ज्ञान को हर व्यक्ति तक पहुंचाया है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न तकनीकों के माध्यम से स्थानीय भाषाओं को मजबूत बनाने का सुंदर काम किया है, जिसके हिस्से के रूप में गृह मंत्रालय में भारतीय भाषा अनुभाग का गठन किया गया है, जो केवल आधिकारिक भाषाओं ही नहीं, बल्कि देश की सभी भारतीय भाषाओं को सुदृढ़ करने का काम करता है। देश के लगभग 539 शहरों तथा लंदन, सिंगापुर और दुबई जैसे देशों में भी आधिकारिक भाषा समिति का गठन किया गया है।

खराब मौसम के कारण वैष्णो देवी यात्रा फिर स्थगित

जम्मू, 14 सितम्बर (एजेंसियां)। श्री माता वैष्णो देवी मंदिर तीर्थयात्रा खराब मौसम के मद्देनजर रविवार को पुन: को स्थगित कर दी गयी। यह यात्रा 19 दिनों के लंबे अंतराल बाद रविवार से शुरू होने वाली थी।

मंदिर बोर्ड के अधिकारी ने बताया,श्री माता वैष्णो देवी यात्रा जो रविवार से शुरू होने वाली थी, भवन और मार्गों पर लगातार बारिश के कारण अगले आदेश तक पुन: स्थगित की जाती है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं से निवेदन है कि आधिकारिक संचार तंत्र के जरिये जानकारी प्राप्त करते रहें।

26 अगस्त को अधकुवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश से आये भूस्खलन में कम से कम 34 लोगों ने अपनी जान गंवा दी थी, जिसमें अधिकतर श्रद्धालु थे और कई अन्य घायल हो गये थे।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने 26 अगस्त के भूस्खलन की जांच के लिये एक उच्च स्तरीय तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। जम्मू कश्मीर के जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शालिन काबरा की अध्यक्षता में गठित समिति में जम्मू संभागीय आयुक्त रमेश कुमार और जम्मू के पुलिस महानिरीक्षक बी.एस. टूटी भी शामिल हैं। यह समिति एलजी सिन्हा को घटना की जांच कर रिपोर्ट देगी।

इससे पहले कटरा के आध्यात्मिक विकास केंद्र में 13 सितंबर को श्री माता वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन कुमार वैश्य की अध्यक्षता में एक संयुक्त बैठक की गयी, जिसमें 22 सितंबर से चलने वाली नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि के दौरान निर्बाध तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने पर चर्चा की गयी।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि नवरात्रि निकट है और ऐसे में बोर्ड को तीर्थस्थल और कटरा स्थित आधार शिविर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है इसलिए नवरात्रि पर्व के दौरान सभी एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने आने वाले दिनों में बिना किसी परेशानी के तीर्थयात्रा के लिए विभिन्न मोर्चों पर कार्रवाई करने का भी आह्वान किया।

एनआईए ने अमृतसर मंदिर में ग्रेनेड हमले के आरोपियों के खिलाफ दायर किया आरोप पत्र

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अमृतसर के एक मंदिर में ग्रेनेड हमला करने के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

एनआईए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार एनआईए ने शुक्रवार को मोहाली (पंजाब) की विशेष अदालत में दाखिल आरोपपत्र में विशाल गिल , भगवंत सिंह उर्फ मन्ना भट्टी और दीवान सिंह उर्फ सनी पर अमृतसर के छेहरटा स्थित ठाकुरद्वारा सनातन मंदिर पर हमले की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप लगाया है।

श्रमदान से विद्यार्थी सजाएंगे विद्यालय और छात्रावास

सर्वोदय विद्यालयों और छात्रावासों में शुरू हुआ श्रमदान अभियान

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने एक और अभिनव कदम बढ़ाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन और समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण के निर्देश पर प्रदेश के सभी जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों और राजकीय छात्रावासों में प्रत्येक रविवार श्रमदान कार्यक्रम शुरू हो गया है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुशासन, सहयोग और श्रम के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है।

श्रमदान कार्यक्रम के तहत प्रत्येक रविवार को विद्यालय और छात्रावास परिसर की साफ-सफाई की जाएगी। टूटी हुई कुर्सियां, मेज और अन्य फर्नीचर की मरम्मत, पानी की टंकियों व नालियों की सफाई तथा कचरा निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आवश्यक उपकरण-झाड़ू, फावड़े, बाल्टी, तसला और कूड़ेदान-की व्यवस्था पहले से कर दी गई है। बागवानी पर जोर देते हुए पेड़-पौधों की निराई-गुड़ाई, नए पौधों का रोपण और सूखे पत्तों व टहनियों से खाद बनाने का कार्य भी किया जाएगा। इससे विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना मजबूत होगी।

विद्यालयों को सदनों में बांमटकर श्रमदान की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इससे विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना जागेगी और परिसर को सुंदर बनाने की प्रेरणा मिलेगी। श्रमदान कार्य की पहले और बाद की तस्वीरें निर्धारित प्रारूप में क्यूआर कोड के माध्यम से अपलोड की जाएंगी, जिससे निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

राज्यपाल ने किया पूर्णिया विश्वविद्यालय का औचक निरीक्षण

पूर्णिया , 14 सितम्बर (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल और कुलाधिपति आरिफ मोहम्मद खान ने पूर्णिया विश्वविद्यालय का अचानक दौरा कर सभी को चौंका दिया। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 सितंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही पूर्णिया पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बिना किसी पूर्व सूचना के सीधे विश्वविद्यालय परिसर का रुख किया और कामकाज का जायजा लिया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में कुलपति प्रोफेसर विवेकानंद सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों की जानकारी ली। बैठक में विश्वविद्यालय के कई पदाधिकारी भी मौजूद थे।

प्रेस से बात करते हुए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि वे प्रधानमंत्री के आगमन के प्रोटोकॉल के तहत पूर्णिया आए हैं। इसी दौरान उन्हें विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने का अवसर मिला, जहां उन्होंने शिक्षा के स्तर में सुधार पर जोर दिया।

जब पत्रकारों ने विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया, तो राज्यपाल ने स्पष्ट कहा कि यदि शिक्षकों की कमी है तो मेरे आने का इंतजार मत कीजिए। आप सीधे जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि शिक्षा के विस्तार और संस्थानों को मजबूत बनाने के लिए उनके स्तर पर जो भी संभव होगा, वह किया जाएगा। उन्होंने कुलपति को भी निर्देश दिया कि वे छात्रों की समस्याओं, खासकर पीएचडी की पढ़ाई से जुड़ी दिक्कतों पर तुरंत ध्यान दें।

डीआरआई ने कोलकाता में पकड़ा 26 करोड़ रुपये का तस्करी का मादक द्रव्य, दस गिरफ्तार

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कोलकाता में मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया कर लगभग 26 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए है और इसमें शामिल नेटवर्क के सरगना सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार डीआरआई की कोलकाता क्षेत्रीय इकाई ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने अभियान के तहत शुक्रवार को एक बहुआयामी अभियान चलाया। इसके तहत सुबह तीन अलग-अलग स्थानों पर एक साथ तलाशी ली गयी। जिनमें कोलकाता हवाई अड्डा और जादवपुर के बिजॉयगढ़ इलाके में दो मकान हैं जिनमें एक नेटवर्क के सरगना कहा मकान है ।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 पर अंतरिम रोक पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला 15 सितंबर को

नई दिल्ली, 14 सितम्बर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सोमवार को अपना अंतरिम फैसला सुनायेगा।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह की पीठ ने 22 मई को उस कानून के विभिन्न प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर में है धंधे का अड्डा

कानपुर के सस्ते नमक को टाटा-नमक बना कर बेचते हैं

पीने के पानी में भी करते हैं खतरनाक मिलावट

गोरखपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर से सस्ता नमक लाकर केमिकल से उसे टाटा-नमक बना कर बाजार में बेच देते हैं। प्रति पैकेट 12-15 रुपए के मुनाफे के चक्कर में धंधेबाज सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। दूसरी तरफ पीने के पानी में भी मिलावट की जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शहर गोरखपुर में नमक की री-पैकिंग का खेल लंबे समय से चल रहा है। कानपुर से थोक में पिसा हुआ सस्ता नमक यहां लाया जाता है और यहां उसे नामी-गिरामी ब्रांड के पैकेट में पैक कर बाजार में खपा दिया जाता है।

नमक में नमी रोकने के लिए एंटी केकिंग एजेंट के तौर पर पोटेशियम फेरोसायनाइड मिलाया जाता है। इससे नमक फ्री फ्लो हो जाता है। 12-15 रुपये प्रति पैकेट के मुनाफे के चक्कर में धंधेबाज लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय से ऐसा नमक खाने से लिवर खराब हो सकता है। गोरखपुर के नौसड़, ट्रांसपोर्ट नगर और लालडिग्गी इलाके के कुछ घरों में चोरी-छिपे चल रहा है। बाजार के जानकारों के मुताबिक, थोक में सस्ता नमक लाने के बाद उसे ब्रांडेड पैकेट में भरा जाता है। इस खेल में प्रति पैकेट करीब 12 से 15 रुपये तक का मुनाफा होने के कारण इसमें शामिल लोग जोखिम उठाने से भी पीछे नहीं हटते।

दिल्ली से लाए गए रैपर में स्थानीय स्तर पर बनाई गई नकली पैकिंग इतनी सटीक होती है कि पहली नजर में ग्राहक को असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो जाता है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों और छोटे दुकानदारों तक ये नकली पैकेट बड़ी आसानी से पहुंच जाते हैं। उपभोक्ताओं को न केवल ठगी का शिकार होना पड़ता है, बल्कि स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ने का खतरा बना रहता है। क्योंकि बिना किसी जांच-पड़ताल और गुणवत्ता मानक के यह नमक पैक किया जाता है।

त्यौहार और शादियों के सीजन में इस नकली पैकेट वाले नमक की मांग और भी बढ़ जाती है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बीते जनवरी में नौसड़ में संचालित एक नमक की फैक्टरी पर छापा मारकर कुछ सैंपल भी लिए थे। जिला अस्पताल के डॉक्टर प्रशांत अस्थाना ने कहा, नमक स्वाद नहीं सेहत के लिए जरूरी है। पैक्ड नमक में अलग से मिलाए गए तत्व हानिकारक होते हैं। एंटी केकिंग एजेंट, सोडियम की अधिक मात्रा ब्लड प्रेशर को बढ़ा देता है। लंबे समय तक इसके प्रयोग से गुर्दे पर असर पड़ता है।

मोटे मुनाफे के लिए धंधेबाज पानी में भी मिलावट कर लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। शहर में शुद्ध पानी के नाम पर हो रहा धंधा सेहत के लिए खतरा बनता जा रहा है। रेलवे स्टेशन, मोहल्लों और दुकानों तक जो पानी जार, बोतल या पैकेट में मिल रहा है, उसकी कोई जांच नहीं होती। इसका फायदा धंधेबाज उठा रहे हैं। रेलवे स्टेशन के सामने की दुकानों पर रोजाना ऑटो से बोतलबंद पानी उतरता है। इसे प्लेटफार्म और ट्रेनों में बेच दिया जाता है। जबकि रेलवे स्टेशन पर कुछ चुनिंदा ब्रांड का ही पानी बेचने की अनुमति है। शहर में पिछले छह महीने में हुई अलग-अलग जांच में पर्दाफाश हुआ कि बोतलबंद और पैकेट वाले पानी में आवश्यक खनिज तत्व नहीं हैं। पैक्ड पानी के नमूनों में कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मौजूदगी की पुष्टि हुई है।

इस बैक्टीरिया की वजह से पेट से संबंधित गंभीर बीमारियां होती हैं। इससे पहले जांच में केवल क्लोरीन मिलने की बात सामने आई थी, लेकिन अब बैक्टीरिया की मौजूदगी ने खतरे को और बढ़ा दिया है। इसके बावजूद शुद्ध पानी के नाम पर हर दिन शहर में करीब 20 लाख लीटर पानी की सप्लाई आरओ प्लांट के जरिए हो रही है। गीडा स्थित पैकेज्ड वाटर यूनिट संचालक पुनीत श्रीवास्तव के अनुसार, गीडा व शहर में लगे प्लांटों से प्रतिदिन करीब चार लाख बोतल पानी बाजार में जाता है। इसके अलावा डेढ़ लाख बोतलें बहुराष्ट्रीय कंपनियों की ओर से सप्लाई होती हैं। इतना ही नहीं, शहर में 10 से अधिक अवैध पैकेजिंग प्लांट भी सक्रिय हैं, जहां बिना मानक पालन किए बोतल और पैकेट में पानी भरकर सीधे दुकानों और ग्राहकों तक पहुंचाया जा रहा है।

पिछले दिनों गोरखनाथ क्षेत्र समेत कई इलाकों में पैकेट और बोतल वाले पानी के नमूने लिए गए। इनमें से दो नमूनों की रिपोर्ट अधोमानक आई। सूत्रों का कहना है कि इन नमूनों में सिर्फ क्लोरीन पाया गया, जबकि आवश्यक खनिज तत्व नदारद थे। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने आठ पंजीकृत कारखानों से 10 नए नमूने लिए हैं और इन्हें विशेष जांच के लिए भेजा है। विभागीय अधिकारी मानते हैं कि यह जांच शहर में बिकने वाले पानी की असली तस्वीर सामने लाएगी।

शहर में करीब 600 आरओ प्लांट संचालित हो रहे हैं। इनमें से अधिकांश किसी विभाग में पंजीकृत हैं और न ही इनके पानी की नियमित जांच होती है। हर प्लांट से औसतन 2000 लीटर से अधिक पानी रोज बेचा जाता है। इस हिसाब से देखें तो हर दिन करीब 12 लाख लीटर पानी तो केवल इन प्लांटों से ही घर-घर जा रहा है, जिनकी कोई जांच नहीं होती। हालात ये हैं कि कई संचालक अब ऑटो पर 1000 लीटर की टंकी रखकर मोहल्लों में घूम-घूमकर पानी बेचते हैं। जबकि नियम यह है कि पानी सील जार में ही उपलब्ध कराया जाएगा और उस पर निर्माता का नाम, उत्पादन तिथि और घुलनशील तत्वों की जानकारी अंकित होगा लेकिन ऐसा कहीं नहीं हो रहा।

पानी का धंधा मोहल्लों से लेकर रेलवे स्टेशनों तक फैला है। स्टेशन के गेट नंबर तीन के सामने चाय की एक दुकान के पास हर दिन ऑटो से पानी की बोतलें उतारी जाती हैं। यहां दो घंटे तक इन बोतलों को डीप फ्रीजर में रखा जाता है। इसके बाद पानी की बोतलें प्लेटफार्म नंबर एक से लेकर नौ तक पहुंचा दी जाती हैं। ट्रेन आने के वक्त इन्हें प्लेटफार्म व फुट ओवरब्रिज पर कहीं किनारे रखा जाता है और जैसे ही ट्रेन चलने लगती है, इसको बोगियों में रखवा दिया जाता है। रास्ते में भी यात्रियों को बिना जांच वाला पानी पीने को मिलता है। कई बार जांच में ऐसा पकड़ा भी जा चुका है लेकिन धंधे पर रोक नहीं लग पा रही है।

भारत-पाकिस्तान मैच का विरोध करने पर ठोक दिया मुकदमा

शहीदों का खून सूखा नहीं और हम पाकिस्तान से खेल रहे क्रिकेट

लखनऊ/मुरादाबाद, 14 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ होने वाले क्रिकेट मैच के खिलाफ प्रदर्शन करने और बीसीसीआई का पुतला फूंकने पर योगी प्रशासन ने 10 युवकों पर मुकदमा ठोक दिया। ये सभी युवक लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र बताए गए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय में बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे 10 युवकों के खिलाफ हसनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय छात्र पंचायत संगठन से जुड़े छात्रों ने लखनऊ विश्वविद्यालय के गेट-3 के पास भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर बीसीसीआई के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका था। इस मामले में चौकी इंचार्ज लविवि शिशिर कुमार सिंह की तहरीर पर शिवम पांडेय, अमन बहादुर, हिमांशु तिवारी, अमन पटेल, रूद्र प्रताप सिंह, प्रियांशु पांडेय, अभय वर्मा, अंकित निषाद, विवेक पांडेय, अमन यादव, और चार-पांच अज्ञात युवकों के खिलाफ हसनगंज थाने में बीएनएस की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा जारी किए गए विधिवत आदेशों की अवज्ञा) के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस धारा के तहत आर-ोपी को छह महीने तक का कारावास या 2,500 रुपये तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। अगर उल्लंघन से मानव जीवन, स्वास्थ्य या सुरक्षा को खतरा होता है, तो उसे एक साल तक का कारावास और 5,000 तक का जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं।

उधर मुरादाबाद में सपा सांसद एसटी हसन ने भारत-पाकिस्तान मैच का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में 26 लोगों की शहादत के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना शहीदों का अपमान है। सपा सांसद ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई, कई परिवार तबाह हो गए। उनके आंसू अभी सूखे भी नहीं हैं और हम पाकिस्तान के साथ दोस्ताना मैच खेल रहे हैं। सपा सांसद ने कहा कि आतंकवादी कहां से आते हैं, यह सबको पता है। जो देश हमारे शहीदों का खून बहा रहा है उसके साथ खेलना सही नहीं है। मैच दोस्तों के साथ खेले जाते हैं, दुश्मनों के साथ नहीं। उन्होंने सरकार से मांग की कि देश की भावनाओं का सम्मान करते हुए पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच न खेला जाए।

यूपी में सरसों की पैदावार बढ़ाने पर जोर

किसानों को नि:शुल्क मिलेगा सरसों का बीज

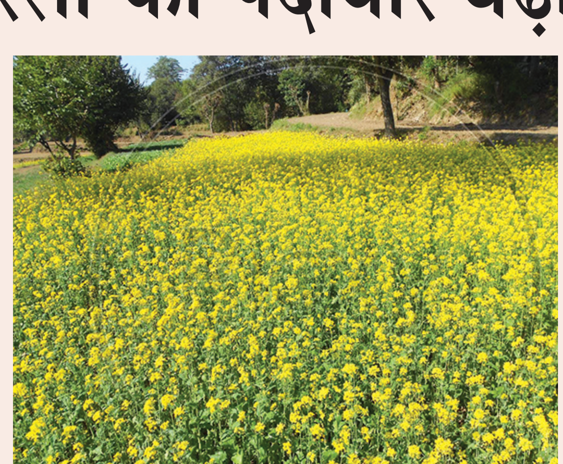

बरेली, 14 सितंबर (एजेंसियां)। बरेली जिले में किसानों को सरसों का बीज निशुल्क मिलेगा। इसके लिए किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पात्र पाए जाने पर एक एकड़ खेत के लिए दो किलो सरसों का बीज दिया जाएगा। बरेली जिले में सरसो के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर है। इसके लिए पात्र प्रत्येक किसान को एक एकड़ फसल के लिए दो-दो किग्रा की मिनी बीज किट बांटे जाएंगे। यह बीज किट नि:शुल्क होंगे। बीज किट का वितरण 25 सितंबर के बाद से होगा। यह जानकारी जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने दी।

उन्होंने बताया कि जिले में 10,400 किसानों को निशुल्क सरसों मिनी किट बांटने का लक्ष्य मिला है। लेकिन, यह लाभ उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिन्होंने 25 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन के आधार पर होगा। किसानों को कृषि विभाग की वेबसाइट पर विवरण दर्ज करना होगा।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि योजना का प्रचार-प्रसार करने के लिए विभाग के कर्मचारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही ब्लॉकों पर स्थित राजकीय कृषि बीज भंडार के प्रभारी भी किसानों को सरसों मिनी किट के संबंध में ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। पिछले वर्ष विकास खंडों के माध्यम से ऑफलाइन मिनी किट का वितरण किया गया था। उन्होंने बताया कि किसानों को आधुनिक खेती से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में सरसो की पैदावार बढ़ाने के लिए मिनी किट देने की व्यवस्था की गई है। पंजीकरण के दौरान किसानों को अपना नाम, पता, आधार नंबर, मोबाइल नंबर और भूमि का विवरण भरना होगा। आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद विभाग की ओर से आवेदनों की जांच की जाएगी और पात्र किसानों को मिनी किट बांटी जाएगी।

जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि पिछले वर्ष ऑफलाइन वितरण में कई किसानों ने शिकायतें दर्ज कराई थीं, इसके बाद विभाग ने इस बार ऑनलाइन पंजीकरण कराने वाले किसानों को ही नि:शुल्क रूप से सरसों बीज की मिनी किट देने का निर्णय हुआ है। इसलिए किसानों को बताया गया है कि वह लोग समय रहते ऑनलाइन आवेदन करें।

भाजपा नेता संगीत सोम ने कहा

बाबर काल से भी ज्यादा खराब था सपा का कार्यकाल

मेरठ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। दौराला कस्बे में रविवार को ब्राह्मण समाज के सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें सरधना के पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने कहा कि वह जातियों को लड़ाने का काम भी नहीं करते और सबके काम कराते हैं। संगीत सोम ने कहा कि सपा कार्यकाल में वह बोलते भी थे और संघर्ष भी करते थे। मुझे साढ़े तीन महीने तक जेल में रखा गया। सपा सरकार का कार्यकाल बाबर और अकबर के जमाने से भी खराब था।

संगीत सोम ने कहा कि वह 18 साल से जनता के बीच में हैं। वह कभी समाज से नाराज नहीं हो सकते। उन्होंने 10 साल में काफी कार्य कराए और अब हार के बाद भी कार्य करा रहे हैं। वह मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं।

उनके पास आज भी मुस्लिम लोग आते हैं, जिनके वह कार्य कराते हैं। वह केवल देश व प्रदेश में अराजकता फैलाने और माहौल खराब करने वालों का विरोध करते हैं। सोम ने कहा कि हमारे परिवार ने हमें यह संस्कार दिए हैं कि कोई भी शुभ कार्य करो, तो ब्राह्मण का आशीर्वाद लेकर करो। यह लोकतंत्र है, कोई कहीं भी वोट दे सकता है। यदि सभी एक जगह वोट देने लगे तो चुनाव ही नहीं होंगे। उन्होंने ब्राह्मण समाज के लोगों से कहा कि चाहे जो हो जाए, वह कभी भी जातियों को लड़ाने का कार्य कभी नहीं करेंगे।

संगीत सोम ने कहा कि भाजपा सरकार में आज गुंडे माफिया प्रदेश से बाहर हैं। कानून व्यवस्था मजबूत है। विपक्ष समाज की बात करता है लेकिन राजू पाल की पत्नी को यह कहने पर पार्टी से बाहर कर दिया कि उन्हें न्याय मिल गया। इस दौरान नवीन शर्मा, मनोज चिरौड़ी, मनोज भारद्वाज, नितिन शर्मा, अशोक, रामकुमार, अनिल, सोनू आदि मौजूद थे।

अहमदाबाद की तरह का हो सकता था हादसा

पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकी दुर्घटना

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ एयरपोर्ट पर रविवार को एक बड़ा हादसा टल गया। लखनऊ से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट को टेकऑफ के तुरंत बाद ही रनवे पर रोकना पड़ा। बुद्धिमान पायलट ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए, जिसकी वजह से यात्रियों में हड़कंप मच गया।

लेकिन पायलट ने सभी यात्रियों की जान बचा ली। उसी फ्लाइट में सपा नेता अखिलेश यादव की पत्नी सांसद डिंपल यादव भी सवार थीं। विमान पर कुल 151 यात्री भी सवार थे।

टेकऑफ के लिए विमान रनवे पर दौड़ चुका था, लेकिन पायलट को पता चल गया कि इंजन को पर्याप्त थ्रस्ट नहीं मिल पा रहा है। इसी वजह से इमरजेंसी ब्रेक लगाए गए और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अभी यात्रियों को दूसरे विमान से दिल्ली रवाना कर दिया गया। इस घटना ने एक बार फिर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद में एयर इंडिया का जो विमान क्रैश हुआ था, उसमें भी हादसे का मुख्य कारण यही माना गया था कि इंजन को पर्याप्त थ्रस्ट नहीं मिल पाया। अब वैसी ही स्थिति लखनऊ के एयरपोर्ट पर देखने को मिली। डीजीसीए ने इस घटना का संज्ञान ले लिया है और इंडिगो से जवाब मांगा है।

69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने लगाई सरकार से गुहार

23 तारीखों के बाद भी सुप्रीम कोर्ट नहीं कर रही सुनवाई

लखनऊ, 14 सितंबर (एजेंसियां)। लंबे समय से संघर्ष कर रहे 69000 शिक्षक अभ्यर्थियों ने रविवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या से मुलाकात की और न्याय की मांग की। केशव मौर्य ने आश्वासन दिया है कि वे विभागीय अधिकारियों से बात करेंगे। अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री को बताया कि 69000 शिक्षक भर्ती का प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में एक साल से चल रहा है। इसमें 23 बार डेट लग चुकी है, मगर सरकारी अधिवक्ता आज तक उपस्थित नहीं हुए। छात्रों ने मांग की कि आगामी डेट पर सरकारी अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित होकर उचित पैरवी करें ताकि हमें न्याय मिल सके।

अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे धनंजय गुप्ता ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों की लापरवाही से हमारा प्रकरण सुप्रीम कोर्ट में लटका हुआ है। हम राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग से जीत चुके हैं। हाईकोर्ट से जीत चुके हैं। फिर भी लग लोगों को न्याय नहीं दिया जा रहा है।वहीं विक्रम यादव ने कहा कि समय रहते अगर हमारी बातें नहीं सुनी जाती है तो हम एक बार फिर से लखनऊ में आंदोलन को मजबूर होंगे। उप मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वाले में अमित मौर्या भी शामिल थे।

नींद नहीं आती तो दूध का सेवन करें

जिन लोगों को नींद नहीं आती, उन्हें सोने से पूर्व एक गिलास दूध पीना चाहिए। यह बात वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुकी है कि नींद लाने में दूध मुख्य भूमिका निभाता है। दूध जब पेट में जाता है तो अतिरिक्त एसिड को शरीर में से खत्म कर नींद लाने में सक्षम होता है। दूध में एमीनो-एसिड लेबपटोफान होता है जो नींद लाने में सहायक है। नींद के लिए गोलियों का प्रयोग हानिकारक है।

फायदेमंद है केले का सेवन

केला स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। रोज एक केला खाना तन-मन को तंदुरुस्त रखता है। केला शुगर और फाइबर का बेहतरीन स्रोत होता है। केले में थाइमिन, नियासिन और फॉलिक एसिड के रूप में विटामिन ए और बी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। साथ ही इसमें पानी की मात्रा 64.3 प्रतिशत, प्रोटीन 1.3 प्रतिशत, कार्बोहाईड्रेट 24.7 प्रतिशत तथा चिकनाई 8.3 प्रतिशत होती है।

पिस्ते से कम करें शरीर की सूजन

पिस्ता खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसका इस्तेमाल कई व्यंजन बनाने में किया जाता है। इसमें विटामिन, मिनरल्स, वसा, फाइबर पाया जाता है। इसका सेवन करने से हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। रोजाना पिस्ते का सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। अगर पैरों या हाथों में सूजन रहती है तो पिस्ते का सेवन करें। इसमें मौजूद विटामिन-ए सूजन को कम करते है।

जलने पर न करें गलतियां...

त्वचा का कोई भाग अगर जल गया है, तो आप उसके लिए किए जाने वाले कुछ घरेलू उपाय जरूर जानते होंगे। लेकिन क्या आप यह जानते हैं, कि जल जाने पर ऐसी कौन सी सावधानियां रखी जाए, जिससे आपको और परेशानी नहीं उठानी पड़े और घाव बढ़ न जाए।

बर्फ के प्रयोग से बचें

त्वचा के जल जाने पर कई लोग जलन से बचने के लिए बर्फ का सहारा लेते हैं। यह बात सही है कि बर्फ की सिकाई से जलन खत्म हो जाएगी, लेकिन बर्फ उस स्थान पर खून को जमा सकती है, जिससे आपका रक्त संचार प्रभावित हो सकता है। इसलिए बर्फ का प्रयोग करने से बचें। बर्फ की सिकाई करने पर फफोले पड़ने की आशंका कम नहीं होती बल्कि इससे परेशानी बाद में बढ़ सकती है। इसलिए सावधानी जरूर बरतें।

रूई का इस्तेमाल न करें

कभी भी जले हुए स्थान पर रूई का प्रयोग भूल कर भी न करें। यह त्वचा पर चिपक सकती है, जिससे अधिक जलन होगी। इसके अलावा बैक्टीरिया पनपने की आशंका भी होगी। जले हुए स्थान पर मक्खन या मलहम को तुरंत लगाने से बचें और फफोले पड़ने पर उन्हें फोड़ने की गलती बिल्कुल न करें। इससे संक्रमण फैल सकता है और तकलीफ बढ़ सकती है।

घर पर न करें उपचार

अत्यधिक जल जाने पर घर पर उपचार आजमाने के बजाए तुरंत पीड़ित को अस्पताल लेकर जाएं। जले हुए स्थान पर अगर कोई कपड़ा चिपका हुआ हो तो उसे उतारें नहीं, इससे त्वचा के निकलने के का खतरा होता है। अत्यधिक जले हुए मरीज को पानी मत दीजिए, बल्कि ओआरएस का घोल पिलाइए। क्योंकि जलने के बाद आदमी की आंत काम करना बंद कर देती है और पानी सांस नली में फंस सकता है जो कि जानलेवा हो सकता है।

क्या ताजी दिख रहीं सब्जियां सच में ताजा हैं...?

क्या हमारे द्वारा रोजाना खाई जाने वाली सब्जियां वास्तव में ताजा होती है? यह बताना जरा मुश्किल है लेकिन यह बात सच है कि सब्जियों में ताजगी हो या नहीं, लेकिन आज के समय में इन्हें तरोताजा दिखाने के लिए केमिकल का इस्तेमाल होता है। जी हां हरी सब्जियों को लंबे समय तक संरक्षित और ताजगी को बरकरार रखने के लिए उन्हें केमिकल में रखा जाता है वहीं दूसरी तरफ लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए ऑक्सीटोन के इंजेक्शन लगाए जाते हैं जो सेहत के लिए नुकसानदायक होते है। इससे कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

आहार विशेषज्ञों को कहना है कि हालांकि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि ये स्वादिष्ट और पौष्टिक होने के साथ विटामिन, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसी पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं। लेकिन इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सब्जियां बहुत दिनों से संरक्षित न रखी गई हो। सब्जियों को ताजा बनाएं रखने के लिए इंजेक्शन न लगाया गया हो।

चमकदार सब्जी न खरीदें

हमें ज्यादा चमकने वाली सब्जी ताजा लगती है, लेकिन सब्जी खरीदते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप जो सब्जी ले रहे हैं, वह अतिरिक्त रंग और चमक लिए हुए न हो। क्योंकि केमिकल के कारण सब्जियां अतिरिक्त चमक और चटख रंग लिए हुए होती हैं। ऐसी सब्जियां खाने से पेट की समस्याएं जैसे अल्सर, एसिडिटी और गैस हो सकती है।

पोषक तत्वों का नष्ट होना

अधिक समय तक संरक्षित कर रखी हुई सब्जियों का प्रयोग बिल्कुल न करें। इन सब्जियों के पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और सेहत को इनका कोई फायदा नहीं मिलता बल्कि आपकी सेहत को नुकसान हो जाता है। सब्जी को बनाने के बाद कुछ घंटों में ही उसका इस्तेमाल करना बेहतर होगा, अन्यथा यह सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकती हैं। एक बार सब्जी को बनाने के बाद उसे बार-बार गर्म करके लंबे समय तक इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। ऐसा करने पर उसके पोषक तत्व नष्ट होंगे, स्वाद में भी परिवर्तन होगा और आपको कोई फायदे भी नहीं मिल पाएंगे।

फ्रिज में रखी सब्जी का सेवन

ज्यादातर लोग सब्जी को बनाकर फ्रिज में रख देते हैं और कई घंटों बाद इसका इस्तेमाल करते हैं। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह-सात घंटे के भीतर इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्व खत्म होने लगते हैं। इससे हमें उस सब्जी से वह पोषक तत्व प्राप्त नहीं होते जो वास्तव में हमें चाहिए होते हैं।

हमेशा ठीक नहीं एंटीसेप्टिक साबुन...

आजकल लगभग हर कोई हाथ धोने के लिए एंटीसेप्टिक साबुन या जैल का प्रयोग करता है। हम सब इसे संक्रमण से बचाव का बेहतर तरीका मानते हैं, लेकिन सच्चाई इसके उलट है। हाल ही में एफडीए यानी अमरीकन फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने 17 से अधिक एंटीसेप्टिक साबुनों को प्रतिबंधित किया है कि इससे कोई लाभ नहीं है और यह सुरक्षित प्रतीत नहीं होते। स्टडी के दौरान ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिला, जो साबित कर सके कि एंटीसेप्टिक साबुन, सामान्य साबुन और पानी से बेहतर है।

बैक्टीरिया की क्षमता

रिसर्च में यह साबित हो चुका है कि एंटीबॉयोटिक्स के लगातार संपर्क में आने से बैक्टीरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित हो जाती है जो कि बेहद खतरनाक है। एफडीए ने यह कहते हुए चेतावनी जारी की थी कि अत्यधिक एंटीबायोटिक के प्रयोग से मानव हार्मोन्स के प्रभावित होने और बैक्टीरिया में प्रतिरोधी क्षमता बनने का खतरा है।

खतरनाक रसायन

एफडीए ने एंटीसेप्टिक साबुन उत्पादक कंपनियों से इस विषय पर स्टडी करने को भी कहा था, लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। प्रतिबंधित हुए एंटीसेप्टिक रसायनों में ट्राईक्लोजन और ट्राइक्लोकार्बन जैसे एंटीसेप्टिक रसायन भी शामिल हैं। ट्राईक्लोजन 93% एंटीसेप्टिक साबुनों में प्रयोग किया जाता है। अध्ययन में साफ हुआ है, ट्राईक्लोजन मानव और पशुओं के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। स्टडी के मुताबिक ट्राईक्लोजन ने मानव आंतों में पाए जाने वाले माइक्रोबियम का ढांचा बदल दिया है। यह मानव भ्रूण के लिए भी नुकसानदायक है।

बच्चे को गिफ्ट देने में रखें सावधानी...

बच्चों के लिए बाजार में बहुत तरह के खिलौने मौजूद होते हैं, लेकिन कुछ खिलौने उनके लिए खतरनाक हो सकते हैं। छोटे बच्चे इन खिलौने को मुंह में डालते हैं। ऐसे में रंग वाले खिलौने को भूलकर भी न खरीदें। जब भी आप छोटे बच्चों के लिए गिफ्ट खरीदते हैं, तो पहले यह तय कर लें कि उसका कोई बुरा असर बच्चे पर न हो। बच्चों के लिए हमेशा ऐसे खिलौने खरीदने चाहिए, जिनसे उन्हें कोई खतरा नहीं हो। छोटे बच्चों की आदत होती है कि वे कोई भी चीज सबसे पहले मुंह में ही डालते हैं। ऐसे में कोशिश करें कि आप उन्हें जो भी गिफ्ट दें वह नुकीला न हो। बच्चों को लोकल और सस्ते खिलौने नहीं दें, क्योंकि यह अच्छी क्वालिटी के नहीं होते हैं। ऐसे में इन खिलौने का पेंट अच्छा नहीं होता है और कुछ समय बाद ही छूटने लगता है। इससे बच्चे की सेहत पर बुरा असर भी पड़ सकता है। सबसे पहली बात यह है कि यदि आप बच्चे के लिए जूते या सैंडिल लेकर जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि वह उनको फिट आए। ऐसे में बच्चे के साइज को लेकर प्रॉब्लम हो सकती है। ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों को अपने पसंद के फुट-वीयर पहनाना पसंद करते हैं। बच्चों को टॉफी बहुत पसंद होती है। आपको बता दें बहुत अधिक मीठा बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है। ऐसे में कई पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा मीठा देने से बचते हैं। मीठे से बच्चों के दांतों में सड़न और कैविटी होने का खतरा रहता है।

वैक्सिंग के दौरान बचें इन्फेक्शन से...

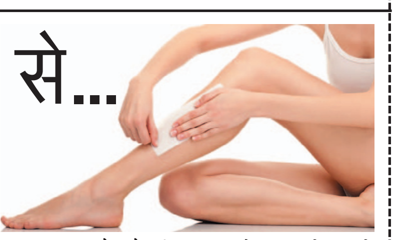

महिलाएं शरीर की खूबसूरती को बनाए रखने के लिए कई तरीके अपनाती हैं। इसमें से एक है वैक्सिंग। शरीर से बालों को हटाने के इस तरीके में बहुत दर्द का सामना करना पड़ता है। अंडर आर्म्स और हेयर रिमूविंग पर महिलाएंखास ध्यान देती हैं। इसके लिए आजकल बिकनी वैक्स का ट्रेंड जोरों पर है। शोध कहते हैं कि इससे संक्रमण होने का डर रहता है। एक शोध में यह बात सामने आई है कि वैक्स कराने के दौरान वायरस या बैक्टीरिया शरीर के अंदर चले जाते हैं। यानी एसटीडी के बढ़ने के कारणों में प्यूबिक हेयर रिमूविंग भी एक है। दरअसल, वैक्सिंग से त्वचा को नुकसान पहुंचता है। स्टडी में पाया गया कि खराब वैक्सिंग टूल के प्रयोग से बैक्टीरिया ट्रांसफर होते हैं। साथ ही सामने आया है कि प्यूबिक हेयर वैक्सिंग करने से स्किन जलने का खतरा रहता है। बैक्टीरियल इन्फेक्शन से बचने के लिए वैक्सिंग में इस्तेमाल किया जाने वाले औजार साफ होने चाहिए। वैक्सिंग के बाद टाइट कपड़े पहनेंगी तो जलन-सूजन जैसी परेशानी भी हो सकती है। कॉटन के इनरवेयर या फिर ढीले-ढाले कपड़े पहनें। ध्यान रखें कि आप जिस पार्लर में जाती हैं वह साफ-सुथरा हो और वैक्सिंग करने वाली ब्यूटी एक्सपर्ट के हाथ साफ हों। वैक्स का तापमान सही होना चाहिए वरना यह स्किन को जला सकता है।

नजरिया हो प्रोफेशनल...

एंट्रेंस एग्जाम और इंटरव्यू में सफल होकर आपने मनपसंद नौकरी हासिल कर ली। अब अपने हुनर और कौशल को प्रदर्शित करने की बारी है। दरअसल पहली नौकरी एक ऐसा आधार है, जो करियर की नींव रखती है।

साथ ही यह जीवन का एक नया फेज है, जिसमें आप छात्र जीवन से निकल कर पेशेवर दुनिया में कदम रखते हैं। इस बदलाव के समय में जरूरी है कि आप सजग, सहज और सबल रहें। आइए जानते हैं नौकरी मिल जाने के बाद ऑफिस में किन बातों का ख्याल रखना चाहिए।

समय की पाबंदी जरूरी

सबसे अहम है समय की पाबंदी। इस बात का खास ध्यान रखें कि आप ऑफिस कभी देरी से न पहुंचें। नौकरी ज्वाइन करने के बाद नए कर्मचारियों पर एचआर और बॉस की विशेष नजर रहती है, इसलिए इस बात का ध्यान रहे कि ऑफिस पहुंचने में देर न हो। भले ही तय समय से कुछ पहले ऑफिस पहुंच जाएं। कॉलेज में पहला पीरियड निकल जाने के बाद पहुंचना चल जाता था, लेकिन ऑफिस में यह रवैया नहीं चल सकता।

माहौल के हिसाब से रहें

हर ऑफिस का अपना अलग अंदाज और माहौल होता है, अलग संस्कृति होती है। नौकरी मिलने के बाद सबसे पहले आप अपने ऑफिस के तौर-तरीके सीखें। वहां के माहौल का अध्ययन करें और उसके अनुसार ही अपना व्यवहार रखें। दूसरों के काम में ताक-झांक न करें और अपने काम से मतलब रखें।

खुद सीखना होगा

आपको इस बात का अंदाजा होगा कि करियर में सफलता के लिए प्रोफेशनल नजरिया रखना कितना जरूरी है। लेकिन प्रोफेशनलिज्म का मतलब होता क्या है? शायद ही कोई शिक्षण संस्थान प्रोफेशनलिज्म सिखाता है। यह आपको खुद सीखना होगा। दूसरों को देख कर, उनके संपर्कमें आकर। प्रोफेशनल नजरिया रखने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि आप अपनी संस्था के सांस्कृतिक मापदंडों को समझें और उनका अनुसरण करें। अपने सहकर्मियों के साथ विनम्रता से पेश आएं। जिन्हें नहीं पसंद करते, उनके साथ भी विनम्र रहें। आपके साथ अच्छा व्यवहार न करने वाले लोगों के साथ भी विनम्रता से ही पेश आएं। इससे आप कहीं ज्यादा पेशेवर दिखेंगे।

जिम्मेदारी से करें काम

आप अपना काम जिम्मेदारी के साथ और प्रोफेशनली करें, इसके लिए जरूरी है कि आपको अपने काम की समझ हो। कई बार उत्साह में फ्रेशर्स कुछ का कुछ कर बैठते हैं, इसलिए पहले अपने बॉस के साथ बैठ कर अपना काम अच्छी तरह समझ लें। कहीं शंका हो तो उसे भी दूर करें। यदि कुछ नया करना चाहते हैं तो अपने आइडियाज बॉस के साथ शेयर करें।

ज्यादा छुट्टियां न लें

कॉलेज में आपने खूब क्लास बंक की होंगी, पर अब आपको अपनी यह आदत बदलनी होगी। बॉस और एचआर ऐसे कर्मियों को बिल्कुल पसंद नहीं करते, जो बार-बार छुट्टियां लेते हैं। इस तरह आप उनकी गुड-बुक में भी शामिल नहीं हो पाएंगे। इसलिए जब तक जरूरी न हो, अतिरिक्त छुट्टियां न लें।

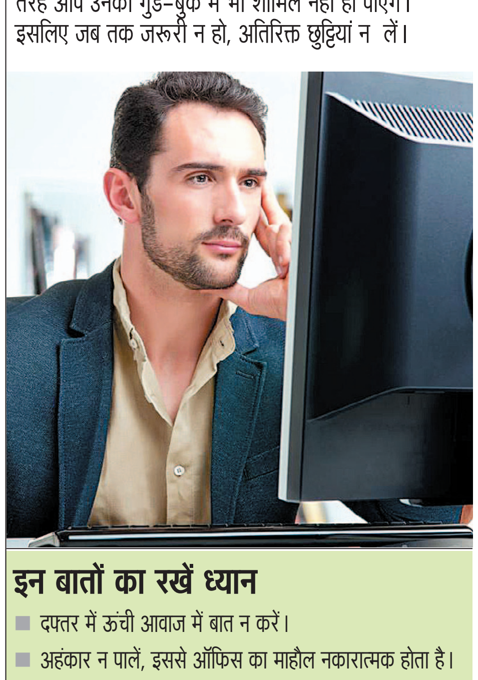

मेहनती होने का परिचय दें

फर्स्ट इम्प्रेशन इज द लास्ट इम्प्रेशन ये कहावत तो आपने सुनी होगी। यह बात सौ फीसदी सच है। नौकरी के शुरुआती दिनों में आपकी जैसी छवि बनती है, उसी के आधार पर लोग आपके काम का आकलन करते हैं। हालांकि अपनी छवि को बदला भी जा सकता है, लेकिन तब इसके लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए आप हर तरह से अच्छे और मेहनती होने का परिचय दें। आपके हाव-भाव और पहनावे से एक पेशेवर की झलक आनी चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

- दफ्तर में ऊंची आवाज में बात न करें।
- अहंकार न पालें, इससे ऑफिस का माहौल नकारात्मक होता है।
- दफ्तर के समय में फोन पर कम से कम निजी बातें करें। फोन की आवाज भी धीमी रखें। फोन साइलेंट मोड पर भी रख सकते हैं।
- आपके व्यवहार में भी ऐसी खूबियां दिखनी चाहिए, जो कंपनी की ग्रोथ में मददगार हों।
- आपके हाव-भाव में यह दिखना चाहिए कि आप अच्छे श्रोता हैं।
- बॉस की बातें सुन कर उनके विचारों को अमल में लाने की कोशिश करें।
- कंपनी की बेहतरी के लिए कुछ योजनाएं हों तो वे भी शेयर करें।
- ऑफिस में काम करने वाले सभी कर्मियों का सम्मान करें, खासकर महिलाओं के साथ अपना आचरण मर्यादित रखें।
- अपने पद की गरिमा बनाए रखें।

रेसिपी

शाही आलू

सामग्री

14 -16 उबले और छिले हुए छोटे आलू, 3 स्पून तेल, 1 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 3 स्पून दही, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 6 काजू, 1 स्पून किशमिश, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 स्पून शक्कर, नमक सवादअनुसार, पेस्ट बनाने के लिए: दालचीनी का टुकड़ा, 2 इलायची, लौंग, 6 काली मिर्च, 1 स्पून खड़ा धनिया, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1 स्पून खस-खस, 1/2 अदरक का टुकड़ा, 3 लहसुन की कलियां, 1/2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, **सजाने के लिए**: 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

कढ़ाई में तेल गरम करें, तैयार पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक भूनें। टमाटर डालकर अच्छी तरह मिलायें और बीच में एक बार हिलाते हुए और टमाटर कप चम्मच के पिछले भाग से मसलते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पका लें। दही और लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पकाएं। काजू, किशमिश, धनिया, शक्कर, नमक और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकाएं। आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2 मिनट तक पकाएं। गरमा गरम परोसें।

पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमॅटो कैचप, 5 टेबल-स्पून मैदा, 3/4 कप क्रश्ड पापड़, **तलने के लिए**: तेल , **परोसने के लिए**: टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) आकार के लंबे सिलंडर जैसे रोल बना लें। एक तरफ रखें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के घोल में डुबोकर पापड़ में अच्छी तरह लपेट लें और गरम तेल में सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर। टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

संपादकीय

चुनौतियां

चुनौतियां नेपाल की पहली महिला प्राधान न्यायाधीश से पहली महिला प्रधानमंत्री बनने का गौरव प्राप्त करने वाली सुशीला काका ने ऐसे उथल-पुथल के वक्त देश की बागडोर संभाली है जब देश में चुनौतियों के पहाड़ खड़े हैं। एक चुनी हुई गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने वाले जेन जेड के युवा आंदोलनकारियों के भरोसे पर खरा उतरना सुशीला के लिए जो चुनौती है उसी में सारी चुनौतियां समाहित हैं। किन्तु पूर्व न्यायाधीश के कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं साहसी गुणों के जानकार मानते हैं कि उनका देश के राजनेताओं से तो संबंध अच्छा रहा है किन्तु उन्होंने कभी भी अपने कर्तव्य परायणता से समझौता नहीं किया। जो लोग सुशीला काका को जानते हैं, वह यह भी जानते हैं बाबूराम भट्टराई की सरकार में रहे संचार मंत्री जेपी गुप्ता को दंडित करने में उन्होंने किसी के प्रभाव की परवाह नहीं किया। इसी तरह राजनीति में अत्यन्त प्रभावशाली लोकमान सिंह प्राधिकरण की जांच से हटाना और एक मंत्री को कोर्ट से हथकड़ी लगवा कर जेल भेजने का जो साहसी निर्णय सुशीला ने दिया उससे नैतिकता के उच्च मानदंडों के प्रति उनके सम्मान एवं निष्ठा का प्रमाण मिलता है। राजनेताओं के प्रति उनके संबंध अच्छे रहे किन्तु उनके दुष्कर्मों, भ्रष्टाचार और अपराधों के प्रति वह सदैव असहिष्णु रहीं। जिस मंत्री को सुशीला ने हथकड़ी लगवा कर जेल भेजा था, वह कोई सामान्य राजनेता नहीं था, उसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई से लेकर पुष्पदहल 'कमल' प्रचंड तक ने उनसे सिफारिश की थी किन्तु जब उन्हें अपने कर्तव्यों और संबंधों में से एक को चुनना पड़ा तो उन्होंने कर्तव्य एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व को चुना। इसीलिए तो नेपाल की सेना को भी एहसास हुआ कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला काका से अच्छा शायद ही कोई और मिले। सुशीला काका को रात्रि 9 बजे शपथ दिलाई गईं किन्तु उसके पहले लगभग 7 घंटे तक उनके नाम पर मुहर लगने से पहले उनके चरित्र पर विचार-विमर्श हुआ। यह सच है कि देश के तमाम राजनेता आज भी सेना की निगरानी में जान बचाकर दुबके हैं क्योंकि उन्होंने भ्रष्टाचार के जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं उसकी जानकारी देश की जनता को हो चुकी है। इसलिए ये राजनेता जनता के सामने जाने से न सिर्फ शर्मिन्दगी महसूस कर रहे हैं बल्कि उन्हें यह भी पता है कि अब नेपाल की जनता भोली नहीं है। भ्रष्टाचार, राजनीतिक विशेषाधिकार, विरासत में मिली संपत्ति और सोशल मीडिया प्रतिबंधों पर गुस्से से प्रेरित जेन जेड के नेतृत्व वालों ने यदि सुशीला काका पर भरोसा किया है तो अब उनका भी दायित्व राष्ट्र के प्रति बढ़ जाता है। अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला काका के 6 महीने ही रहना है और इस बीच न्यायिक आयोग से अब उन्हें देश की उन समस्याओं का समाधान तो करना ही होगा, जिसकी वजह से सत्ता और विपक्ष के सभी राजनेता जनाक्रोश के शिकार बने, बल्कि उन युवाओं के इस आंदोलन में घुसे उन अराजक और शरारती तत्वों की जांच कराकर उनको दंडित करने की जरूरत है जिन्होंने सशस्त्र सुरक्षा बल के अत्याधुनिक हथियार लूटकर देश के राजनेताओं एवं उनके परिजनों की हत्याएं कर दी हैं। ऐसे खुराफातियों को स्टेट अथारिटी का एहसास कराएं जिन्होंने कई अरब की राष्ट्रीय संपत्ति को क्षति पहुंचाई और पर्यटकों का मारपीट कर उनका सामान लूट लिया। सुशीला काका को उन कारकों पर भी जांच करा कर नेपाल के राजनेताओं को बताना चाहिए कि जनता का गुस्सा उनके खिलाफ क्यों फूटा और क्यों उन्हें सड़कों पर दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया। बहरहाल सुशीला काका से उम्मीद है कि वह नेपाल की धरती का दुरुपयोग भारत के खिलाफ षडंत्र करने वाले शरारती एवं विघटनकारी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी और यह साबित करेंगी कि जन्म उनका भले ही पर्वतीय देश नेपाल में हुआ किन्तु उनकी उच्च शिक्षा शिवजी की नगरी वाराणसी में हुई। मतलब वह भारत से भी अपने देश के संबंधों को सामान्य एवं सुदृढ़ रखने का प्रयास करेंगी। अन्त में सुशीला काका को देश का वातावरण सामान्य होते ही 6 महीने में चुनाव कराने की व्यवस्था करनी होगी ताकि नेपाल को एक लोकप्रिय सरकार मिल सके। इसी के साथ नेपाल के मौजूदा स्तरीय राजनेताओं के लिए भी आत्ममंथन का अवसर है, ताकि वे पश्चाताप करके नेपाल की जनता से माफी मांग सकें। इन राजनेताओं को यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि उन्होंने चीन के साथ अपने राष्ट्रीय हितों की निजी स्वार्थ के लिए सौदेबाजी की है। उसी कारण आज की तारीख में नेपाल अमेरिका और चीन दोनों के निशाने पर आ गया है। भारत तो नेपाल से अपने संबंधों का राग जबरदस्ती गुनगुनाता है। भारत ने हर संकट में नेपाल की मदद की है किन्तु वह हमेशा नई दिल्ली से ज्यादा बीजिंग को महत्व देता है। नेपाल में हुए बवाल का बहुत बड़ा कारण वहां की जनता में इस बात की बेहद नाराजगी भी है कि राजनेताओं ने कुछ मुस्लिम देशों से गुप्त समझौता कर लिया है कि वे नेपाल की धार्मिक जनसंख्या, निर्माण एवं संस्कृति में बदलाव कर सकते हैं। राजनेता अपने सैद्धांतिक मान्यताओं से समझौता करने की प्रवृत्ति के दुष्परिणाम देख रहे हैं। भारत के बिहार राज्य के लोग नेपाल में रहते हैं और उन्हें मधेसी कहा जाता है। वामपंथ के इन्हीं इण्डाबरदारों ने मधेसियों के साथ जो अमानवीय व्यवहार किया है, उस पर भी पाताप करना उनके और नेपाल दोनों के हित में है। लब्बोलुआब यह है कि चुनौतियां सुशीला काका के सामने भी हैं और चुनौतियां उन राजनेताओं के सामने भी हैं जिन्हें जेन जेड का कोपभाजन बनना पड़ा। सभी को इस महासंकट काल को अवसर और चुनौतियां मानकर एक बेहतर नेपाल की आशा करनी होगी जो तमाम अवसरों से परिपूर्ण हो।

एक चुनी हुई गठबंधन की सरकार को उखाड़ फेंकने वाले जेन जेड के युवा आंदोलनकारियों के भरोसे पर खरा उतरना सुशीला के लिए जो चुनौती है उसी में सारी चुनौतियां समाहित हैं। किन्तु पूर्व न्यायाधीश के कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं साहसी गुणों के जानकार मानते हैं कि उनका देश के राजनेताओं से तो संबंध अच्छा रहा है किन्तु उन्होंने कभी भी अपने कर्तव्य परायणता से समझौता नहीं किया। जो लोग सुशीला काका को जानते हैं, वह यह भी जानते हैं बाबूराम भट्टराई की सरकार में रहे संचार मंत्री जेपी गुप्ता को दंडित करने में उन्होंने किसी के प्रभाव की परवाह नहीं किया। इसी तरह राजनीति में अत्यन्त प्रभावशाली लोकमान सिंह प्राधिकरण की जांच से हटाना और एक मंत्री को कोर्ट से हथकड़ी लगवा कर जेल भेजने का जो साहसी निर्णय सुशीला ने दिया उससे नैतिकता के उच्च मानदंडों के प्रति उनके सम्मान एवं निष्ठा का प्रमाण मिलता है। राजनेताओं के प्रति उनके संबंध अच्छे रहे किन्तु उनके दुष्कर्मों, भ्रष्टाचार और अपराधों के प्रति वह सदैव असहिष्णु रहीं। जिस मंत्री को सुशीला ने हथकड़ी लगवा कर जेल भेजा था, वह कोई सामान्य राजनेता नहीं था, उसके लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई से लेकर पुष्पदहल 'कमल' प्रचंड तक ने उनसे सिफारिश की थी किन्तु जब उन्हें अपने कर्तव्यों और संबंधों में से एक को चुनना पड़ा तो उन्होंने कर्तव्य एवं संवैधानिक उत्तरदायित्व को चुना। इसीलिए तो नेपाल की सेना को भी एहसास हुआ कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में सुशीला काका से अच्छा शायद ही कोई और मिले। सुशीला काका को रात्रि 9 बजे शपथ दिलाई गईं किन्तु उसके पहले लगभग 7 घंटे तक उनके नाम पर मुहर लगने से पहले उनके चरित्र पर विचार-विमर्श हुआ।

नेपाल का हवाला देकर भारत को अस्थिर बताना केवल जनता को भड़काने का प्रयास है, जिसका अंतिम परिणाम राष्ट्रहित के विरुद्ध ही होगा

क्या भारत में भी बन सकते हैं नेपाल जैसे हालात? स्थितियाँ क्या इशारे कर रही हैं?

नीरज कुमार दुबे

इतिहास गवाह है कि जब भीड़ भड़कती है तो सबसे पहले निशाना सार्वजनिक संपत्ति बनती है— बसों को जलाना, सरकारी कार्यालयों पर हमला करना, रेलमार्ग रोकना। विपक्ष का यह बयान उसी मानसिकता को जन्म देने वाला है। देखा जाये तो यह तुलना स्वयं में ही बेमानी है। भारत की लोकतांत्रिक जड़ें नेपाल की तुलना में कहीं अधिक मज़बूत हैं। यहाँ स्वतंत्र न्यायपालिका है, सक्रिय चुनाव आयोग है और जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में अटूट है। भारतीय मतदाताओं ने हमेशा स्पष्ट किया है कि परिवर्तन यदि होगा तो वह केवल मतदान से होगा, सड़क पर हिंसा से नहीं। ऐसे में विपक्ष का असली मक़सद यह प्रतीत होता है कि जनता में डर और असंतोष का माहौल बनाया जाए ताकि सरकार की वैधता पर सवाल खड़े हों। किंतु प्रश्न यह है कि क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति है या केवल अवसरवादी रणनीति? लोकतंत्र में असहमति संविधान की मर्यादाओं में रहकर व्यक्त की जानी चाहिए, न कि अराजकता का वातावरण बनाकर।

नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता और वहाँ बार-बार बदलती सरकारों को आधार बनाकर भारत के विपक्षी नेता यह कह रहे हैं कि "भारत में भी ऐसे हालात हो सकते हैं।" पहली नज़र में यह बयान साधारण राजनीतिक टिप्पणी लगता है, लेकिन गहराई से देखें तो इसके गंभीर निहितार्थ हैं। यह न केवल देश की जनता को असमंजस में डालने की कोशिश है बल्कि अराजकता को हवा देने का भी प्रयास है। लोकतंत्र में असहमति और आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन जब विपक्ष यह कहे कि भारत भी नेपाल जैसी अस्थिरता की ओर बढ़ रहा है, तो वह परोक्ष रूप से जनता को संदेश देता है कि सड़कों पर उतरकर हिंसा और तोड़फोड़ ही बदलाव का रास्ता है। इतिहास गवाह है कि जब भीड़ भड़कती है तो सबसे पहले निशाना सार्वजनिक संपत्ति बनती है— बसों को जलाना, सरकारी कार्यालयों पर हमला करना, रेलमार्ग रोकना। विपक्ष का यह बयान उसी मानसिकता को जन्म देने वाला है। देखा जाये तो यह तुलना स्वयं में ही बेमानी है। भारत की लोकतांत्रिक जड़ें नेपाल की तुलना में कहीं अधिक मज़बूत हैं। यहाँ स्वतंत्र न्यायपालिका है, सक्रिय चुनाव आयोग है और जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में अटूट है। भारतीय मतदाताओं ने हमेशा स्पष्ट किया है कि परिवर्तन यदि होगा तो वह केवल मतदान से होगा, सड़क पर हिंसा से नहीं। ऐसे में विपक्ष का असली मक़सद यह प्रतीत होता है कि जनता में डर और असंतोष का माहौल बनाया जाए ताकि सरकार की वैधता पर सवाल खड़े हों। किंतु प्रश्न यह है कि क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति है या केवल अवसरवादी रणनीति? लोकतंत्र में असहमति संविधान की मर्यादाओं में रहकर व्यक्त की जानी चाहिए, न कि अराजकता का वातावरण बनाकर। विपक्षी नेताओं को यह समझना होगा कि नेपाल और भारत की परिस्थितियों में ज़मीन-आसमान का फ़र्क है। भारत में संस्थाएँ सुदृढ़ हैं और जनता का विश्वास स्थिरता व विकास में है। नेपाल का हवाला देकर भारत को अस्थिर बताना केवल जनता को भड़काने का प्रयास है, जिसका अंतिम परिणाम राष्ट्रहित के विरुद्ध ही होगा। लोकतंत्र की असली ताक़त जनता का विश्वास और संवैधानिक प्रक्रिया में आस्था है। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि भारत में परिवर्तन की राह हिंसा या अराजकता से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक माध्यमों से ही निकलेगी। इसके अलावा, "नेपाल जैसा आंदोलन" भारत में दोहराया जा सकता है या नहीं, इसका विश्लेषण कुछ बिंदुओं में करना ज़रूरी है। सबसे पहले नेपाल के संदर्भ को देखें तो वहां 2006 का जनआंदोलन (लोकतांत्रिक आंदोलन) राजशाही को समाप्त करके गणतंत्र लाने का कारण बना। उसके पीछे कुछ खास परिस्थितियाँ थीं। जैसे- लंबे समय से चली आ रही राजशाही और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का टकराव देखने को मिल रहा था। माओवादी विद्रोह और सशस्त्र संघर्ष से दबाव उपजा हुआ था। राजनीतिक दलों और जनता का राजशाही के खिलाफ़ व्यापक एकजुट होना भी एक कारण था। वहीं भारत की

परिस्थितियाँ नेपाल से बिल्कुल अलग हैं। भारत 1947 से ही एक लोकतांत्रिक गणराज्य है; यहाँ राजशाही जैसी व्यवस्था का अवशेष नहीं है। भारत का संविधान अत्यंत मज़बूत है और इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों, संघीय ढांचे और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को स्पष्ट सुरक्षा प्राप्त है। साथ ही भारत का राजनीतिक परिदृश्य बहुदलीय है, यहां विभिन्न विचारधाराओं को मंच मिलता है, जिससे असंतोष विद्रोह में बदलने से पहले ही संस्थागत रास्ता खोज लेता है। इसके अलावा, भारतीय सेना और सुरक्षा तंत्र राजनीतिक रूप से तटस्थ हैं, जबकि नेपाल में राजशाही का सीधा प्रभाव सेना पर था। देखा जाये तो संवैधानिक संकट या राजशाही विरोध जैसा आंदोलन भारत में संभव नहीं है क्योंकि यहाँ राजशाही या निरंकुश शासन की गुंजाइश ही नहीं है। जनता के बड़े आंदोलन (जैसे 1975-77 का आपातकाल विरोध, 2011 का अन्ना हज़ारे आंदोलन, किसान आंदोलन आदि) भारत में हुए हैं और आगे भी हो सकते हैं। लेकिन ये आंदोलन संवैधानिक ढांचे के भीतर रहते हैं और सत्ता-परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया यानि चुनाव से ही होता है। भारत की विविधता, लोकतांत्रिक संस्थाएँ और संघीय ढांचा किसी एक समूह या विचारधारा को पूरे देश पर "क्रांतिकारी" ढंग से हावी होने नहीं देता। देखा जाये तो भारत का लोकतंत्र दुनिया के सबसे जीवंत और विविध लोकतंत्रों में से एक है। यहाँ असहमति और विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक परंपरा का स्वाभाविक हिस्सा रहे हैं। पिछले पाँच दशकों में कई ऐसे आंदोलन हुए जिन्होंने देश की राजनीति की दिशा बदल दी, लेकिन महत्वपूर्ण यह रहा कि ये बदलाव लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संपन्न हुए। यही वह अंतर है जो भारत को पड़ोसी देशों की उथल-पुथल से अलग करता है। 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया, जिसमें नागरिक स्वतंत्रताएँ सीमित कर दी गईं। प्रेस सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और राजनीतिक दमन ने जनता में गुस्सा भर दिया। दो साल बाद जब चुनाव हुए तो जनता ने इंदिरा गांधी की सरकार को सिरे से नकार दिया। आपातकाल का विरोध साबित करता है कि भारत में जनता अंततः लोकतंत्र की बहाली और सत्ता परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार के खिलाफ़ अन्ना हज़ारे का जनांदोलन युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग का प्रतीक बन गया। लाखों लोग सड़कों पर उतरे और जनलोकपाल की मांग गूँजने लगी। इस आंदोलन ने दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से हटा दिया और केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व वाली तत्कालीन यूपीए सरकार के खिलाफ भी नाराजगी पैदा की। इसके परिणामस्वरूप आम आदमी पार्टी जैसी नई राजनीतिक शक्ति का उदय हुआ। इस तरह से सत्ता में बदलाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के ज़रिए हुआ। वहीं तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों का लंबे समय तक चला आंदोलन भी भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का उदाहरण है। लाखों किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहे, लेकिन आंदोलन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही चला। अंततः सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। यह घटना बताती है कि भारत में जनता शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से सरकार की नीतियों को बदलने की ताक़त रखती है। इन तीनों उदाहरणों से स्पष्ट है कि भारत में आंदोलन सत्ता को हिला सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन यह सब संविधान और लोकतंत्र की मर्यादा के भीतर होता है। न तो नेपाल जैसी राजशाही उखाड़ने की स्थिति बनी, न ही सैन्य हस्तक्षेप की। भारत की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखती है और यही भारत के राजनीतिक ताने-बाने की सबसे बड़ी शक्ति है। लोकतंत्र की यही खूबी है कि यहाँ असहमति बग़ावत नहीं बनती, बल्कि बदलाव का वैधानिक मार्ग प्रशस्त करती है। इसके अलावा, 2014 से अब तक भारत ने राजनीतिक स्थिरता का जो अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह दुनिया के कई बड़े लोकतांत्रिक देशों और पड़ोसी राष्ट्रों की स्थिति से बिल्कुल अलग खड़ा होता है। दुनिया के सबसे अमीर देशों के समूह जी-7 पर नज़र डालें तो पिछले दस वर्षों में वहां नेतृत्व बदलने की परंपरा लगातार जारी रही है। अमेरिका में बराक ओबामा से लेकर ट्रम्प और बाइडेन और फिर ट्रम्प तक नेतृत्व बदला। ब्रिटेन में डेविड कैमरन से रिषि सुनक और अब कीर स्टारमर तक प्रधानमंत्री बदलते गए। इटली और जापान में भी प्रधानमंत्री बार-बार बदले। जर्मनी, कनाडा और फ्रांस में भी नेतृत्व का स्वरूप बदला। इन बड़े लोकतंत्रों में अस्थिरता सामान्य बात रही। भारत के पड़ोसी देशों की स्थिति और भी नाटकीय रही। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री कुर्सी का बार-बार बदलना अब चलन-सा हो गया है। नवाज़ शरीफ, इमरान ख़ान और शहबाज़ शरीफ सभी इस दौर में आ-जा चुके हैं। श्रीलंका में आर्थिक संकट ने सरकारें हिला दीं, नेपाल में गठबंधन की राजनीति ने स्थिरता को ग्रहण लगा दिया और बांग्लादेश में भी राजनीतिक टकराव ने नेतृत्व को अस्थिर किया। इन सबके बीच भारत ने 2014 से एक ही नेता नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए स्थिरता की मिसाल कायम की है। जनता ने लगातार तीन बार उन्हें सत्ता सौंपी। मोदी की लगातार जीत केवल चुनावी रणनीति की सफलता नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रमाण है जो जनता उनके नेतृत्व में महसूस करती है।

देश दुनिया से

प्रधानमंत्री मोदी: साधना से शिखर तक का सफर

देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सामाजिक और राजनीतिक जीवन का सफर बहुत लम्बा है। अलग-अलग परिवेश में विभिन्न भूमिकाओं का निर्वहन करते हुए उनकी सोच, व्यवहार, निर्णय-क्षमता और देशभक्ति स्पष्ट रूप से झलकती है। एक ही व्यक्ति के समय-समय पर प्रकट हुए अनुभवों से उसकी विशिष्टता प्रकट होती है। 1990 से 2000 के कार्यकाल में दूर से देखना उनके बारे में सुनना, पढ़ना और 2000 के बाद से अनेक प्रसंगों में नजदीक से देखने का अवसर व साहचर्य मुझे प्राप्त हुआ, जब वो गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाल रहे थे, मैं अपने परिवार के साथ गिर-जंगल का भ्रमण करने गया था। वापसी में बचे हुए समय का सदुपयोग करने के लिए मैंने उनसे मिलने का समय मांगा और मुझे समय भी मिला। मिलकर निकलने के समय उनके साथ फोटो खिंचवाने की इच्छा व्यक्त करें या ना करें, ऐसी झिझक देखकर खुद ही अपनी कुर्सी से उठकर उन्होंने कहा तुझे नहीं, पर बेटे संदेश को फेसबुक पर तस्वीर डलनी होगी। चलो फोटो खिंचवा लो। उस समय सोशल मीडिया का इतना बोलबाला नहीं था तब से इस विषय को लेकर वो बहुत जागरूक थे और प्रोत्साहित भी करते थे। आज समाज जीवन में सोशल मीडिया अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। सेल्फी, डिजिटल सभाएं, फेसबुक, एक्स (पूर्व में ट्विटर) जैसे अनेक माध्यमों को राजनीति में परिचित कराने का श्रेय मोदी जी को जाता है। मोदी जी के शपथ समारोह गुजरात में मुख्यमंत्री का हो या दिल्ली में प्रधानमंत्री का हो, परिवारजनों व रिशतेदारों को आरक्षित आसन व्यवस्था का प्रावधान उन्होंने बंद किया। घर-परिवार का एक भी सदस्य विशेष व्यवस्था से उस समारोह में नहीं आता है, न बुलाया जाता है। खुद के बारे में इतनी कठोरता का पालन वो करते हैं। उत्तराखंड में बाबा केदारनाथ का आशीर्वाद लेने के लिए जब-जब मोदी जी गये हैं तब-तब वहां अभिषेक दर्शन के लिए आमजन के लिए जो सहयोग राशि रसीद के माध्यम से जमा होती है, प्रधानमंत्री होते हुए पहले अपनी रसीद कटवाकर ही मंदिर में वो प्रवेश करते हैं। उनका यह व्यवहार मैंने नजदीक से उत्तराखंड का प्रभारी होते हुए देखा है। प्रशासनिक विषयों में सख्त व सामाजिक जीवन में कठोर व्यक्तित्व के धनी मोदी जी को बाबा केदारनाथ जी की परिक्रमा लगाते हुए और पवित्र तीर्थाटन के समय उनकी भाव विभोर भंगिमा का रूप मैंने अनुभव किया है। जब वो गुजरात में मुख्यमंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहे थे तब तीन चुनाव में सक्रियता करने का मुझे मौका मिला। जब भी उनकी भेंट होती थी बैठकों में, सभाओं में सानिध्य मिलता था तब वो सबसे पहले गुजरात में कोई अव्यवस्था तो नहीं है? सब ठीक है ना? ऐसी बातों से संवाद शुरू होता था। अपने अनुयायी व कार्यकर्ताओं की इतनी बारीकी से पूछताछ करना यह उनका स्वभाव रहा है। खुद का पद या ओहदा कितना भी बड़ा हो वो सहयोगियों की विशेष चिंता करते हैं, ध्यान देते हैं। कोरोना काल में देश भर के पुराने व वयोवृद्ध कार्यकर्ताओं से उनका हालचाल पूछकर मोदी जी का जो स्वभाव प्रकट हुआ पूरे देश के सामने है। वर्तमान केन्द्रीय मंत्री व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल जी का पहला शपथ समारोह चंडीगढ़ में हो रहा था। मैं राष्ट्रीय पदाधिकारी के नाते उस समय महामंत्री श्री विजय गोयल जी के साथ पहुंचा था। रास्ते में दो मिनट की देरी होने से अपेक्षित मंच पर जाने के रास्ते में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के अधिकारियों ने हमें रोक दिया। हमारी उनसे बहस चल रही थी इतने में हमें क्रॉस करते हुए मोदी जी का काफिला आगे बढ़ा। मंच पर सीढ़ी चढ़ने के पहले मोदी जी ने वहां पर खडे. राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री सुधांशु त्रिवेदी जी को हमें लेने को भेजा। आपस में कुछ भी वार्तालाप न होते हुये भी असुविधा देखकर वो इतनी बारीकी से कार्यकर्ताओं का ध्यान रखते हैं। यह इस घटना से सिद्ध होता है। अपनी स्वर्गीय माता हीरा बेन का निधन होने पर पूरे देश के कार्यकर्ताओं को सांत्वना हेतु एक भी कार्यक्रम न करने का निर्देश देकर अंतिम संस्कार कर तुरंत देश के काम में लगने वाले मोदी जी ने अलग ही मिसाल पेश की है। परिवार के एक भी सदस्य को या रिश्तेदारों को अपने कद व ओहदे का थोड़ा भी फायदा न देते हुए राजनीति में अलग ही उदाहरण उन्होंने पेश किया है। आज भी उनके भाई व उनके परिवार मोदी जी प्रधानमंत्री बनने के पूर्व जिस प्रकार से जीवन यापन करते थे उसी अवस्था में देखे जाते हैं। वर्तमान में देश का सर्वाधिक लोगों का पर्यटन व आकर्षण का केन्द्र बना गुजरात का सरदार बल्लवभाई पटेल का स्टच्यू ऑफ यूनिटी का महत्वकांक्षी उपक्रम समाज के सहभागिता से खड़ा करना, पूरे देश का अंतरभाव उसमें लेना और देश भक्ति का पर्यटन शुरू कराना, ऐसे अनेक प्रकल्प और निर्णयों में उनके दूरदर्शिता का दर्शन होता है। भारतीय जनता पार्टी के संगठन मंत्री जो अविवाहित प्रचारक होते हैं, उन्हें प्रधानमंत्री निवास पर बैठक हेतु बुलाकर विदाई में कुर्ता-पायजामा का परिवेश भेंट देने में वो भूलते नहीं है। मैं भी एक समय का संगठन मंत्री आपके ही टीम का पार्ट हूं और प्रधानमंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहा हूं यह व्यक्त करने में वो चूकते नहीं है। अपने साथ काम करने वाले जिसकी परवरिश खुद ने की ऐसा नेपाली बच्चा जित बहादुर थापा को नेपाल में परिवार वालों से मिला देना, कोई भी प्रोजेक्ट उद्घाटन के समय वो खड़ा करने वाले पसीने से मेहनत करने वाले मजदूरों को सम्मानित करना, सामान्य से सामान्य आदमी को स्वास्थ्य बीमा, बैंक अकाउंट, मुफ्त राशन, मुफ्त आवास, नल से जल, विद्युत कनेक्शन, गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना यह सोच अपने आप नहीं आती उसमें संवेदनशीलता व तपस्या लगती है। चिलचिलाती ठंड में भी बाबा विश्वनाथ कॉरिडॉर के उद्घाटन अवसर पर अभिषेक हेतु गंगाजी में डुबकी लगाने वाले, दीपावली के दिन बॉर्डर पर जाकर जवानों के साथ दीवाली मनाने वाले, लाल किले की प्राचीर से लौटते समय जनता जनार्दन व छोटे बच्चों के साथ घुल-मिल जाने वाले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हमारे देश की विरासत, प्रथा, परंपरा व विशेषताओं का ध्यान रखते हुए प्रतिनिधित्व करने वाले, हर महीने मन की बात करते हुये करोड़ों लोगों को डायरेक्ट कनेक्ट करने वाले ऐसे विविधताओं से भरा पूरा विलक्षण नेता आज देश का नेतृत्व कर रहा है। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ एक सहयोगी के रूप में काम करने का अवसर मुझे मिला, यह बहुत भाग्य की बात है। इसका एहसास मुझे बार-बार होता रहता है। मोदी जी के भावी जीवन हेतु जीवेत शरदः शतम् ऐसी शुभकामनायें देते हुए शब्दांजलि पूर्ण करता हूं।

आप का नजरिया

खतरा विशेषज्ञों का मसखरा बन जाना

हिंदी का आम लेखक इन दिनों अपने समय, समाज और देशकाल के प्रति बेहद जागरूक है। वह सोशल मीडिया पर हर दिन, हर पल हमें चुनौतियों और खतरों के प्रति आगाह करता रहता है। कोई बताता है, यह 'डेंजर' समय है; कोई कहता है कि ये जो इंडिया है, उसके रहने लायक नहीं रह गया, तो कोई कहता है कि यहां की 'इकोनॉमी डेड', 'डेमोक्रेसी डेड'! कोई कहता है कि 'फासिज्म' आ रहा है; किसी की चेतावनी में फासिज्म आ चुका है। कोई कहता है, संविधान जा रहा है, तो कोई कहता है कि संविधान को बचाना है... संविधान बचाओ! फिर एक दिन किसी लेखक ने कह दिया कि जो वहां हो रहा है, वह यहां भी हो सकता है। दूसरा भी ऐसा ही कहता दिखता है कि जो वहां, वहां और वहां हुआ, वह यहां भी हो सकता है और कभी भी हो सकता है। तीसरा कहता है, जो वहां हुआ, उससे भी ज्यादा बुरा यहां हो सकता है। चौथा कहता है कि यहां कुछ भी हो सकता है, कभी भी हो सकता है। ऐसे लेखकों को मैं अरसे से 'फॉलो' कर रहा हूं और हर बार उनकी दूरदृष्टि का कायल होता रहा हूं। हमारे आस-पास के खतरों के बारे में उनकी सजगता का लोहा मानता रहा हूं कि ये न होते, तो हमें आखिर कौन बताता कि किससे खतरा है? कितना खतरा है? कैसा खतरा है और क्यों खतरा है? मैं ऐसे लेखकों को हिम्मतवाला और अपना हीरो मानता हूं और ऐसी लेखिकाओं को भी वीरांगना व असली हीरोइन मानता हूं। मैं देखता हूं: उनकी नजर बेहद तेज है, वे सब कुछ पहले भांप लेते हैं कि यह होने वाला है और यह यह यह होगा। तीस-चालीस साल पहले भी कई लेखक अपने समय के सवालों से इसी तरह टकराया करते थे। उनको भी हर चीज में 'फासिज्म' नजर आता था और तब भी ऐसे लेखक कहा करते थे कि निरंकुशता का खतरा बढ़ रहा है, निरंकुशता आ चुकी है और जनतंत्र जा चुका है। वे हमें किसी बिजली इंस्पेक्टर जैसे नजर आते, जो वोल्टेज मापकर बताता कि अब वोल्टेज खतरे के निशान से ऊपर जा चुका है। जैसे तब 'खतरा एक्सपर्ट' नजर आते थे, वैसे ही अब भी नजर आते हैं, फर्क इतना है कि उनमें से ज्यादातर ने दिल्ली में अब अपने मकान बना लिए हैं, एनजीओ खोल लिए हैं, बच्चे पढ़-लिखकर अमरीकी हो चुके हैं, वे स्वयं विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के लिए जब-तब आते-जाते हैं। दिल्ली की बौद्धिक 'मलाई की मलाई' कहलाते हैं, 'ग्लोबल बल' वाले हैं, बड़े 'नेटवर्क' वाले हैं, पर हैं असली खतरावादी! इसे देख कुछ लोग तो यह तक कहने लगे हैं कि यह जो खतरा है, अपने आप में डरपोक है, ऊपर से ही तगड़ा है, अंदर से बेदम है। वह अब गया, तब गया। यह फासिज्म भी अवसरवादी है। कभी नरम नजर आता है, कभी गरम। मैं आजकल पूछता रहता हूं- साथी, यह आपका फासिज्म भी कैसा फासिज्म है, जो गालियां खाकर भी आपसे कुछ नहीं कहता, वरना कोई 'फासिस्ट' कब इतनी सुनता है? सोचता हूं कि इस 'फासिज्म' का खतरा भी 'कित्ता सोणा' है कि उसके खतरे पर भी प्यार आता है। मुझे लगता है कि यह फासिज्म और उसका खतरा भी कहानी के उस लड़के की तरह है, जिसे एक भेड़िए से गांव को बचाने के लिए गांव वालों ने पहरेदार नियुक्त किया था कि जैसे ही रात को भेड़िया आए, वह गांव वालों को चिल्लाकर जगा दे और उसे पकड़ लिया जाए। लड़का मसखरा था, वह रात को मजे लेने के लिए अक्सर चिल्लाने लगता भेड़िया आया...भेड़िया आया...भेड़िया आया और जब गांव वाले आते, तो वह उन पर हंसने लगता। लेकिन जब एक रात सचमुच भेड़िया आया, तो फिर चिल्लाने वाला लड़का नहीं बचा।

कोई कहता है, संविधान जा रहा है, तो कोई कहता है कि संविधान को बचाना है... संविधान बचाओ! फिर एक दिन किसी लेखक ने कह दिया कि जो वहां हो रहा है, वह यहां भी हो सकता है। दूसरा भी ऐसा ही कहता दिखता है कि जो वहां, वहां और वहां हुआ, वह यहां भी हो सकता है और कभी भी हो सकता है। तीसरा कहता है, जो वहां हुआ, उससे भी ज्यादा बुरा यहां हो सकता है। चौथा कहता है कि यहां कुछ भी हो सकता है, कभी भी हो सकता है। ऐसे लेखकों को मैं अरसे से 'फॉलो' कर रहा हूं और हर बार उनकी दूरदृष्टि का कायल होता रहा हूं। हमारे आस-पास के खतरों के बारे में उनकी सजगता का लोहा मानता रहा हूं कि ये न होते, तो हमें आखिर कौन बताता कि किससे खतरा है? कितना खतरा है? कैसा खतरा है और क्यों खतरा है? मैं ऐसे लेखकों को हिम्मतवाला और अपना हीरो मानता हूं और ऐसी लेखिकाओं को भी वीरांगना व असली हीरोइन मानता हूं। मैं देखता हूं: उनकी नजर बेहद तेज है, वे सब कुछ पहले भांप लेते हैं कि यह होने वाला है और यह यह यह होगा। तीस-चालीस साल पहले भी कई लेखक अपने समय के सवालों से इसी तरह टकराया करते थे। उनको भी हर चीज में 'फासिज्म' नजर आता था और तब भी ऐसे लेखक कहा करते थे कि निरंकुशता का खतरा बढ़ रहा है, निरंकुशता आ चुकी है और जनतंत्र जा चुका है। वे हमें किसी बिजली इंस्पेक्टर जैसे नजर आते, जो वोल्टेज मापकर बताता कि अब वोल्टेज खतरे के निशान से ऊपर जा चुका है।

दृष्टि कोण

पंजाब में बाढ़ आखिर क्यों – क्या प्रकृति रुष्ट है?

पंजाब जिसे देश की अन्नदाता भूमि कहा जाता है, आज बाढ़ की विभीषिका से बार-बार जूझ रहा है। खेत जलमग्न हो जाते हैं, गाँव डूब जाते हैं, सड़कें और मकान ढह जाते हैं। हर बार यह सवाल उठता है कि आखिर पंजाब में बाढ़ क्यों आती है? क्या यह केवल प्रकृति की रुष्टता है या फिर इसके पीछे कहीं न कहीं हमारी अपनी भूलें भी जिम्मेदार हैं? सच यह है कि प्रकृति कभी किसी से नाराज़ नहीं होती, वह केवल अपने नियमों और संतुलन के आधार पर काम करती है। जब हम इंसान उसकी मर्यादाओं को लांघते हैं, तो परिणाम हमें बाढ़, सूखा, प्रदूषण और आपदा के रूप में भुगतने पड़ते हैं। पंजाब की धरती पाँच नदियों की भूमि कहलाती है। सतलुज, ब्यास, रावी, चिनाब और झेलम ने इस राज्य की पहचान बनाई। इनमें से अधिकांश नदियाँ हिमालय से निकलती हैं और मानसून के मौसम में बर्फ़ पिघलने व वर्षा के कारण जलस्तर अचानक बढ़ा देती हैं। नदियों की धाराएँ तेज़ होती हैं और जब वे मैदानों में प्रवेश करती हैं तो पानी फैलकर बाढ़ का रूप ले लेता है। भाखड़ा, पोंग और रणजीत सागर जैसे बड़े बांध भले ही बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई के लिए बने हों, लेकिन जब इनसे अचानक पानी छोड़ा जाता है तो आसपास के इलाके जलमग्न हो जाते हैं। यह प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ प्रबंधन की कमी को भी उजागर करता है। पिछले कुछ वर्षों में मानसून का पैटर्न काफी बदल गया है। पहले जहाँ बरसात धीरे-धीरे और लंबे समय तक होती थी, अब अचानक भारी वर्षा कम समय में हो जाती है। इससे नदियों और नालों में पानी का दबाव तेजी से बढ़ता है और फ्लैश फ्लड जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। जलवायु वैज्ञानिक मानते हैं कि ग्रीनहाउस गैसों का बढ़ना और ग्लोबल वार्मिंग इसका बड़ा कारण है। इससे हिमालयी ग्लेशियर तेज़ी से पिघल रहे हैं। परिणामस्वरूप गर्मियों और बरसात के मौसम में नदियों का जलस्तर अनियंत्रित ढंग से बढ़ जाता है। प्राकृतिक बाढ़ को विनाशकारी बनाने में सबसे बड़ी भूमिका इंसानी हस्तक्षेप की है। नदियों के किनारों और तलहटी में अंधाधुंध निर्माण कार्य हुए। गाँव और शहर नालों व पुरानी जलधाराओं पर बस गए। रेत और बजरी का अत्यधिक खनन नदियों की गहराई और धार बदल देता है। जब पानी का मार्ग रुकता है तो वह आसपास की बस्तियों में घुस आता है। पंजाब में ड्रेन और नहरों का जाल तो है लेकिन अधिकांश जगह इनकी सफाई व मरम्मत समय पर नहीं होती। नतीजतन बारिश का पानी निकलने की जगह वापस गाँव-शहरों में भर जाता है। इसके साथ ही धान जैसी फसलों ने भूजल का अत्यधिक दोहन किया। मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हुई और प्राकृतिक जलसंचयन तंत्र टूट गया। पंजाब हरित क्रांति का केंद्र रहा। यहाँ गेहूँ और चावल की खेती ने देश को अन्न सुरक्षा दी, लेकिन इसके दुष्परिणाम भी सामने आए। धान की फसल पानी की अत्यधिक मांग करती है। हर साल लाखों ट्यूबवेल से भूजल निकाला गया। इससे भूमिगत जलस्रोत तेजी से सूख गए। जब ऊपर से भारी बारिश या बाढ़ आई तो जमीन उसे सोख नहीं पाई और जलभराव की समस्या बढ़ गई। वनों की कटाई और हरित क्षेत्र के सिकुड़ने से भी प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा। नदियों के किनारे पेड़ों की जड़ें पानी को रोकती और मिट्टी को बांधती थीं, लेकिन अब कटान तेज़ हो गया है। पंजाब में बाढ़ केवल प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक संकट भी है। हजारों एकड़ फसलें बर्बाद हो जाती हैं। किसान कर्ज़ में डूब जाते हैं। ग्रामीण आबादी बेघर हो जाती है और पलायन के लिए मजबूर होती है। सड़कों, पुलों और बिजली के ढांचे को भारी क्षति पहुँचती है। बीमारियों का प्रकोप फैलता है, खासकर डायरिया, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियाँ। मानसिक आघात से समाज में असुरक्षा और हताशा की भावना पनपती है। वास्तव में प्रकृति का कोई भाव नहीं होता। वह केवल संतुलन चाहती है। जब हम उसकी मर्यादाओं का उल्लंघन करते हैं, तब वह चेतावनी के रूप में बाढ़, सूखा या आपदा के रूप में सामने आती है। इसलिए यह कहना कि प्रकृति नाराज़ है, सही नहीं है। सच तो यह है कि इंसान ने प्रकृति को नाराज़ करने लायक हालात पैदा कर दिए हैं। समाधान स्पष्ट हैं। नदियों के किनारे बाढ़ क्षेत्र को चिन्हित कर वहाँ निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। पुराने नालों और ड्रेनों की नियमित सफाई व चौड़ाई बढ़ाई जानी चाहिए। अवैध खनन पर सख्ती से रोक लगनी चाहिए ताकि नदियाँ अपने प्राकृतिक स्वरूप में बह सकें। धान के स्थान पर मक्के, दालों और सब्जियों की खेती को बढ़ावा दिया जाए, जिससे पानी की खपत कम होगी और भूजल का स्तर सुधरेगा। राज्य और केंद्र सरकार को मिलकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिए दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। साथ ही स्थानीय लोगों को बाढ़ से बचाव और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षित करना भी आवश्यक है। पंजाब में बाढ़ का संकट केवल प्राकृतिक कारणों से नहीं है। यह हमारी विकास नीतियों की असंतुलित दिशा का परिणाम है।

चीन का अमेरिका पर पलटवार, कहा- हम युद्ध की साजिश नहीं रचते

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन अमेरिका के हर एक दांव का सटीक जवाब देने में पीछे नहीं हटता है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इस पर तंज कसते हुए चीन ने पलटवार किया और कहा कि हम युद्ध की साजिश नहीं करते।

वाशिंगटन को सीधा और तीखा संदेश देते हुए बीजिंग की तरफ से कहा गया कि उनका देश न तो किसी तरह के युद्ध में भाग लेता है और न ही युद्ध की साजिश रचता है। इसके अलावा टैरिफ को लेकर कहा कि टैरिफ जैसी चीजें केवल समस्या को सुलझाती नहीं है, केवल उलझाने का काम करती है। बता दें कि चीनी विदेश मंत्री का यह बयान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने नाटो देशों से रूसी तेल खरीद को रोकने के लिए चीन पर 50 से 100 फीसदी टैरिफ लगाने की अपील की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक स्लोवेनिया की चार दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने स्पष्ट रूप से कहा, चीन, युद्ध में भाग नहीं लेता है और न ही किसी भी तरह के युद्ध की साजिश रचता है। युद्ध किसी भी तरह से समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता है, जहां तक टैरिफ की बात है, तो ऐसे युद्ध इन समस्याओं को और भी ज्यादा जटिल बना देंगे। दिन की शुरुआत में सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर किए एक पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देशों से अपील करते हुए चीन पर टैरिफ लगाने को कहा। उन्होंने लिखा, अगर सभी नाटो देश एकमत हो जाते हैं तो मैं रूस पर बड़े प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हूं। सभी नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। खैर, जब आप तैयार हों तो मैं आगे बढ़ने के लिए तैयार हूं। बस बताइए कब मेरा मानना है कि इसके साथ ही नाटो, एक समूह के रूप में, चीन के ऊपर 50 से 100 फीसदी टैरिफ लगाए, जिसे रूस और यूक्रेन के युद्ध के समाप्त होने के बाद ही वापस लिया जाए। गौरतलब है कि अमेरिका इससे पहले भी जी 7 देशों से अपील कर चुका है कि यूक्रेन और रूस के युद्ध को रोकने के लिए उसे रूस के तेल बाजार को खत्म करना होगा। इसके लिए रूसी तेल खरीद रहे भारत और चीन के ऊपर बड़े-बड़े टैरिफ लगाने होंगे। हालांकि ट्रंप ने अपने हालिया पोस्ट में केवल चीन के ऊपर टैरिफ लगाने की बात कही है, इसमें भारत का कहीं भी जिक्र नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

पोलैंड में रूसी ड्रोन घुसपैठ अस्वीकार्य अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो

वॉशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को कहा कि इस हफ़्ते पोलैंड की हवाई सीमा में रूसी ड्रोन का प्रवेश अस्वीकार्य है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि रूस ने जानबूझकर पोलैंड को निशाना बनाया या नहीं। नाटो ने 12 सितम्बर को यूरोप की पूर्वी सीमा की सुरक्षा और मज़बूत करने की योजना का ऐलान किया था। यह कदम उस समय उठाया गया जब पोलैंड ने अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन करने वाले ड्रोन को मार गिराया — जो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी गठबंधन की ओर से लिया गया पहला ऐसा सैन्य एक्शन है। रूबियो ने पत्रकारों से कहा, यह बेहद खतरनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इसमें कोई शक नहीं कि ड्रोन रूस से जानबूझकर छोड़े गए थे। सवाल यह है कि क्या उन्हें पोलैंड की सीमा में घुसाने का इरादा था। उन्होंने आगे कहा कि यदि सबूत साबित करते हैं कि ड्रोन का निशाना पोलैंड ही था, तो यह स्थिति बेहद गंभीर और उकसाने वाली होगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगियों से परामर्श कर तथ्यों की पुष्टि के बाद ही कोई ठोस निर्णय लेगा। पोलैंड ने 12 सितम्बर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस सुझाव को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि यह घुसपैठ संभवतः एक गलती हो सकती है। पोलैंड के विदेश मंत्री ने रॉयटर्स से कहा कि वारसॉ को उम्मीद है कि वॉशिंगटन उसके साथ एकजुटता दिखाने के लिए ठोस कदम उठाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भी अमेरिका ने इन घटनाओं को चिंताजनक बताया और नाटो क्षेत्र के हर इंच की रक्षा करने का संकल्प दोहराया।

पिंपल फोड़ना कर सकता है गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा

लंदन। नाक और उसके आसपास का हिस्सा चेहरे का सबसे संवेदनशील और खतरनाक क्षेत्र होता है।

इस हिस्से की नसें सीधे दिमाग से जुड़ी होती हैं, ऐसे में यहां पिंपल फोड़ना गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि, पिंपल फोड़ने से उसमें मौजूद बैक्टीरिया आसपास की त्वचा और नसों में फैल जाते हैं। नाक के पास की नसें दिमाग तक सीधा संपर्क रखती हैं, जिससे संक्रमण बढ़कर कावेनौस सिनूस थ्रोम्बोसिस जैसी गंभीर स्थिति का रूप ले सकता है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो कभी-कभी जानलेवा भी साबित हो सकती है। इसके अलावा, पिंपल फोड़ने से त्वचा पर स्थायी निशान बन सकते हैं। पस और बैक्टीरिया त्वचा के अंदर गहराई तक फैल जाते हैं, जिससे गहरे दाग और दाने के बार-बार उभरने की समस्या बढ़ जाती है। संक्रमण होने पर न केवल लालपन और सूजन बढ़ती है, बल्कि त्वचा लंबे समय तक अस्वस्थ दिखती है। चिकित्सकों का कहना है कि नाक के पास पिंपल फोड़ने से इम्यून सिस्टम पर भी असर पड़ सकता है। जब बैक्टीरिया बार-बार फैलते हैं, तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने लगती है।

कतर में हमास नेताओं को हटाना ही शांति वार्ता की कुंजी : नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शनिवार को कहा कि कतर में रह रहे हमास के शीर्ष

नेताओं को हटाना गाजा युद्ध खत्म करने और सभी बंधकों की रिहाई में सबसे बड़ी बाधा को दूर कर देगा। हाल ही में इजराइल ने दोहा में हमास नेतृत्व को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए थे, जिनकी क़तर ने कड़ी निंदा की। यही कतर लंबे समय से युद्धविराम वार्ता का प्रमुख स्थल रहा है। हमास ने दावा किया है कि इस हमले में उसके पांच सदस्य मारे गए, जिनमें निर्वासित गाजा प्रमुख खलील अल-हैय्या का बेटा भी शामिल है। हालांकि, संगठन की शीर्ष नेतृत्व टीम और वार्ता में शामिल प्रतिनिधि सुरक्षित बच निकले। कतर ने कहा कि इस हमले में उसकी आंतरिक सुरक्षा बल का एक सदस्य भी मारा गया। नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, कतर में बैठे हमास के आतंकी सरगना गाजा के लोगों की परवाह नहीं करते। वे युद्धविराम की हर कोशिश को रोकते रहे ताकि युद्ध लंबा खिंचता जाए। वहीं, हमास ने इस हमले को वार्ता को पटरी से उतारने की कोशिश बताते हुए कहा कि इससे उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। संगठन का कहना है कि सभी बंधकों की रिहाई तभी संभव होगी जब युद्ध समाप्त करने का समझौता होगा और फिलिस्तीन को स्वतंत्र राज्य का दर्जा मिलेगा। इजराइल की मांग है कि हमास न केवल सभी बंधकों को छोड़े बल्कि अपने हथियार भी डाल दे। दूसरी ओर, हमास हथियार छोड़ने से पहले स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की गारंटी चाहता है।

अमेरिका में 9 लाख लोग भुगतेंगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गलत नीतियों का खामियाजा

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावे करते फिर रहे हैं कि उनकी प्राथमिकता अमेरिका है। जबकि हकीकत ये है वे जिस तरह की नीति पर चल रहे हैं, वो वहां के नागरिकों के लिए मुसीबत खड़ी करने वालीं हैं। माना यहां तक जा रहा है कि करीब नौ लाख लोग उनकी गलत नीतियों का खामियाजा भुगतने को मजबूत हो जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों अमेरिका को महान बनाने का कैंपेन चला रहे हैं। इसके लिए उन्होंने दूसरे देशों पर भारी भरकम टैरिफ लगाया है। वह हर जगह दावा कर रहे हैं कि टैरिफ से सरकारी राजस्व में वृद्धि होगी और लोगों को फायदा होगा। हालांकि, येल विश्वविद्यालय की रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप के भारी टैरिफ से करीब नौ लाख अमेरिकी गरीब हो सकते हैं। येल स्थित द बजट लैब ने रिपोर्ट में कहा कि टैरिफ में की गई बढ़ोतरी के कारण 2026 तक गरीबी में जी रहे अमेरिकियों की संख्या में 8,75,000 तक वृद्धि हो सकती है।

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी फिच ने हाल ही में भारत की भारत की जीडीपी ग्रोथ अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया है। उसने अमेरिकी टैरिफ का भारत की अर्थव्यवस्था पर मामूली असर की बात कही है। इसके तहत अमेरिका को होने वाले निर्यात का भारत की जीडीपी में सिर्फ दो फीसदी ही हिस्सा है। हालांकि, टैरिफ को लेकर अनिश्चितता का निवेश पर नकारात्मक असर पड़ेगा। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने बीते कहा कि अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ का भारत पर असर पड़ा है और लोगों की नौकरियां जा रही हैं।

उन्होंने यह दावा भी किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अस्थिर स्वभाव का परिचय दे रहे हैं और वह कूटनीतिक आचार-व्यवहार के पारंपरिक मानकों का सम्मान भी नहीं करते। बता दें कि अमेरिका ने भारत से निर्यात होने वाली वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने के लिए लगाया गया 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। थरूर ने कहा कि टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए भारत को निर्यात बाजारों में विविधता लाने की जरूरत है। उनका कहना था कि सूरत में रत्न एवं आभूषण व्यवसाय, समुद्री खाद्य और विनिर्माण क्षेत्रों में 1.35 लाख लोगों की नौकरियां चली गई हैं।

कद घटाने तुर्की में महिलाएं करवा रही लिंब-शॉर्टनिंग ऑपरेशन

इस्तांबुल। तुर्की की महिलाएं जान-बूझकर लिंब-शॉर्टनिंग सर्जरी करवाकर अपना कद घटा रही हैं। इसकी वजह है रिलेशनशिप और प्यार में हाइट पॉलिटिक्स। लंबे कद वाली महिलाएं खुद को असहज महसूस करती हैं और साथी की पसंद को देखते हुए कद कम कराने तक का जोखिम उठा रही हैं। इस सर्जरी में डॉक्टर जांघ या पिंडली की हड्डी का एक हिस्सा काटकर निकाल देते हैं और फिर बची हुई हड्डी को स्टील रॉड से जोड़ दिया जाता है। इस प्रक्रिया में जांघ की लंबाई अधिकतम 5.5 सेंटीमीटर और पिंडली की लंबाई करीब 3 सेंटीमीटर तक घटाई जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हाल ही में एक महिला ने अपना कद 172 सेंटीमीटर (5 फीट पौने 8 इंच) से घटाकर 167.9 सेंटीमीटर (5 फीट 6 इंच) करवा लिया। इस्तांबुल की कई क्लीनिक इस सर्जरी को लक्ज़री पैकेज के रूप में पेश कर रही हैं। इन पैकेजों में अस्पताल में भर्ती, शहर की सैर, रेस्तरां डिनर और यहां तक कि बोट राइड जैसी सुविधाएं शामिल होती हैं। हालांकि, सर्जरी के बाद की हकीकत बेहद कठिन होती है। रिकवरी में महीनों लग जाते हैं, कई बार मरीजों को व्हीलचेयर पर भी रहना पड़ता है। हफ्ते में 4-5 दिन तक फिजियोथेरेपी करानी पड़ती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सर्जरी से गंभीर खतरे भी जुड़े हैं। इनमें नसों को नुकसान, हड्डियों में संक्रमण, मांसपेशियों की कमजोरी और कभी-कभी टूटी हुई हड्डी का ठीक से न जुड़ पाना शामिल है।

सुरक्षा एक्सपर्ट ने किर्क को पहले ही वॉर्निंग देते हुए कहा था ऐसे तो हत्या हो जाएगी

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क का संदिग्ध हत्यारा गिरफ्तार कर लिया गया है। किर्क की अमेरिका की यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जानकारी के मुताबिक एक बड़े सुरक्षा एक्सपर्ट ने उन्हें पहले ही वॉर्निंग दी थी। उन्होंने कहा था कि अगर सुरक्षा के कड़े इंतजाम नहीं किए गए तो 100 पर्सेंट उनकी हत्या कर दी जाएगी। बता दें कि 31 साल के किर्क को यूनिवर्सिटी में लोगों के सवालों का जवाब देते वक्त गोली मार दी गई थी। गली उनकी गर्दन पर लगी थी। जानकारी के मुताबिक किर्क ने बड़े ध्यान से हरजोग की सलाह सुनी लेकिन बाद में उनकी सलाह पर अमल नहीं किया। हरजोग ने कहा, मेरी भविष्यवाणी सच साबित हुई लेकिन दुर्भाग्य है कि अब किर्क को वापस नहीं लाया जा सकता। हरजोग ने कहा, उनकी टीम में हर शख्स को लगता था कि उनकी सुरक्षा अपर्याप्त है। उन्होंने कहा, टीम के हर सदस्य ने किर्क की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। हरजोग ने किर्क से कहा था कि वह बोलते समय बुलेटप्रूफ पैनल ग्लास का इस्तेमाल करें। इसके अलावा उनके पास आने के लिए मेटल डिटेक्टर से जांच की जाए। हरजोग ने यहां तक कहा था कि स्नाइपर उनके सिर को निशाना बनाने की कोशिश करेगा। ऐसे में बुलेटप्रुफ ग्लास उन्हें बचा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक बॉडीगार्ड ग्रुप ऑफ बेवरली हिल्स के मालिक क्रिस हरजोग ने किर्क से 6 मार्च को कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में मुलाकात की थी। उन्होंने किर्क से ही कहा था, यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में आपकी 100 पर्सेंट हत्या हो जाएगी। अमेरिकी प्रशासन का कहना है है कि किर्क की हत्या के आरोपी को उसके परिवार की ही मदद से दबोच लिया गया है। किर्क की हत्या के आरोप में पकड़े गए संदिग्थ का नाम टाइलर रॉबिन्सन है। रॉबिन्सन के परिवार के ही सदस्य ने दावा किया था कि उसने सारा सच कबूल लिया है। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि चार्ली किर्क की हत्या के पीछे का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है ।

बड़ा खुलासा : लादेन की मौत के बाद पंगू हो गया था पाकिस्तान, दहशत में थे जरदारी

इस्लामाबाद। अमेरिका ने एक सीक्रेट ऑपरेशन चलाकर एबटाबाद में ओसामा बिन लादेन को ढेर किया था। उस वक्त आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे। उनके निकट सहयोगी रहे शख्स ने बड़ा खुलासा किया है। आसिफ अली ज़रदारी के प्रवक्ता रहे और करीबी सहयोगी फरहतुल्लाह बाबर की किताब द जरदारी प्रेसीडेंसी : नाउ इट मस्ट बी टोल्ड ने उस समय पाकिस्तान की आंतरिक हलचल और लीडरशिप के रिएक्शन पर कई नई बातें उजागर की हैं 50 पन्नों का विस्तृत विवरण सिर्फ एबटाबाद ऑपरेशन पर केंद्रित है, जिसमें बाबर ने 'सदमा, भ्रम और पारालिसिस जैसी स्थिति' का वर्णन किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस किताब में लिखा है कि जिस समय अमेरिकी कमांडो एबटाबाद में ओसामा को निशाना बना रहे थे, इस्लामाबाद में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (पीएमएल-क्यू) के बीच सत्ता-साझेदारी को लेकर खींचतान चल रही थी। बाबर लिखते हैं, 'यह एहसास बेहद शर्मनाक था कि देश के रक्षक इस घुसपैठ से पूरी तरह अनजान रहे, जबकि नेता आपस में कुर्सी की लड़ाई में उलझे थे।

उत्तर कोरिया ने यूएस-दक्षिण कोरिया जापान सैन्य अभ्यास को बताया खतरा

प्योंगयांग,14 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया और जापान के बीच शुरू हो रहे सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया ने खतरा बताया है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा कि यह शक्ति का लापरवाही भरा प्रदर्शन है।

सियोल के जेजू द्वीप के पास दक्षिण कोरिया-अमेरिका और जापान की नौसेना, वायु और मिसाइल रक्षा अभियानों को मिलाकर फ्रीडम एज सैन्य अभियान शुरू करने जा रही है। यह अभ्यास शुक्रवार तक जारी रहेगा।

उत्तर कोरियाई सत्तारूढ़ पार्टी की केंद्रीय समिति की उप-विभाग निदेशक किम यो जोंग ने अभ्यास को खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह हमें याद दिलाता है कि अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया का गलत जगहों पर खासकर डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया के आसपास शक्ति का लापरवाही से प्रदर्शन उनके लिए नकारात्मक परिणाम लाएगा।

उत्तर कोरिया ने यह भी कहा है कि अगर शत्रुतापूर्ण ताकतें ऐसे अभ्यासों के माध्यम से अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन जारी रखती हैं, तो वह जवाब देगा। उत्तर कोरिया के शीर्ष पार्टी अधिकारी पाक जोंग चोन ने कहा कि अधिक स्पष्ट और कड़े जवाबी कदम उठाए जाएंगे। इससे पहले तानाशाह किम जोंग उन ने हथियार अनुसंधान केंद्रों के दौरे के बाद कहा था कि उत्तर कोरिया परमाणु और पारंपरिक सशस्त्र बलों के निर्माण को एक साथ आगे बढ़ाने की नीति को आगे बढ़ाएगा।

परमाणु निरस्त्रीकरण पर अमेरिका के साथ 2019 में हुई असफल शिखर वार्ता के बाद से उत्तर कोरिया ने बार-बार कहा है कि वह अपने परमाणु शस्त्रागार को कभी नहीं छोड़ेगा और खुद को एक अपरिवर्तनीय परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित किया है।

एक और अभ्यास शुरू करने की तैयारी में दक्षिण कोरिया और अमेरिका

दक्षिण कोरियाई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक त्रिपक्षीय अभ्यास के अलावा अमेरिका और दक्षिण कोरिया अगले सप्ताह आयरन मेस टेबलटॉप अभ्यास करने की योजना बना रहे हैं।

इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया के खतरों का मुकाबला करने के लिए पारंपरिक और परमाणु क्षमताओं को एकीकृत करना है। दक्षिण कोरिया में वर्तमान में लगभग 28,500 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। आयरन मेस अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नवनिर्वाचित दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे म्युंग के कार्यकाल में पहला ऐसा अभ्यास होगा। दोनों ने उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करने की इच्छा व्यक्त की है।

नेपाल के बाद अब लंदन में गुस्सा, सड़क पर उतरे करीब डेढ़ लाख लोग, पुलिस से हुई झड़प

लंदन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल में लाखों लोगों की भीड़ सड़क पर उतरी और सरकार को उखाड़ फेंका। कुछ इसी तरह का गुस्सा ब्रिटेन में भी देखा जा रहा है। जहां लंदन में शनिवार को एक लाख से अधिक लोग सड़कों पर उतर आए। हालिया इतिहास का यह सबसे बड़ा दक्षिणपंथी संगठनों का प्रदर्शन है। एंटी इमिग्रेशन कार्यकर्ता टॉमी रॉबिन्सन के नेतृत्व में करीब 1.20 लाख प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। इस दौरान पुलिस अधिकारियों पर हमले की भी खबरें सामने आईं। यह रैली यूनाइट द किंगडम मार्च के नाम से आयोजित की गई थी। इसके जवाब में स्टैंड अप टू रेसिज्म नामक काउंटर-प्रदर्शन भी हुआ, जिसमें लगभग 5,000 लोगों ने भाग लिया।

प्रदर्शनकारियों ने यूनियन फ्लैग और सेंट जॉर्ज क्रॉस के झंडे लहराए। कुछ ने अमेरिकी और इजरायली झंडे भी थामे हुए थे। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन कैप पहने कई लोग प्रधानमंत्री कियर स्टार्मर के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। कई पोस्टरों पर लिखा था - उन्हें घर भेजो। पुलिस कमांडर क्लेयर हेन्स ने कहा, हम इस प्रदर्शन को वैसे ही संभालेंगे जैसे किसी और प्रदर्शन को। बिना किसी पक्षपात के। लोगों को कानूनसम्मत अधिकार दिए जाएंगे, लेकिन अव्यवस्था फैलाने वालों के खिलाफ सख्ती बरती जाएगी। उन्होंने माना कि पहले भी कुछ प्रदर्शनों में एंटी-मुस्लिम नारेबाजी और भड़काऊ घटनाएं सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि लंदन की विविध समुदायों को भयभीत होकर घरों में रहने की जरूरत नहीं है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस को कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा ताकि दोनों गुट आमने-सामने न आ जाएं। पुलिस ने बताया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरों को तोड़ने और प्रतिबंधित क्षेत्रों में घुसने की कोशिश की। इस दौरान कई पुलिस अधिकारी घायल हो गए। हालात काबू में लाने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया और घुड़सवार दस्ते भी उतारे गए लंदन में प्रदर्शन के अलावा कई बड़े फुटबॉल मैच और कॉन्सर्ट भी थे, जिसके चलते पुलिस ने 1,600 से अधिक अधिकारियों को तैनात किया। 500 अन्य शहरों से बुलाए गए थे टॉमी रॉबिन्सन का असली नाम स्टीफन याक्सली-लेनन है। उन्होंने मार्च को अभिव्यक्ति की आजादी का जश्न बताया। उन्होंने हाल ही में मारे गए अमेरिकी दक्षिणपंथी नेता चार्ली किर्क को भी श्रद्धांजलि दी। रॉबिन्सन ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर लिखा, हजारों लाखों लोग लंदन की सड़कों पर एकजुट होकर अपनी आजादियों के लिए खड़े हैं। रॉबिन्सन अपने समर्थकों के बीच खुद को पत्रकार और व्हिसलब्लोअर बताते हैं और कहते हैं कि वे सरकार की गलतियों को उजागर करते हैं। उनके समर्थकों में टेस्ला और एक्स के मालिक एलन मस्क जैसे प्रभावशाली नाम भी शामिल हैं। हालांकि, रीफॉर्म यूके जैसी बड़ी एंटी-इमिग्रेंट पार्टी उनसे दूरी बनाए रखती है, क्योंकि रॉबिन्सन के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। रैली में शामिल एक समर्थक सैंड्रा मिशेल ने कहा- हम अपना देश वापस चाहते हैं। हम अपनी आजादी और अभिव्यक्ति का अधिकार वापस चाहते हैं। अवैध प्रवासियों को रोका जाना चाहिए।

श्रेयस की कप्तानी में 16 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबले में उतरेगी भारत ए टीम

लखनऊ,14 सितंबर (एजेंसियां) ।

यहां के इकाना स्टेडियम में भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच इसी माह में दो चार दिवसीय क्रिकेट मुकाबले खेले जाएंगे। इसका पहला मुकाबला 16 सितंबर से शुरु होगा। इन मुकाबलों के लिए इकाना स्टेडियम तैयार है। इन मैचों में भारत ए की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास रहेगी। इन मैचों में शामिल खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगे। इसमें श्रेयस के अलावा मोहम्मद सिराज और के एल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। भारत की ए टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं। दोनो ही टीमों में शामिल कई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में रहे हैं, जिससे इस सीरीज में शीर्ष स्तर का क्रिकेट देखने को मिलेगा। ऐसे में ये सीरीज क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक शानदार अनुभव होगी यह सीरीज न केवल खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका है, बल्कि राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के लिए भी एक अवसर है कि वे भविष्य की भारतीय टीम के लिए नए सितारों की खोज कर सकें। श्रेयस अय्यर के लिए यह मुकाबले राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह बना सकते हैं पर इसके लिए उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

भारत ए टीम

इस टीम के ऐलान के बाद ये भी रेखांकित किया गया है कि केएल राहुल और मोहम्मद सिराज को दूसरे बहु-दिवसीय मैच के लिए टीम में शामिल किया जाएगा और वे पहले बहु-दिवसीय मैच के बाद टीम में शामिल दो खिलाड़ियों की जगह लेंगे.

ऑस्ट्रेलिया ए टीम

जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोंस्टास, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, लियाम स्कॉट।

एएफसी महिला एशियाई कप आसान नहीं रहेगाः स्वीटी

उदयपुर। भारतीय महिला फुटबॉल टीम की कप्तान स्वीटी देवी ने कहा है कि उनकी टीम का लक्ष्य अगले साल होने वाले एएफसी महिला एशियाई कप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्वीटी के अनुसार एशियाई कप में मुकाबले आसान नहीं रहेंगे। उसे इसमें जापान, वियतनाम और चीनी ताइपे जैसी मजबूत टीमों के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। ऐसे में टूर्नामेंट की अच्छी तैयारी के लिए उसे इससे पहले होने वाले दोस्ताना मैच में मेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

लक्ष्य हॉन्ग कॉन्ग ओपन के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारत के लक्ष्य सेन ने हॉन्ग कॉन्ग ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया है। लक्ष्य ने पुरुष एकल में विश्व के नौवे नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को करीब एक घंटे तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में 23-21, 22-20 से हराया। लक्ष्य करीब दो साल बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं। उन्होंने पिछली बार जुलाई 2023 में कनाडाई ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी। लक्ष्य का सामना अब चीन के दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी लि शि फेंग से होगा। लक्ष्य ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, ''यह काफी प्रतिस्पर्धी मैच था और चोउ ने बहुत अच्छा खेला। मुझे खुशी है कि आखिरी क्षणों में संयम रखते हुए मैंने जीत दर्ज की है। हम दोनों एक दूसरे के खिलाफ कई बार खेल चुके हैं इसलिए मुझे पता था कि लंबी रेलियां होंगी। अब मेरा लक्ष्य फाइनल जीतना है।'' वहीं इससे पहले एक अन्य सेमीफाइनल में जीत के साथ ही भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पुरुष युगल के फाइनल में पहुंच गयी है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने चीनी ताइपे के बिंग-वेई लिन और चेन चेंग कुआन को 21-17, 21-15 से हराकर इस सत्र में छह सेमीफाइनल मुकाबलों में मिली हार के बाद अपने पहले फाइनल में जगह बनाई है। इस जोड़ी का सामना अब चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग तथा चीनी ताइपे के फैंग-चिह ली और फैंग-जेन ली के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

एस20 लीग के लिए डरबन सुपर जायंट्स ने मार्करम को कप्तान बनाया

जोहांसबर्ग। डरबन सुपर जायंट्स टीम ने दक्षिण अफ्रीकी टी20 लीग (एस20) के चौथे सीजन के लिए बल्लेबाज एडन मार्करम को कप्तान बनाया है। टीम ने एक वीडियो जारी कर मार्करम को कप्तान बनाए जाने की बात कही है। गौरतलब है कि मार्करम इस लीग के सबसे सफल कप्तान हैं। वह पिछले तीन सत्र से सनराइजर्स ईस्टर्न केप के कप्तान थे। उनकी कप्तानी में ईस्टर्न केप ने साल 2023 और 2024 में जीत हासिल की थी। वहीं साल 2025 में टीम उपविजेता रही थी। उन्होंने इसके बाद टीम का साथ छोड़ दिया था। ऐसे में इसबार हुई नीलामी में उन्हें डरबन सुपर जायंट्स ने खरीदा। वह नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने हैं। डरबन सुपर जायंट्स आईपीएल की लखनऊ सुपर जायंट्स का ही हिस्सा है। इस लीग में डरबन ने अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है। मार्कराम के अलावा डरबन ने नीलामी में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी, युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका, बांग्लादेश के स्पिनर तैजुल इस्लाम को खरीदा है। इसके अलावा एथन बॉश, एंडिले सिमेलाने और मार्केस एकरमैन जैसे घरेलू खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। मार्कराम दक्षिण अफ्रीकी टीम के भी कप्तान हैं।

पीकेएल-12 : जयपुर पिंक पैंथर्स की घरेलू मैदान पर धमाकेदार जीत, यूपी योद्धाज 41-29 से पराजित

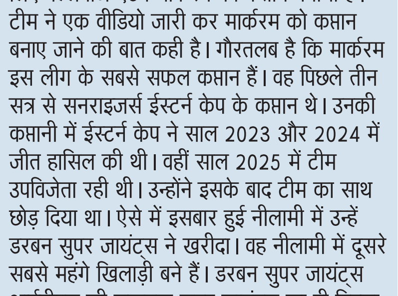

जयपुर। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 में जयपुर पिंक पैंथर्स ने सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में अपने घरेलू दर्शकों के सामने पहली जीत का परचम लहराया। शनिवार को खेले गए इस मुकाबले में पैंथर्स ने यूपी योद्धाज को 41-29 से मात दी। नितिन कुमार टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने शानदार रेड्स करते हुए सुपर-10 लगाया। उनके साथ ईरानी ऑल-राउंडर अली सामदी ने 9 अंक जोड़े। डिफेंस में भी जयपुर का जलवा रहा, रेज़ा मिरबघेरी ने 4 टैकल अंक, जबकि दीपांशु खत्री और आर्यन कुमार ने 3-3 टैकल अंक जुटाए। यूपी योद्धाज की ओर से गगन गौड़ा ने दमदार संघर्ष किया और 15 अंकों के साथ अपना चौथा सुपर-10 पूरा किया। कप्तान सुमित सांगवान ने 4 टैकल अंक हासिल किए, मगर टीम के बाकी खिलाड़ी लय नहीं पकड़ सके। शुरुआत में यूपी ने बढ़त बनाई। शिवम चौधरी और भवानी राजपूत ने अंक दिलाए, जबकि गगन गौड़ा ने दबाव बढ़ाया। लेकिन जयपुर ने नितिन और सामदी की जोड़ी के दम पर शानदार वापसी की।

भारत ने पाकिस्तान को सात विकेट से हराया सूर्यकुमार ने छक्का लगाकर दिलाई जीत

दुबई,14 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय टीम ने हमारी आर्मी की ही तरह जांबाज प्रदर्शन करते हुए दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर का अगला चरण पूरा कर दिया। उसने पाकिस्तान को 0000 गेंद रहते घुटनों पर लाने के लिए मजबूर कर दिया। पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए भारत को जीत के लिए 128 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे उसने 25 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारत के लिए गेंदबाजी में कुलदीप, अक्षर और बुमराह ने कमाल किया तो बल्लेबाजी में ओपनर अभिषेक शर्मा मैदान पर उतरते ही तूफानी अंदाज रन बरसाए और पहले ओवर की शुरुआती दो गेंदों में चौका और छक्का जड़ दिया। इसके बाद रनों का प्रवाह नहीं रुका और टीम इंडिया ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारत सुपर-4 में पहुंच चुका है।

128 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम का आगाज अभिषेक शर्मा के चौके के साथ हुआ। उन्होंने विपक्षी टीम के पेसर शाहीन अफरीदी को बच्चों की तरह पहली गेंद पर चौका और दूसरी गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके बाद तो स्टेडियम में बैठे भारतीय फैंस का जश्न देखते बन रहा था। शुभमन गिल हालांकि स्टंप आउट हुए और 10 रनों के निजी स्कोर पर चलते बने, लेकिन रनों की बरसात नहीं रुकी। अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 13 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के उड़ाते हुए 31 रन ठोके।

इसके बाद सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने पारी को आगे बढ़ाया। इन दोनों ने टीम को 97 रनों तक पहुंचाया। तिलक वर्मा 31 रन बनाकर आउट हुए तो शिवम दुबे ने उतरते ही हवाई शॉट खेला। सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी पारी खेलते हुए 37 गेंदों में 5 चौके और एक छक्का की मदद से नाबाद 47 रनों की पारी खेली। शिवम दुबे 10 रन बनाकर नाबाद रहे। इस तरह से भारतीय टीम ने 15.5 ओवरों में सिर्फ 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

एशिया कप के बहुचर्चित ग्रुप मुकाबले में इससे पहले कुलदीप यादव की कलात्मकता, अक्षर पटेल का अनुशासन और वरुण चक्रवर्ती के हुनर के सामने पाकिस्तानी टीम भारत के खिलाफ 9 विकेट पर 127 रन ही बना सकी। भारत ने एक बार फिर दिखा दिया कि दोनों टीमों के प्रदर्शन में जमीन आसमान का अंतर है। स्पिनर अक्षर ने चार ओवर में 18 रन देकर दो, कुलदीप ने चार ओवर में 18 रन देकर तीन और वरुण ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया। पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज इस तिकड़ी के सामने टिक नहीं सका।

अक्षर, कुलदीप और वरुण ने मिलकर 40 डॉट गेंदें डाली और जसप्रीत बुमराह ने भी 15 डॉट गेंद फेंकी। इसी से पाकिस्तानी बल्लेबाजों पर बने दबाव का पता चल जाता है। शाहीन शाह अफरीदी ने अगर आखिर में 16 गेंद में नाबाद 33 रन नहीं बनाये होते तो पाकिस्तान 125 रन के पार भी नहीं पहुंचता। सूर्यकुमार यादव टॉस हार गए और पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ भी नहीं मिलाया। भारत ने पहली वैध गेंद से ही दबाव बना दिया और सईम अयूब खाता खोले बिना हार्दिक पंड्या की गेंद पर पॉइंट में बुमराह को कैच दे बैठे। बुमराह ने चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट लिए।उन्होंने पिछले मैच में सर्वाधिक रन बनाने वाले मोहम्मद हारिस (तीन) को पवेलियन भेजा। वह पूल शॉट खेलने के प्रयास में फाइन लेग में खड़े पंड्या को कैच देकर लौटे। साहिबजादा फरहान ने 44 गेंद में 40 रन बनाये और बुमराह को दो छक्के भी जड़े लेकिन भारत के किसी स्पिनर का सामना नहीं कर पाये। पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने खराब शॉट खेले और उनमें तकनीक का भी अभाव नजर आया। फखर जमां (15 गेंद में 17 रन) ने अक्षर के सामने जोखिम उठाने का साहस किया हालांकि स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ उनका कैरियर रिकॉर्ड बेहतर रहा है।

धोती-कुर्ते वाले लुक में नजर आये सौरव गांगुली

कोलकाता,14 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली एक नये लुक में नजर आये हैं। प्रिंस ऑफ कोलकाता के नाम से लोकप्रिय गांगुली अपने नाम के अनुसार शाही अंदाज वाले एथनिक लुक में नजर आने आये हैं, जिसके बाद से ही प्रशंसकों ने उनके लुक को सराहा है। इस ट्रेंडिंग फोटोशूट में गांगुली अपने बोर्डरूम ब्लेजर की जगह ही बारीक डिजाइन वाले धोती-कुर्ते पहने दिखे। इससे वह शोस्टॉपर नजर आ रहे थे।

इससे सोशल मीडिया पर उनकी जमकर प्रशंसा की गयी है। एक प्रशंसक ने खुशी से कहा, गांगुली मैच और दिल दोनों ही बराबर जीत सकते हैं, जबकि दूसरे ने उन्हें बेहतरीन स्टाइल दादा बताया। वहीं एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हो रहा है त्योहारों का मौसम नजदीक आ रहा है, ऐसे में कई लोग अनुमान लगा रहे हैं कि यह शूट किसी ब्रांड अभियान का हिस्सा हो सकता है। एक बात तो तय है कि गांगुली अपने को नए अंदाज में दिखाना पसंद करते हैं। लॉर्ड्स में अपनी जर्सी लहराने से लेकर धोती पहनकर देसी अंदाज में दादा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह फैशन से बाहर नहीं हो सकते। गौरतलब है कि गांगुली को भारत के सबसे प्रभावशाली क्रिकेट कप्तानों में से एक माना जाता है। साल 2000 से 2005 के बीच उनकी कप्तानी में भारतीय टीम एक नये रुप में नजर आयी। उनकी कप्तानी में टीम आक्रामक होकर उभरी। भारतीय टीम साल 2003 के आईसीसी विश्व कप के फाइनल में पहुंची और उसने विदेशों में बेहतरीन टेस्ट जीत हासिल की। साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गांगुली पहले बंगाल और उसके बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष बने। इसके अलावा भी उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाईं।

विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की लंबी कूद में भाग लेती हुई अमेरिका की तारा डेविस।

प्रीव्यू कार्यक्रम में उन्मुक्त चंद ने किया क्रिकेट अकादमी प्रीमियर लीग का अनावरण

पूर्व खिलाड़ी उन्मुक्त चंद ने वैश्विक स्तर की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक प्रशिक्षण ढांचों के महत्व पर दिया जोर

नई दिल्ली,14 सितंबर (एजेंसियां) ।

क्रिकेट वॉल्ट अकादमी और क्रिकेट अकादमी प्रीमियर लीग (सीएपीएल) का रविवार को नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर एनेक्सी में आयोजित प्रीव्यू कार्यक्रम में अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मौजूद भारत के 2012 आईसीसी अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान उन्मुक्त चंद ने संस्थापक शिवम शर्मा और निदेशक मोहम्मद आरिफ के साथ मिलकर अगली पीढ़ी की क्रिकेट प्रतिभा को विकसित करने के लिए अकादमी का रोडमैप प्रस्तुत किया।

प्रीव्यू कार्यक्रम में उन्मुक्त चंद ने युवा खिलाड़ियों को सशक्त बनाने के लिए वैश्विक स्तर की विशेषज्ञता और वैज्ञानिक प्रशिक्षण ढांचों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में जमीनी स्तर पर क्रिकेट की अपार संभावनाएं हैं और सही मार्गदर्शन, बुनियादी ढांचे और सीएपीएल जैसे अवसरों के साथ, देश विश्वस्तरीय खिलाड़ियों की एक मजबूत श्रृंखला तैयार कर सकता है।

संस्थापक शिवम शर्मा ने बताया कि यह पहल संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को एक पेशेवर प्रीमियर-लीग शैली के मंच के साथ जोड़ती है, जिससे नवोदित क्रिकेटरों को प्रतिस्पर्धी माहौल में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।

निदेशक मोहम्मद आरिफ ने कहा कि अकादमी का लक्ष्य कौशल और प्रदर्शन से आगे बढ़कर चरित्र निर्माण, अनुशासन और आधुनिक क्रिकेट की मांग के अनुरूप समग्र विकास पर भी केंद्रित है।

कार्यक्रम में बताया गया कि क्रिकेट वॉल्ट अकादमी विश्व स्तरीय कोचिंग, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और एक प्रीमियर लीग मंच प्रदान करके कच्ची प्रतिभा और पेशेवर क्रिकेट के बीच की खाई को पाटने की इच्छा रखती है, जो युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच के करीब ला सकती है।

पाक के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने भारतीय बोर्ड की रोटेशन प्रणाली को सराहा

लाहौर,14 सितंबर (एजेंसियां) ।

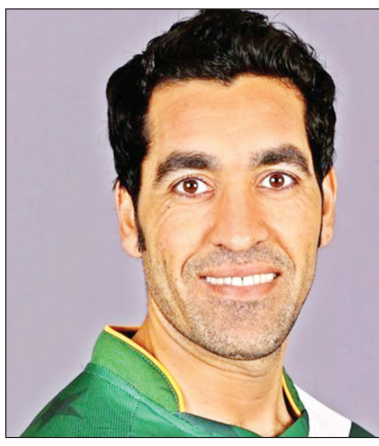

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर उमर गुल ने कहा है कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड अपने खिलाड़ियों की देखभाल कर रहा है। उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। गुल ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने तेज गेदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में कार्यभार प्रबंधन काफी अच्छे तरीके से किया है। वहीं कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट को भी इससे सीख लेनी चाहिये। उसे भी भारतीय बोर्ड की तरह ही रोटेशन नीति अपनानी चाहिये।

पाकिस्तान के इस पूर्व तेज गेंदबाज कहा कि भारतीय बोर्ड ने रोटेशन नीति से बुमराह के करियर की क्षमता को अधिकतम स्तर तक लाने के प्रयास किये हैं। इसी कारण चोट के बाद वापसी के बाद भी बुमराह पहले की तरह ही तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। वहीं गुल ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में स्थापित खिलाड़ियों में भी जगह को लेकर असुरक्षा की भावना है, जिसके कारण वे पूरी तरह से फिट नहीं होने पर भी मैच खेलते हैं।

उन्होंने कहा , हमारी व्यवस्था में समस्या ये है कि जब हम खेलते थे, तो कोई भी सीनियर खिलाड़ी अपनी फिटनेस बताने में डरता था। अगर वह 70-80 फीसदी भी फिट होता तो वह कहता मैं खेलना चाहता हूं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आता है और अच्छा प्रदर्शन करता है तो उसकी जगह चली जाती क्योंकि रोटेशन नीति हमारी बोर्ड की संस्कृति में नहीं है।

हम केवल उस समय का प्रदर्शन देखते हैं। नए खिलाड़ी ने अगर अच्छा प्रदर्शन किया है, तो उसे टीम में लाएं और उसे खेलने दें। मुझे लगता है कि रोटेशन नीति होनी चाहिए पर आपकी प्राथमिकता सीनियर खिलाड़ी होना चाहिए, जब वह फिट हो जाए तो आपको उसे शामिल करना चाहिये। गुल ने भारतीय प्रणाली की तारीफ करते हुए कहा कि इसमें पहली पंक्ति के खिलाड़ियों की चोटों से निपटने के लिए अच्छी व्यवस्था है। साथ ही कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों के साथ ही प्रबंधन की भी जिम्मेदारी होती है।

नागल की जीत के साथ ही भारत ने डेविस कप में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया

बिएल। भारतीय टीम के सुमिल नागल ने डेविस कप टेनिस के विश्व ग्रुप 1 के पहले दौर के मैच में स्विट्जरलैंड के हेनरी बर्नेट को एकल में 6-1, 6-3 से हरा दिया। इसी के साथ ही भारत को स्विस टीम पर 3-1 की जीत मिली है। भारतीय टीम अब विश्व ग्रुप के क्वालीफायर में पहुंच गयी है। वहीं स्विट्जरलैंड टीम ने भी विश्व ग्रुप 1 से प्ले-ऑफ में जगह बनायी है। भारतीय टीम ने इसी के साथ ही साल 2019 में डेविस कप प्रारूप में बदलाव के बाद से ही पहली बार विश्व ग्रुप 1 के अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की है। भारतीय टीम की ओर से दक्षिणेश्वर सुरेश ने शुरुआती मैच में जेरोम किम को 7-6(5), 6-3 से हराकर अच्छी शुरुआत की। वहीं नागल ने दिन के दूसरे मैच में मार्क-एंड्रिया ह्यूस्लर को 8-3, 7-6(1) से हराकर शुरुआती एकल के बाद भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद मेजबान स्विस टीम ने पुरुष युगल मुकाबले में वापसी करते हुए जीत दर्ज की। जैकब पॉल और डोमिनिक स्ट्राइकर ने एन. श्रीराम बालाजी और ऋत्विक चौधरी बोलिपल्ली को संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया। एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने 6-7(3), 6-4, 7-5 से जीत हासिल की और इससे अब स्कोर 1-2 हो गया। भारतीय टेनिस खिलाड़ियों ने अच्छी शुरुआत की और टाई-ब्रेक के बाद पहला सेट अपने नाम किया। इसके बाद नागल ने एकल में बर्नेट को हराकर भारतीय टीम को जीत दिला दी।

नाटो देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें तो जंग जल्द हो सकती है खत्म

वाशिंगटन,14 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने शनिवार को रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह रूस पर सख्त बैन लगाने को तैयार कर रहे हैं, लेकिन इसके लिए एक शर्त भी रखी है। ट्रंप चाहते हैं कि नाटो के सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें। साथ ही सभी नाटो देश रूस पर अपने स्तर से बैन लगाएं। ट्रंप ने यह बात ट्रुथ सोशल पर कही।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस के खिलाफ कड़े कदम उठाने की कही बात

उन्होंने इसे नाटो देशों और दुनिया के लिए एक पत्र बताया। ट्रंप ने सुझाव दिया कि नाटो देश चीन पर 50 से 100 फीसदी तक टैरिफ लगाएं। इससे रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करने में मदद मिलेगी। ट्रंप ने आगे कहा कि चीन का रूस पर काफी प्रभाव है। अगर नाटो ऐसा करता है, तो यह जंग जल्द खत्म हो सकती है। ट्रंप ने नाटो देशों द्वारा रूस से तेल खरीदने को हैरान करने वाला बताया। उनका कहना है कि इससे नाटो की मोलभाव करने की ताकत कमजोर होती है।

यूरोपीय कमीशन जल्द ही रूस के खिलाफ 19वें दौर के प्रतिबंधों की घोषणा करने वाला है, लेकिन हंगरी और स्लोवाकिया जैसे कुछ देश अभी भी रूस से तेल खरीद रहे हैं। फ्रांस और जर्मनी चाहते हैं कि कमीशन रूस की तेल कंपनियों और उन तीसरे देशों पर सख्ती करे, जो रूस के तेल व्यापार में मदद कर रहे हैं। ट्रंप ने हाल ही में रूस के यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले के बाद बैन की धमकी दी थी, लेकिन अभी तक उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इससे यूक्रेन भी नाराज है।

बता दें ट्रंप ने पिछले महीने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि वह रूस पर बैन लगाने को तैयार हैं, बशर्ते नाटो देश भी साथ दें। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर नाटो उनके सुझावों को मानता है, तो यूक्रेन-रूस जंग जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने नाटो को चेतावनी दी कि अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह उनका समय बर्बाद नहीं करेंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

अगस्त में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी

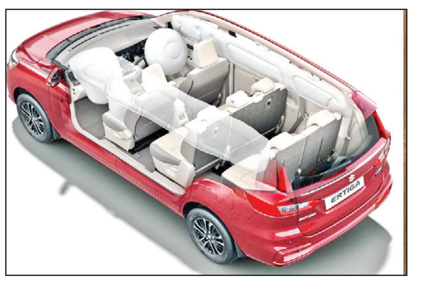

नई दिल्ली। अगस्त 2025 में भारतीय बाजार में कार बिक्री के आंकड़े जारी हुए हैं। अगस्त महीने में बिक्री के मामले में मारुति सुजुकी इर्टिगा ने बाजी मारी। एमपीवी सेगमेंट की इस कार ने 18,365 यूनिट्स की बिक्री के साथ देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनकर सबको पीछे छोड़ दिया। दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी डिजायर रही, जिसकी बिक्री 55 प्रतिशत बढ़कर 16,509 यूनिट्स रही। तीसरे पर हयूदै क्रेटा रही, हालांकि इसकी बिक्री 5 प्रतिशत घटकर 15,924 यूनिट्स रही। चौथे पर वेगनआर रही, जिसकी बिक्री 14,552 यूनिट्स रही। टॉप-5 में टाटा नेक्सान भी शामिल रही, जिसने 14,004 यूनिट्स बेचीं। वहीं, मारुति ब्रेझा की बिक्री 29 प्रतिशत गिरकर 13,620 यूनिट्स रही। इसके अलावा बलेनो (12,549 यूनिट्स), फ्रोंक्स (12,422 यूनिट्स) और स्वीफट (12,385 यूनिट्स) ने टॉप-10 में जगह बनाई। दसवें नंबर पर मारुति इको रही, जिसकी बिक्री 10,785 यूनिट्स रही। महिंद्रा स्कार्पियो 9,840 यूनिट्स के साथ 12वें स्थान पर रही, जबकि टोयोटा इनोवा 9,304 यूनिट्स के साथ 13वें स्थान पर। किआ सोनेट, महिंद्रा बोलेरो और हयूदै वेन्यू ने भी अच्छी बिक्री दर्ज की। 25वें नंबर पर टोयोटा ग्लांझा रही, जिसकी 5,102 यूनिट्स बिकीं।

होंडा इलेवेट पर 1.80 लाख रुपये तक का मिल रहा फायदा

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया की मिड-साइज एसयूवी इलेवेट पर डिस्काउंट के चलते 1.80 लाख रुपये तक का फायदा मिल रहा है। इसमें टैक्स में कटौती से 58,400 रुपये और कंपनी ऑफर से 1.22 लाख रुपये का अतिरिक्त लाभ शामिल है। होंडा इलेवेट की एक्स-शोरूम कीमत 11.91 लाख रुपये से शुरू होती है। इस एसयूवी का मुकाबला मारुति ग्रांड विटारा, हयूदै क्रेटा और किआ सेलटॉस से है। इलेवेट में 1.5-लीटर वीटेक पेट्रोल इंजन है, जो 121पीएस पावर और 145एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसे 6-स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ पेश किया गया है। नए जीएसटी 2.0 के तहत छोटी पेट्रोल, सीएनजी और डीजल कारों पर टैक्स घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लग्जरी और एसयूवी कारों पर टैक्स पहले 50प्रतिशत था, जिसे घटाकर 40प्रतिशत कर दिया गया है। इसका फायदा होंडा इलेवेट जैसी मिड-साइज एसयूवीएस के खरीदारों को सीधे तौर पर मिलेगा। एसयूवी में 360 डिग्री कैमरा, अडास फीचर्स, 6 एयरबैग, वायरलेस चार्जिंग, 10.25-इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम और होंडा सेनसिंग स्यूट जैसी आधुनिक टेक्नोलॉजी दी गई है। इसके टॉप झेडएक्स वेरिएंट में प्रीमियम लेदर अपहोल्स्ट्री और सनरूफ जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

पॉपुलर सेडान विरटस की कीमतों आएगी कमी

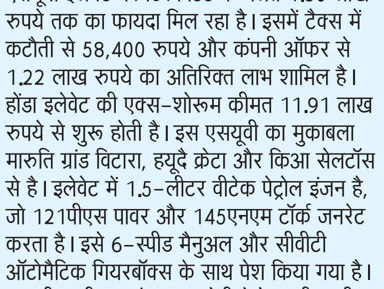

नई दिल्ली। अपनी पॉपुलर सेडान विरटस पर नए जीएसटी नियम लागू होने के बाद फॉक्सवैगन इंडिया ने बड़ी राहत की घोषणा की है। फॉक्सवैगन इंडिया ने बताया कि 22 सितंबर से कार की कीमत पर टैक्स में 66,900 रुपये तक की कमी आएगी। इसका मतलब है कि अब यह लग्जरी सेडान और भी किफायती दाम पर मिलेगी। विरटस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.54 लाख रुपये है। फॉक्सवैगन विरटस दो इंजन विकल्पों में आती है 1.0 एल टीएसआई (999सीसी, 3 सिलेंडर) और 1.5एल टीएसआई ईवो (1498सीसी, 4 सिलेंडर)। इसमें 6-स्पीड मैनुअल, 6-स्पीड ऑटोमैटिक और 7-स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है। फीचर्स की बात करें तो कार में 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड लेदर सीट्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल और क्रूज कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 6 एयरबैग्स, ईएससी, एलईडी हेडलैंप्स और रिवर्स कैमरा दिया गया है। नए जीएसटी 2.0 में छोटी और लग्जरी कारों पर टैक्स दरों में बदलाव हुआ है। पहले जहां लग्जरी कारों पर 50प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था, वहीं अब इसे घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

गाय घर की ...

तो क्या नागरिक इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं कर सकते? वीर दास जैसे पाखंडी एक तरफ लिखते हैं, 15 अप्रैल को चिकन टिक्का उत्सव मना रहा हूं, सब आमंत्रित हैं। दूसती तरफ वे और वैसे लोग कुत्तों की आंखों में आंसू देख लेते हैं, लेकिन गाय देख कर उन्हें सिर्फ स्वाद दिखता है। ये वही लोग हैं जो डॉग स्क्वाड की टी-शर्ट पहनते हैं, लेकिन मेनू कार्ड पर बीफ करी टिक करते वक्त हिचकिचाते नहीं हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने वीर दास के पोस्ट का जवाब देते हुए लिखा, कुत्तों को शुद्ध बता रहे हो, लेकिन गाय को नहीं? बीफ की गंध और उसे देखते ही तुम्हारा सारा पशु प्रेम कहां चला जाता है, पाखंडियों।

प्रधानमंत्री मोदी अक्सर गायों के साथ देखे जाते हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रही हैं, जहां वे गायों को खाना खिलाते और दुलारते दिखते हैं। हिंदू धर्म में गाय को पवित्र माना जाता है और गौ माता के रूप में पूजा जाता है। मोदी सरकार ने 2014 से गायों की सुरक्षा के लिए कई योजनाएं भी शुरू की हैं। 2019 में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना की गई थी। यह आयोग मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के तहत काम करता है। इसका मुख्य उद्देश्य गायों और उनकी नस्लों का संरक्षण, सुरक्षा और विकास करना है।

कुछ समय पहले ही, दिल्ली में आवारा कुत्तों को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अगस्त 2025 को एक आदेश जारी किया, जिसमें दिल्ली-एनसीआर के सभी आवारा कुत्तों को पकड़कर स्थायी रूप से शेल्टरों में रखने का निर्देश दिया गया। कोर्ट ने यह आदेश कुत्तों के काटने और रेबीज के बढ़ते मामलों को देखते हुए दिया था, जिसमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे। इस आदेश का पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और कई मशहूर हस्तियों ने कड़ा विरोध किया। उन्होंने इस आदेश को अवैज्ञानिक बताया और कहा कि यह पशु जन्म नियंत्रण नियमों के खिलाफ है। इस विरोध को देखते हुए, चीफ जस्टिस ने मामले को तीन-न्यायाधीशों की पीठ के पास भेज दिया।

नई पीठ ने पुराने आदेश में बदलाव कर दिया और निर्देश दिया कि कुत्तों को नसबंदी और टीकाकरण के बाद उसी जगह वापस छोड़ा जाए, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी कहा कि सार्वजनिक सड़कों पर कुत्तों को खाना खिलाने की अनुमति नहीं होगी, बल्कि इसके लिए नगर निगमों को विशेष फीडिंग जोन बनाने होंगे। आपने कभी सुना कि सुप्रीम कोर्ट या कोई भी अदालत किसी आम आदमी के मामले में ऐसा करती हो! लेकिन कुत्ते के लिए सुप्रीम कोर्ट पूरी की पूरी पीठ बदल देते है और अपने ही फैसले को बदल कर कुत्तों को पसंद आने वाला फैसला सुना देती है। यह समाज के कुत्तत्व की ओर तेजी से अग्रसरित होने की सनद है। आए दिन आप सुनते और देखते हैं कि किस तरह आवारा कुत्तों के झुंड बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं को नोंच-नोंच कर मार डालते हैं, लेकिन समाज के कुत्ता प्रेमियों को उन लोगों की त्रासद मौत की पीड़ा नहीं होती। यह कुत्ता प्रेम ठीक उसी तरह का रोग है, जैसे कभी भारतीय समाज में लोगों को धर्मनिरपेक्षता, प्रगतिशीलता और बुद्धिजीविता का रोग लगा हुआ था। एक समय अंतराल में इसका ढोंग पूरे समाज को पता चल गया तो लोग इससे परहेज करने लगे। अब वह रोग गया तो कुत्तत्व का रोग लग गया। वह भी एक अंतराल के बाद समाप्त होगा या पूरे समाज को कुत्तत्व में बदल देगा।

मैं शिव भक्त...

आतंकियों को पालने वालों के एजेंडों को आगे बढ़ाते हैं। पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। इसलिए आपको कांग्रेस के प्रति हमेशा सतर्क रहना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के लिए अपने वोट बैंक का हित सबसे बड़ा है। कांग्रेस देशहित की कभी परवाह नहीं करती है। आज कांग्रेस देशविरोधियों और घुसपैठियों की भी रक्षक बन चुकी है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब वह घुसपैठ को बढ़ावा देती थी और आज कांग्रेस चाहती है कि घुसपैठिए हमेशा के लिए भारत में बस जाए और भारत का भविष्य घुसपैठिए तय करें।प्रधानमंत्री मोदी ने दरांग मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के साथ-साथ एक नर्सिंग कॉलेज और एक जीएनएम स्कूल के निर्माण का शुभारंभ किया। अधिकारियों ने बताया कि इन स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं में कुल मिलाकर 570 करोड़ रुपए का निवेश होगा। प्रधानमंत्री ने 1,200 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली 2.9 किलोमीटर लंबे नरेंगी-कुरुवा पुल और असम के कामरूप और दरांग जिलों और मेघालय के री भोई को जोड़ने वाली 118.5 किलोमीटर लंबी गुवाहाटी रिंग रोड परियोजना की भी आधारशिला रखी। रिंग रोड परियोजना की अनुमानित लागत 4,530 करोड़ रुपए है।

प्रधानमंत्री ने गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ रिफाइनरी में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नवनिर्मित बांस आधारित एथेनॉल संयंत्र और 7,230 करोड़ रुपए की लागत से पेट्रो फ्लूइडाइज्ड कैटेलिटिक क्रैकर इकाई का उद्घाटन किया। इस तरह पीएम मोदी ने असम को कुल 18 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार शाम असम पहुंचे थे और भारत रत्न से सम्मानित भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, पिछली कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल में किसानों की जमीन और धार्मिक स्थलों पर अतिक्रमण किया गया था। भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार बनने के बाद से, हमने उन गलतियों को सुधारना और अवैध दावों को हटाना शुरू कर दिया है। असम में घुसपैठियों से लाखों एकड़ जमीन वापस ली गई है। उन्होंने आगे कहा, भाजपा का उद्देश्य देश को घुसपैठियों से बचाना और उसकी अखंडता को बहाल करना है। मैं उन राजनेताओं को चुनौती देता हूं जो घुसपैठियों का बचाव करते हैं कि वे आगे आएं और इस मुद्दे का सामना करें। वे दिखाएं कि हमने घुसपैठियों को हटाने के लिए जो प्रयास किए हैं, उनकी तुलना में उन्होंने क्या प्रयास किए हैं। घुसपैठियों को पनाह देने वालों को इसकी कीमत चुकानी होगी; देश उन्हें माफ नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, अपनी राजनीति के लिए कांग्रेस ऐसी विचारधारा से जुड़ती है जो भारत विरोधी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी यही देखने को मिला। पाकिस्तान के कोने-कोने में आतंकवादियों के सरगनाओं को खत्म किया गया, लेकिन कांग्रेस भारतीय सेना के बजाय पाकिस्तानी सेना के साथ खड़ी रही। हमारी सेना के साथ खड़े होने के बजाय, कांग्रेस पार्टी के लोग आतंकवादियों को पालने वालों के एजेंडे को बढ़ावा देते हैं। पाकिस्तान का झूठ कांग्रेस का एजेंडा बन जाता है। इसलिए आपको कांग्रेस से हमेशा सावधान रहना होगा। आज कांग्रेस आक्रांताओं और देशद्रोहियों की बहुत बड़ी संरक्षक बन गई है।प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से अपील की सभी स्वदेशी को अपनाएं और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए स्वदेशी सामान खरीदें। संबोधन के दौरान ही भीड़ में खड़े एक व्यक्ति ने पीएम मोदी और उनकी मां की एक पेंटिंग दिखाई। पीएम मोदी ने वह पेंटिंग मंगवाई और बहुत तारीफ की। उन्होंने कहा, मैं आपको जरूर एक पत्र लिखूंगा। आपने बहुत सुंदर चित्र बनाया है। मैं आपका बहुत आभारी हूं। पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए तो जनता-जनार्दन ही मेरा भगवान है और मेरे भगवान के पास जाकर मेरी आत्मा की आवाज वहां नहीं निकलेगी तो और कहां निकलेगी। यही मेरे मालिक हैं, यही मेरे पूजनीय हैं, यही मेरा रिमोट कंट्रोल हैं और कोई मेरा रिमोट कंट्रोल नहीं है। 140 करोड़ देशवासी मेरा रिमोट कंट्रोल हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज भारत दुनिया में सबसे तेजी से विकास करने वाले देशों में से एक है और असम भी सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में से एक है। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि सरकार और असम वासियों के साझा प्रयास से आज असम देश-दुनिया में धूम मचा रहा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार असम की संस्कृति की रक्षा और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। साथियों भाजपा सरकार असम को भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा, भारत रत्न सुधाकंठा भूपेन हजारिका जी का जन्मदिन हम पहले ही मना चुके हैं। कल मुझे उनके सम्मान में आयोजित एक बहुत बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री जी ने मुझे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का एक वीडियो दिखाया, और इसे देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जिस दिन भारत सरकार ने इस देश के महान सपूत, असम के गौरव, भूपेन हजारिका जी को भारत रत्न दिया था। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहे हैं। 1962 में चीन के साथ युद्ध के बाद पंडित नेहरू ने जो कहा था, वो उत्तर पूर्व के लोगों के घाव आज भी नहीं भरे हैं। पीएम मोदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद कल मेरी असम की पहली यात्रा थी। मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर बहुत बड़ी सफलता थी। आज मां कामाख्या की इस धरती पर आकर मुझे एक अलग ही पवित्र अनुभूति हो रही है और ये भी सोने पे सुहागा है कि आज इस क्षेत्र में जन्माष्टमी मनाई जा रही है। लाल किले से मैंने कहा था, मुझे चक्रधारी मोहन याद आए। मुझे श्री कृष्ण याद आए, और मैंने भविष्य की सुरक्षा नीति में एक सुदर्शन चक्र का विचार लोगों के सामने रखा है।

पाकिस्तान फिर...

अब खबर आ रही है कि पाकिस्तान इस तबाह जगह को फिर से चमकाने में लगा है। खुफिया रिपोर्ट बताती है कि 18 अगस्त को बड़ी-बड़ी मशीनें मुरीदके पहुंची थी। इनमें चीन की बनी मशीनें शामिल हैं। 4 सितंबर को पीली इमारत उम्म उल कुरा को उन मशीनों की मदद से तोड़ दिया गया। तीन दिन बाद, 7 सितंबर को लाल इमारत को भी ढहा दिया गया। यह सब लश्कर मुख्यालय के पुनरनिर्माण (रेनोवेशन) का हिस्सा है, जहां पुरानी संरचनाओं को हटाकर नई इमारतें खड़ी की जा रही हैं। यह काम तेजी से चल रहा है, ताकि जल्द ही सब कुछ पहले जैसा हो जाए।

पाकिस्तान का इरादा पांच फरवरी को मनाए जाने वाले कश्मीर सॉलिडैरिटी डे के पहले लश्कर के मार्काज तैयबा को बना कर तैयार कर देना है। इसी तारीख को लश्कर का नया मुख्यालय प्रारंभ करने की तैयारी है। इसके पुनरनिर्माण का मतलब है कि वहां फिर से आतंकियों को ट्रेनिंग, ब्रेनवॉशिंग और भारत पर हमले की साजिशें शुरू हो जाएंगी। मार्काज तैयबा के डायरेक्टर का दायित्व मौलाना अबू जर संभाल रहा है। उस्ताद उल मुजाहिदीन भी इसमें मदद कर रहे हैं, जबकि कमांडर यूनुस बुखारी को ऑपरेशनल इंस्पेक्शन का काम सौंपा गया है। यह सब सरकारी समर्थन से हो रहा है, जो पाकिस्तान की दोगली नीति की सनद है।

सबसे हैरान करने वाली बात फंडिंग की है। अगस्त में पाकिस्तानी सरकार ने लश्कर को करोड़ों रुपए दिए। यह पैसा रिनोवेशन के लिए है, जबकि देश बाढ़ से जूझ रहा है। पहले भी लश्कर ने आपदा राहत के फंड से कोटली में मार्काज अब्बास बनवाया था। पाकिस्तान अवाम की राहत का पैसा आतंकी गतिविधियों में लगाया जा रहा है। लेकिन प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार इसका समर्थन कर रही है।

कोर्ट नहीं तय कर...

पंजीकरण नियम 1960 के तहत रिवीजन का पूरा अधिकार आयोग के पास है। अदालत अगर समय तय करेगी, तो ये हमारी स्वायत्तता में दखलंदाजी होगी।

चुनाव आयोग ने हलफनामे में कहा, एसआईआर कब कराना है, यह अदालत तय नहीं कर सकती। आयोग का तर्क है कि कोई कानूनी प्रावधान नहीं है जो फिक्स्ड टाइमफ्रेम पर रिवीजन की बाध्यता बनाए। आयोग हालात के हिसाब से समरी रिवीजन, इंटेंसिव रिवीजन या स्पेशल रिवीजन कर सकता है। वैसे, आयोग ने कोर्ट को बताया कि एक जनवरी 2026 को क्वालीफाइंग डेट के साथ एसआईआर पहले से शेड्यूल्ड है। सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को तैयारी के निर्देश दे दिए गए हैं। 10 सितंबर 2025 को दिल्ली में सभी मुख्य चुनाव अधिकारियों का सम्मेलन भी हुआ, जहां योजना की समीक्षा की गई। आयोग ने कहा कि वोटर लिस्ट की शुद्धता हमारी जिम्मेदारी है, लेकिन तरीका और समय हम ही चुनेंगे। आयोग ने यह कहते हुए जनहित याचिका खारिज करने की सुप्रीम कोर्ट से गुजारिश भी की।

यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं रह गया, बल्कि राजनीतिक रंग भी ले चुका है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चल रही स्पेशल रिवीजन पर विपक्षी इंडी गठबंधन ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि ये प्रक्रिया वोटर लिस्ट को पक्षपाती बनाने की कोशिश है। आयोग ने जवाब दिया कि राजनीतिक दल विरोध प्रदर्शन करने के बजाय असली वोटरों की पहचान में मदद करें। 8 सितंबर 2025 को जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने एक अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड को वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए 12वें वैध दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। चुनाव आयोग को ये पसंद नहीं था, लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है, पर पहचान और निवास का सबूत जरूर है। इससे लाखों लोगों को आसानी मिलेगी। आयोग ने अपनी चिंताएं जताईं, लेकिन कोर्ट ने इसे मंजूर कर लिया।

प्रदर्शन के ...

उन्होंने कहा कि इसके पीछे कोई गहरी साजिश हो सकती है। अंतरिम पीएम ने इस हिंसा के पीछे की साजिश को उजागर करने के लिए उच्चस्तरीय जांच के भी आदेश दिए हैं। सुशीला कार्की ने कहा, इस हिंसा में अगर नेपाली लोग शामिल हैं तो हमें शर्म आनी चाहिए। यह किसी बड़ी साजिश का नतीजा हो सकता है। तोड़फोड़ की घटना में शामिल लोगों की जांच की जाएगी। मैं और मेरी टीम यहां सत्ता का स्वाद चखने नहीं आए हैं। हम छह महीने से ज्यादा नहीं रुकेंगे। हम नई संसद को जिम्मेदारी सौंप देंगे। आपके सहयोग के बिना हम सफल नहीं हो पाएंगे।नेपाल की सरकार ने पुष्टि की हिंसक प्रदर्शन के दौरान 72 लोगों की मौत हुई है। मुख्य सचिव एक नारायण आर्यल ने देश की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान यह आंकड़ा पेश किया। आर्यल ने यह भी कहा कि प्रदर्शन में घायल 191 लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हिंसा में देश को 3 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। नेपाली अर्थशास्त्री चंद्रमणि अधिकारी ने बताया कि यह आंकड़ा देश के 1.5 साल के बजट के बराबर है। उन्होंने कहा, मोटे अनुमान के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर एक प्रतिशत से कम रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह नुकसान नेपाल में हाल ही में पड़े सूखे से भी कहीं ज्यादा है। इसके अलावा मार्च 2026 में होने वाले चुनाव समय से दो साल पहले होने जा रहे हैं, इसमें भी 3000 करोड़ खर्च होने की उम्मीद है।

विधायक हो...

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि इस मामले में विधायक खान और अन्य आरोपियों के खिलाफ सबूत एक जैसे हैं। अलग-अलग ट्रायल चलाने से गवाहों को बार-बार बुलाना पड़ेगा, जिससे बेवजह देरी होगी और विरोधाभासी फैसले आने का खतरा भी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भले ही विधायकों से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा होना चाहिए, लेकिन यह निष्पक्ष सुनवाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी आरोपित को केवल राजनीतिक पद के कारण अलग ट्रायल की अनुमति देना सही नहीं है। इस फैसले के बाद, विधायक मामन खान का मामला दोबारा ट्रायल कोर्ट को भेज दिया गया है, जहां विधायक का ट्रायल अब बाकी आरोपियों के साथ ही होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी फैसले में कुछ जॉइंट ट्रायल के प्रिंसिपल भी तय किए है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि आमतौर पर हर आरोपित का ट्रायल अलग-अलग होता है, लेकिन अगर अपराध एक ही घटना का हिस्सा हों, तो जॉइंट ट्रायल हो सकता है। यह फैसला जज की बुद्धिमानी पर निर्भर करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जॉइंट या अलग ट्रायल का फैसला शुरुआत में ही किया जाना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि फैसला लेते समय यह देखना जरूरी है कि क्या जॉइंट ट्रायल से किसी आरोपित को कोई नुकसान हो सकता है या इससे सुनवाई में देरी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि एक ट्रायल में जिन सबूतों का इस्तेमाल किया गया है, वहीं सबूत दूसरे ट्रायल में इस्तेमाल नहीं हो सकते हैं। इसलिए, अलग-अलग ट्रायल से कानूनी प्रक्रिया में दिक्कतें आ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोई भी फैसला सिर्फ इसलिए रद्द नहीं किया जाएगा कि जॉइंट या अलग ट्रायल संभव था। कोर्ट तभी दखल देगा जब आरोपी का असलियत में कोई नुकसान हुआ हो।

मांझी की हठ...

जीतन राम मांझी का यह कहना अंदरूनी खटास की स्थिति बताता है। हालांकि मांझी यह कह रहे हैं कि वे एनडीए के प्रति समर्पित हैं, लेकिन वे अपनी मांग पर भी अड़े हैं। मांझी ने कहा, हमने लोकसभा चुनाव में भी हर बात स्वीकार की थी। एनडीए गठबंधन में हमें प्रतिष्ठा मिली है, लेकिन हमारे लिए मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की भी कुछ उम्मीदें हैं। यह उम्मीदें पूरी करने का बिहार विधानसभा चुनाव एक मौका है और हम एनडीए को जिताने के लिए हर तरह से ताकत झोंकने को तैयार भी हैं। लेकिन, इस बार चुनाव में एनडीए के अंदर हमें बिहार की 20 सीटें चाहिए। हमने यह मांग रखी है। बात कर रहे हैं। लेकिन, अगर बात नहीं बनी तो 100 सीटों पर भी प्रत्याशी उतार सकते हैं।पिछले बिहार चुनाव 2020 में हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा ने 7 सीटों पर प्रत्याशी उतारे थे। उनमें से चार पर जीत मिली थी, जबकि एक सीट पर इसके प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई थी। 2020 के चुनाव में जीतन राम मांझी भी विधायक बने थे और उनके बेटे भी। जब 2020 के जनादेश से अलग होकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार महागठबंधन में चले गए थे तो मांझी उनके साथ रहे थे। बाद में नीतीश-मांझी के बीच गतिरोध बढ़ा और वह मुख्यमंत्री के पहले भारतीय जनता पार्टी के साथ वापस आ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें एनडीए ने संसदीय चुनाव में उतरने का मौका दिया और वह जीते तो सांसद के साथ केंद्रीय मंत्री भी बने। उनकी छोड़ी हुई विधानसभा सीट उप चुनाव में भी उनकी पार्टी के पास ही रह गई।

उधर, राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर इंडी गठबंधन की एकता का संतुलन बिगाड़ दिया है। इस घोषणा का मतलब ही है कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की हठधर्मिता इंडी एकता में बाधा बन रही है। शनिवार को मुजफ्फरपुर में आयोजित एक जनसभा में राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बड़ा ऐलान करते हुए सियासी सरगर्मियां बढ़ा दी हैं। तेजस्वी ने खुले मंच से कहा, राजद बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा। चाहे बोचहां हो या मुजफ्फरपुर, तेजस्वी लड़ेंगे। मेरी आप सभी से अपील है कि मेरे नाम पर वोट करें। तेजस्वी बिहार को आगे ले जाने की दिशा में काम करेंगे। हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए।

तेजस्वी यादव, जो विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में वोटर अधिकार यात्रा का हिस्सा थे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा द्वारा लोगों के वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। यादव की यह अपील ऐसे समय में आई है जब महागठबंधन में पहले से ही जटिल सीट बंटवारे की बातचीत हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा और पशुपति पारस के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी के शामिल होने से और भी पेचीदा हो गई है।राष्ट्रीय जनता दल ने 2020 के बिहार चुनाव में गठबंधन के हिस्से के रूप में 144 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा था और 75 में जीत हासिल की थी, जिससे वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। कांग्रेस, जिसे 70 सीटें आवंटित की गई थीं, उसने 19 सीटें जीतीं, लेकिन पार्टी इस बार खुद को अधिक मजबूत स्थिति में देख रही है, क्योंकि उसका मानना है कि मतदाता अधिकार यात्रा और उसके वोट चोरी संदेश ने बिहार के लोगों को प्रभावित किया है और राहुल गांधी तथा पार्टी दोनों की लोकप्रियता में वृद्धि हुई है।

कांग्रेस के राज्य प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने इस सप्ताह की शुरुआत में संकेत दिया था कि राजद को कुछ सीटें छोड़ देनी चाहिए और अधिक सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा था कि हमारा हमेशा से मानना रहा है कि यदि गठबंधन में नई पार्टियां आती हैं, तो हर पार्टी को अपनी ओर से योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि हर राज्य में (जीतने की संभावना के लिहाज से) अच्छी और बुरी सीटें होती हैं और हमारा मानना है कि एक पार्टी को सभी अच्छी सीटें और दूसरी को बुरी सीटें नहीं मिलनी चाहिए। सीटों के बंटवारे में अच्छी और बुरी सीटों के बीच संतुलन होना चाहिए।कांग्रेस कम से कम 70 निर्वाचन क्षेत्र चाहती है। जितनी सीटों पर उसने पिछली बार चुनाव लड़ा था, जबकि राजद चाहती है कि अन्य सहयोगियों को समायोजित करने के लिए यह संख्या कम रखी जाए। ऐसा समझा जाता है कि विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश साहनी ने अधिक हिस्सेदारी की मांग की है और वामपंथी दलों (सीपीआई, सीपीआई-एम और सीपीआई-एमएल), जिनके पास 15 विधायक हैं। उन्होंने भी इसी तरह का दबाव बनाया है।भाजपा ने तेजस्वी यादव की इस टिप्पणी पर कहा कि जिन्होंने पहले राहुल गांधी की उपस्थिति में खुद को गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया था। भाजपा ने तेजस्वी की इस टिप्पणी को राजद के सहयोगियों पर दबाव बनाने के प्रयास के रूप में देखा और कहा कि लोग केवल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर वोट देंगे। भाजपा प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि तेजस्वी यादव जी, सपने देखना बंद कीजिए। आप में अकेले सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने की ताकत नहीं है। आप ऐसे बयानों से कांग्रेस और अपने सहयोगियों पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन बिहार की जनता को आप पर भरोसा नहीं है। आप उन्हें चारा घोटाला और ज़मीन के बदले नौकरी घोटाले की याद दिला रहे हैं। जनता एनडीए को और नीतीश कुमार व प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर वोट देगी।

ग्रहों के राजकुमार बुध आज करेंगे कन्या राशि में प्रवेश

ज्योतिष शास्त्र में बुध ग्रह को एक शुभ ग्रह माना जाता है। बुध ग्रह मिथुन एवं कन्या राशि के स्वामी हैं। बुध ग्रह सूर्य और शुक्र के साथ मित्र भाव से तथा चंद्रमा से शत्रुतापूर्ण और अन्य ग्रहों के प्रति तटस्थ रहता है। वैदिक ज्योतिष में बुध देव को वाणी, बुद्धि और व्यापार का दाता कहा जाता है। मान्यता है जिन लोगों की कुंडली में बुध देव की स्थिति सकारात्मक होती है। बुध ग्रह कि शुभ स्थिति जातक को व्यवहारिक, वाक्पटु बनती है जो उनके जीवन में अच्छे परिणाम लेकर आते हैं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि बुध ग्रह 15 सितंबर को कन्या राशि में गोचर करेंगे। अब ये ग्रह अपनी उच्च राशि में रहेगा। इस कारण शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ मंहगाई पर भी रोक लगेगी। अपनी ही राशि में होने से इस ग्रह के शुभ प्रभाव से एजुकेशन से जुड़ी परेशानियां खत्म होने लगेंगी। वहीं, वकालात और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय शुरू हो जाएगा।

ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रहों में युवराज कहे जाने वाले बुध 15 सितंबर की सुबह 11:07 मिनट पर सिंह राशि की यात्रा समाप्त करके अपनी स्वयं की कन्या राशि में गोचर करेंगे। जहां ये 2 अक्टूबर तक गोचर करेंगे उसके बाद तुला राशि में चले जाएंगे। इनके राशि परिवर्तन का युवाओं, बैंकिंग सेक्टर्स तथा थोक व्यापार पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। बुध ग्रह मिथुन और कन्या राशि का स्वामी है। बुध सूर्य का निकटतम ग्रह है। बुध ग्रह को बुद्धि का प्रदाता कहा गया है। बुध ग्रह के लक्षण की बात करें तो यह व्यक्ति में बुद्धि, विवेक, हाज़िर जवाबी और हास्य-विनोद का प्रतिनिधित्व करता है। यह एक शुभ ग्रह है लेकिन कुछ स्थितियों में बुध अशुभ ग्रह में बदल सकता है। बुध कम्युनिकेशन का ग्रह है। बुध ग्रह के अधिदेवता भगवान विष्णु हैं। बुध व्यापार के देवता तथा व्यापारियों के रक्षक हैं। बुध चन्द्र और तारा के पुत्र है। बुध सौरमंडल के ग्रहों में सबसे छोटा और सूर्य से निकटतम है। बुध के हाथों में तलवार, ढाल, गदा तथा वरमुद्रा धारण की हुई है।

असर

बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। बड़े देशों के बीच इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बढ़ेगा। बड़े एग्रीमेंट या बिजनेस समझौते होने के योग बन रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेन-देन बढ़ेगा। कुछ देशों की करंसी मजबूत होगी। कुछ बड़े देश नई व्यापारिक रणनीति पर काम शुरू कर सकते हैं। बुध के प्रभाव से शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ खाद्यान्न वस्तुओं के भाव में स्थिरता एवं मूल्य वृद्धि रुकेगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय शिक्षा ग्रहण के लिए श्रेष्ठ रहेगा। शिक्षा से संबंधित मंत्री या कुलपति शिक्षा से संबंधित खामियों को दूर करने का अथक प्रयास करेंगे। मौसम में भी सुखद बदलाव होगा। सेहत के नजरिये से लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। दूध का उत्पादन बढ़ने के साथ सब्जियों की पैदावार ज्यादा होने से किसानों को फायदा होगा। औद्योगिक क्षेत्र में भी ज्यादा उत्पादन होने से भाव में स्थिरता आने से लोगों को फायदा होगा। प्राप्त होगा।

बुध के उपाय

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करे। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करे।

बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव।

मेष राशि– यात्रा देशाटन का लाभ मिलेगा। लिए गए निर्णय और किए गए कार्यों की सराहना होगी। विद्यार्थी वर्ग विदेश में पढ़ाई करने के लिए जाने का प्रयास कर रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह-गोचर और अनुकूल रहेगा षड्यंत्र से बचें।

वृषभ राशि–संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम संबंधी मामलों में प्रगाढ़ता आएगी। यहां तक कि प्रेम विवाह भी करना चाह रहे हों तो ग्रह गोचर अनुकूल रहेगा। इस अवधि के मध्य ट्रेडिंग के व्यापार में अत्यधिक सफल रहेंगे। सरकारी विभागों में प्रात्यक्षिक पड़े कार्यों का निपटारा होगा।

मिथुन राशि–मित्रों तथा संबंधियों से सुखद समाचार प्राप्ति के योग। इस अवधि के मध्य किसी नए अनुबंध पर हस्ताक्षर करना चाह रहे हों अथवा नया व्यापार आरंभ करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय अति अनुकूल रहेगा।

कर्क राशि – धर्म और आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य भी करेंगे। चुनाव संबंधी कोई निर्णय लेना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से भी समय अनुकूल रहेगा।

सिंह राशि –अपनी वाणी कुशलता के बलपर कठिन से कठिन हालात को भी आसानी से नियंत्रित कर लेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में षड्यंत्र का शिकार होने से बचें। अपनी योजनाओं को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे। नए मेहमान के आगमन से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कन्या राशि –शासन सत्ता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। उच्चाधिकारियों से भी संबंध मजबूत होंगे। सामाजिक पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कोई भी चुनाव लड़ने का प्रयास कर रहे हों तो बेहतर अवसर रहेगा। विद्यार्थियों एवं प्रतियोगिता में बैठने वाले छात्रों के लिए भी समय अनुकूल रहेगा।

तुला राशि– धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य भी करेंगे। तीर्थयात्रा का भी संयोग बना रहा है। इस अवधि के मध्य किसी को भी अधिक कर्ज देने से बचें। झगडे-विवाद भी दूर रहें। कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले बाहर ही सुलझाएं।

वृश्चिक राशि – केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में प्रतीक्षित पड़े कार्यों का निपटारा होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग। विद्यार्थी वर्ग विदेश में पढ़ाई करने के लिए जाने का प्रयास करना चाह रहे हों तो यह अवसर बेहतरीन रहेगा।

धनु राशि– माता-पिता के स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें। किसी भी तरह के सरकारी टेंडर के लिए आवेदन करना चाह रहे हों तो अवसर अच्छा है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों का निपटारा होगा। वाहन का क्रय कर सकते हैं।

मकर राशि– धर्म और आध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। धार्मिक ट्रस्टों तथा अनाथालय आदि में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और दान पुण्य करेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों का शुभ अवसर आएगा। विवाह संबंधी वार्ता सफल रहेगी। नवदंपति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव के भी योग।

कुंभ राशि –कार्यक्षेत्र में भी कहीं न कहीं षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। लोग आपको नीचा दिखाने का एक भी अवसर नहीं जाने देंगे। रणनीतियों तथा योजनाओं को तब तक गोपनीय रखें जब तक कि उसे पूर्ण न कर लें। तमाम विषमताओं के बावजूद सामाजिक सम्मान अथवा पुरस्कार की घोषणा हो सकती है।

मीन राशि – विवाह कार्य में आ रही बाधा दूर होगी। ससुराल पक्ष से रिश्ते मधुर बनेंगे। साझा व्यापार करने से बचें। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में किसी भी तरह के सरकारी टेंडर के लिए आवेदन करना हों तो अवसर उत्तम है। वाहन का क्रय कर सकते हैं योग अच्छा है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

भद्रराजयोग और सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग

मिथुन कन्या समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे शिव कृपा से लाभ

आज यानी 15 सितंबर दिन सोमवार होने से दिन के स्वामी ग्रह चंद्रमा और देवता भगवान शिव रहेंगे। इस पर आज चंद्रमा का गोचर दिन रात मिथुन राशि में गुरु के साथ होगा जिससे आज गजकेसरी नाम शुभ योग बनेगा। इसके साथ ही साथ आज बुध ग्रह का योग कन्या राशि में होने जा रहा है। जिससे आज भद्रराज योग का निर्माण होगा। और तो और आज के दिन आर्द्रा नक्षत्र के संयोग में सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का भी शुभ संयोग बनने जा रहा है। ऐसे में आज का दिन भगवान शिव की कृपा और भद्रराजयोग के संयोग से मिथुन, सिंह, कन्या तुला, धनु राशि के लिए अत्यंत भाग्यशाली रहेगा.

मिथुन –मिथुन राशि के लिए के लिए आज का दिन आर्थिक मामले में लकी रहेगा। आपको मेहनत से ज्यादा किस्मत का साथ मिलेगा। नौकरी में आपका दिन आज सामान्य रहेगा। आपको आज कुछ नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। अगर आप नौकर में बदलाव करने का प्रयास कर रहे हैं तो आपको कामयाबी मिल सकती है। कारोबार में आपको आज के दिन कोई बड़ी डील मिल सकती है। आपको पिता की ओर से भी आज के दिन फायदा होगा। आर्थिक मामलों में आज आपको अपनी योजना का लाभ मिलेगा। आप सुख साधनों के मिलने से प्रसन्न होंगे।।

उपाय : आपको दिन को सफल और सुखद बनाए रखने के लए शिवजी का जल अथवा दूध से अभिषेक करना चाहिए।

सिंह – सिंह राशि के लिए आज सोमवार का दिन करियर और कामकाज के लिहाज से अच्छा रहेगा। आपको नौकरी में सकारात्मक स्थिति का लाभ मिलेगा। आप सहकर्मियों और सहयोगियों से मदद पाएंगे। आर्थिक मामलों में आपका दिन सुखद होगा। आप सुख साधनों को पाने में सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको अधिकारी वर्ग से सहयोग और सपोर्ट मिलेगा। आपको सामाजिक क्षेत्र में काम करने से मान प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। आपको मित्रों से भी सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से संबंध आपके मधुर बने रहेंगे। आपको आज विदेशी क्षेत्र से भी फायदा हो सकता है।

उपाय : सिंह राशि के लोगों को आज के दिन उपाय के तौर पर भगवान सूर्य को तांबे के लोटे से जल अर्घ्य देना चाहिए।

कन्या – कन्या राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ और लाभदायक होगा। वकालत के काम से जुड़े जातकों को आज कोई बड़ा मौका मिल सकता है। नौकरी में आपको बुद्धि और चतुराई से फायदा मिलेगा। आप आज के दिन नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। आप किसी बचत योजना मे धन लगा सकते हैं। आपको आज के दिन लव लाइफ मे प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आप आज सरकारी क्षेत्र के काम में सफलता पाएंगे। छोटी अवधि के निवेश और प्रबंधन से भी आपको आज लाभ मिलेगा।

उपाय : आपको आज के दिन को शुभ बनाए रखने के लिए शिव चालीसा का पाठ करना चाहिए। चावल का दान करना भी शुभ होगा।

तुला – तुला राशि के लिए आज सोमवार का दिन आनंददायक रहेगा। आप ऊर्जा और जोश से भरपूर रहेंगे। आपको आज कुछ नया काम करने का मौका मिलेगा। कोई साहसिक फैसला आपको सफल बनाएगा। नौकरी में आपको आज के दिन सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। साथ ही आज आपको कार्यक्षेत्र मे उन्नति का भी मौका मिलेगा। बिजनेस में आज आपको साझेदारों से पूरा सहयोग मिलेगा। अगर आप वाहन या भौतिक सुख साधनों को खरीदने के लिए प्रयास कर रहे हैं तो आपको कामयाबी मिल सकती है। आपको आज वैवाहिक जीवन में सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। कोई अधूरा काम आपका पूरा होगा। सरकारी काम में आपको कामयाबी मिलेगी।

उपाय : तुला राशि के लोगों को आज के दिन उपाय के तौर पर हनुमानाष्टक का पाठ करना चाहिए।

धनु – धनु राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन धन संपत्ति में वृद्धि देने वाला है। आप किसी आर्थिक योजना मे पैसा लगाकर धन कमा सकते है। आपको आज मित्रों और सगे-संबंधियों से सहयोग मिलेगा। भाई बहनों से आपको आज के दिन अपेक्षित सहयोग प्राप्त होगा। पिता और पैतृक पक्ष से आपको आज फायदा हो सकता है। आपके लिए आज के दिन भाग्य उन्नति का अवसर लेकर आएगा। आपको आज सामाजिक कार्य में भाग्य लेने से सम्मान मिलेगा। धर्म कर्म के काम मे आपकी आज रुचि रहेगी। आपको आज बिजनेस में अच्छी कमाई होगी। लव लाइफ में आपको प्रेमी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर काली माता की पूजा करनी चाहिए और काली चालीसा का पाठ करना चाहिए।

छठी मैया को खुश करने के लिए चढ़ाएं ये पांच फल और जानें इस फल के महत्व!

छठ पूजा सूर्य देव और छठी मैया को समर्पित एक चार दिवसीय हिंदू त्योहार है, जो मुख्य रूप से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है। इस त्योहार में परिवार के सदस्य और मित्र नदियों के किनारे इकट्ठा होकर सूर्य को अर्घ्य देते हैं, उपवास रखते हैं और घर-परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना करते हैं।

यह त्योहार सूर्य की ऊर्जा और जीवन शक्ति के प्रति आभार व्यक्त करने और व्यक्तिगत मनोकामनाओं की पूर्ति की मांग करने का एक माध्यम है।

छठी मैया को खुश करने के लिए चढ़ाएं ये 5 फल

छठी मैया को प्रसन्न करने और छठ पूजा का प्रसाद चढ़ाने के लिए केला, डाभ नींबू, नारियल, गन्ना और सिंघाड़ा जैसे फल शुभ माने जाते हैं। इन फलों को पूजा की थाली में शामिल किया जाता है और माना जाता है कि इन्हें चढ़ाने से छठी मैया खुश होती हैं और सुख-समृद्धि आती है।

केला –छठी मैया को प्रसन्न करने और उनकी कृपा पाने के लिए केला चढ़ाना महत्वपूर्ण है, क्योंकि केला एक पवित्र फल माना जाता है जो भगवान विष्णु का प्रिय फल भी है, और छठ पूजा में इसे चढ़ाने से परिवार में धन-समृद्धि, बच्चों का स्वस्थ जीवन और तकलीफों से निजात मिलती है।

केला चढ़ाने का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

पवित्रता और विष्णु का वास

केला को भगवान विष्णु का प्रिय फल माना जाता है और माना जाता है कि केले में विष्णु जी का वास होता है। छठी मैया सूर्य देव से भी संबंधित हैं और विष्णु भगवान के बाद यह फल छठ मैया को भी प्रिय माना जाता है।

धैर्य और लंबी आयु

केला चढ़ाने से परिवार की लंबी उम्र और बच्चों के जीवन में आने वाली समस्याओं से बचाव होता है, खासकर सर्दी के मौसम में होने वाली बीमारियों से भी सुरक्षा मिलती है।

डाभ नींबू –छठ पूजा में डाभ नींबू चढ़ाने का महत्व धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों है। धार्मिक रूप से, इसे शुद्धता और पवित्रता का प्रतीक माना जाता है, जो घर में सुख-समृद्धि लाता है।

वैज्ञानिक रूप से, यह विटामिन सी से भरपूर होता है, जिससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और इसमें मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है। इसके बड़े आकार और मोटे छिलके के कारण यह शुद्ध रहता है, जिससे देवी छठी मैया को यह प्रिय है।

डाभ नींबू चढ़ाने के धार्मिक महत्व

घर में सुख-समृद्धि

इसे चढ़ाने से घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है, ऐसा माना जाता है।

पवित्रता का उदाहरण

इसका मोटा छिलका इसे पशु-पक्षियों के जरिए जूठा होने से बचाता है, इसलिए यह एक पवित्र फल है।

गन्ना –छठी मैया को खुश करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए गन्ने का चढ़ावा बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह छठी मैया को प्रिय फल माना जाता है। गन्ने का दान करने से घर में आनंद, समृद्धि और मिठास बनी रहती है, साथ ही गन्ने की पवित्रता और नई फसल से जुड़ाव होने की वजह इसे खास प्रसाद के रूप में भी चढ़ाया जाता है।

गन्ना चढ़ाने का महत्व

छठी मैया को प्रिय

मान्यता है कि गन्ना छठी मैया का बहुत प्रिय है, इसलिए इसे चढ़ाने से वह प्रसन्न होती हैं।

पवित्रता का प्रतीक

गन्ने को कोई भी पशु-पक्षी जूठा नहीं कर सकता, इसलिए इसे पवित्र और शुद्ध माना जाता है।

नारियल – छठी मैया को खुश करने के लिए नारियल चढ़ाना महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे परम पवित्र और शुद्ध फल माना जाता है, जो मां लक्ष्मी का स्वरूप है, और यह मनोकामना पूर्ण करने का प्रतीक है। इसका कठोर छिलका किसी भी जीव के जरिए इसे जूठा करने से बचाता है और इसकी ऊंचाई पर लगे होने की वजह भी इसे पवित्र माना जाता है।

नारियल चढ़ाने के महत्व

पवित्रता का प्रतीक

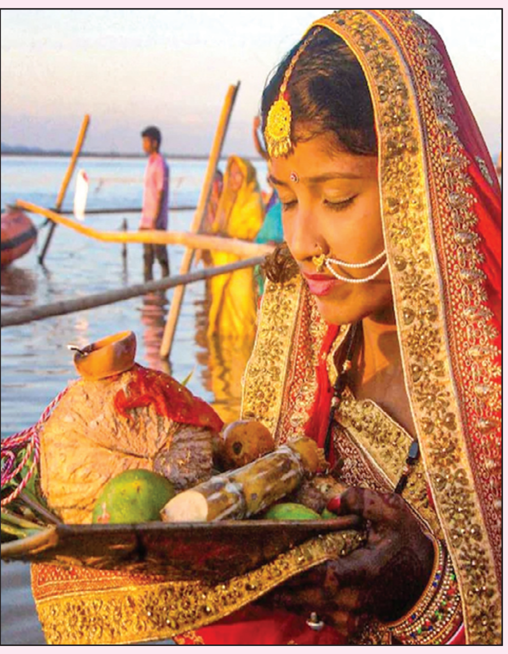

नारियल का खोल सख्त होने की वजह से पक्षी या अन्य जीव इसे आसानी से जूठा नहीं कर पाते, जो इसे और भी पवित्र बनाता है।

मां लक्ष्मी का स्वरूप

नारियल को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है, और यह उन्हें प्रिय है।

सिंघाड़ा– छठ मैया को सिंघाड़ा चढ़ाना शुद्धता, धन-धान्य की प्राप्ति और देवी को खुशी करने के लिए किया जाता है, क्योंकि यह एक पवित्र, पानी में उगने वाला फल है जिसका आवरण सख्त होता है, जिससे पशु-पक्षी इसे जूठा नहीं कर पाते। सिंघाड़ा देवी लक्ष्मी को भी प्रिय है, इसलिए इसे चढ़ाने से घर में समृद्धि आती है।

सिंघाड़ा चढ़ाने के महत्व

शुद्धता: सिंघाड़ा पानी में उगने वाला फल है और इसका आवरण मोटा व सख्त होता है, जिससे कोई भी जीव इसे झूठा नहीं कर पाता। इस शुद्धता और पवित्रता के कारण इसे छठी मैया को अर्पित किया जाता है।

धन-धान्य की प्राप्ति

सिंघाड़ा देवी लक्ष्मी का प्रिय फल भी माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसे चढ़ाने से घर में धन और अन्न का भंडार बना रहता है।

अनन्या पांडे ने मालदीव की सैर का लिया मजा, शेयर की खूबसूरत यादें

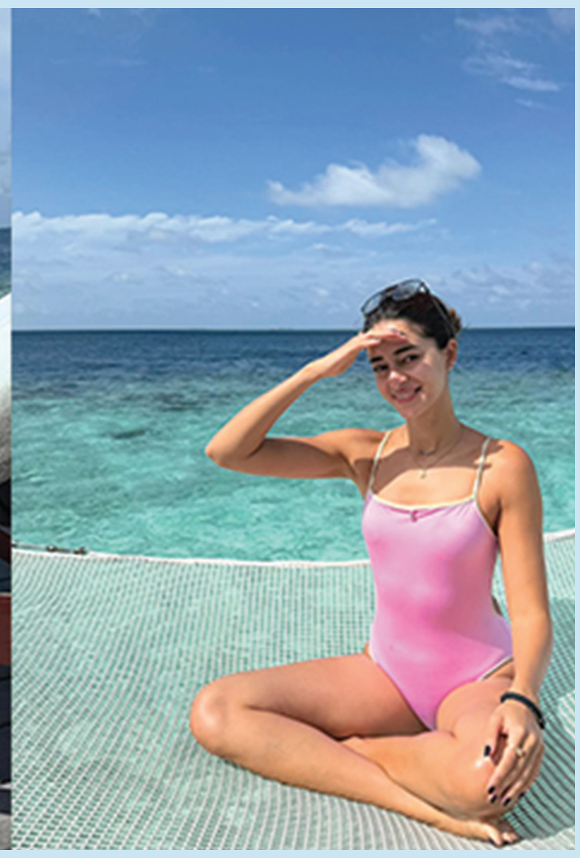

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने इस शानदार सफर की झलकियां सोशल मीडिया पर साझा कीं।अनन्या ने इंस्टाग्राम पर मालदीव के मनमोहक नजारों, समुद्री जीवों और अपनी मस्ती भरी गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, जिन्हें देखकर उनके फैंस भी उत्साहित हो रहे हैं।

अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मैं पूरी तरह हैरान हूं! समुद्री कछुओं के साथ तैरना, डॉल्फिन को नजदीक से देखना, खूबसूरत सूर्यास्त का नजारा लेना, पायजामा पहनकर ईगल रे मछलियों को पानी में तैरते देखना, पेड़ों के ऊपर बने रेस्टोरेंट में लजीज खाने का स्वाद लेना, मसाज का आनंद उठाना और पिलाटेस करना, ये सब किसी सपने से कम नहीं लग रहा। कोई मुझे चुटकी काटकर बताए कि ये सच है!

तस्वीरों में अनन्या मालदीव के नीले समुद्र, सफेद रेत और हरे-भरे नजारों के बीच मजे करती नजर आ रही हैं। पहली तस्वीर में वह बीच पर पोज देती नजर आ रही हैं। इसके साथ ही एक और बीच की तस्वीर है। एक तस्वीर में वह समुद्री कछुओं के साथ तैरती दिख रही हैं, तो दूसरी तस्वीर में सूर्यास्त की सुनहरी किरणों के बीच उनकी मुस्कान देखते ही बनती है।फिर एक वीडियो में अनन्या डीप-सी डाइविंग (समुंदर में गोता लगाते) करते हुए दिख रही हैं। इसी के साथ ही अभिनेत्री ने उस खूबसूरत रिसॉर्ट की झलक भी शेयर की जहां वो मालदीव में ठहरी थीं।

उनकी इस छुट्टी में सब कुछ शामिल था - जंगल की सैर, डीप सी डाइविंग, शानदार खाना, रिलैक्सिंग मसाज, कैंडललाइट डिनर और पूल में ब्रेकफास्ट।उनके इस पोस्ट पर फैंस ने कमेंट्स की बौछार कर दी, जिसमें कई ने उनकी इस मस्ती भरी छुट्टियों की तारीफ की।वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। साथ ही, वह कार्तिक के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

महिमा चौधरी - 'परदेस' से किया डेब्यू और बदलना पड़ा नाम, फिर हुआ मलाल

महिमा चौधरी एक जानी-मानी भारतीय फिल्म अभिनेत्री और मॉडल हैं। उन्होंने 1997 में सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जिसमें उनके अभिनय और मासूमियत ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट डेब्यू अवार्ड भी मिला। महिमा का जन्म 13 सितंबर 1973 को दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल में हुआ था। फिल्मों में आने से पहले वे मॉडलिंग और विज्ञापनों में काम कर चुकी थीं। अपने करियर में उन्होंने 'दिल क्या करे', 'दाग: द फायर', 'कुरुक्षेत्र', 'लज्जा', और 'धड़कन' जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं।

अपनी सादगी और शानदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली महिमा चौधरी बॉलीवुड की उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने 90 और 2000 के शुरुआती दौर में इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई।

पहली फिल्म से डेब्यू करने के लिए महिमा चौधरी को अपना नाम बदलना पड़ा था। महिमा का असली नाम रितु चौधरी है। रितु चौधरी से उनको महिमा चौधरी क्यों बनाना पड़ा, यह एक दिलचस्प किस्सा है। हालांकि, पहले तो उन्हें नाम बदलने में कोई परहेज नहीं हुआ, लेकिन बाद में अभिनेत्री को इसका मलाल भी हुआ। इसे उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में जाहिर किया।

दरअसल, फिल्म 'परदेस' के लिए सुभाष घई को नया चेहरा चाहिए था। सैकड़ों लड़कियों के ऑडिशन करने के बाद कोई पसंद नहीं आया। तब एक पार्टी में उनकी नजर रितु चौधरी पर पड़ी। पहली बार में उन्होंने फिल्म का ऑफर रितु को दे दिया।

जब उन्हें सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' में मुख्य भूमिका के लिए चुना गया, तब सुभाष घई ने उनसे अपना नाम बदलने के लिए कहा। सुभाष घई का एक गहरा अंधविश्वास था कि जिन अभिनेत्रियों के नाम 'एम' अक्षर से शुरू होते हैं, उनके साथ निर्देशक की फिल्में हिट होती हैं। उनसे पहले वो माधुरी दीक्षित और मीनाक्षी शेषाद्रि जैसी अभिनेत्रियों के साथ कई ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके थे।

इस अंधविश्वास को मानते हुए, उन्होंने रितु को अपना नाम बदलकर 'महिमा' रखने का सुझाव दिया। अपनी पहली फिल्म में सफलता की उम्मीद में रितु ने इस बात को मान लिया। उनका यह फैसला उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। फिल्म 'परदेस' एक बड़ी हिट रही और महिमा रातों रात एक सुपरस्टार बन गईं।

हालांकि, बाद में एक इंटरव्यू में महिमा चौधरी ने इस नाम परिवर्तन के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अपने करियर के लिए अपना नाम बदलना उनके लिए एक मुश्किल फैसला था। वह कहती हैं कि कई सालों तक उन्हें 'महिमा' के नाम से जाना गया, लेकिन बाद में उन्होंने महसूस किया कि उन्हें अपने असली नाम 'रितु' से ज्यादा जुड़ाव है।

ईशा गुप्ता ने गोल्डन साड़ी में बिखेरी अपनी शाही सुंदरता

जब पारंपरिक विरासत और आधुनिक परिष्कार का मेल करना हो, तो ईशा गुप्ता एक बार फिर साबित कर देती हैं कि वे किसी अलग ही लेवल पर हैं। रेशमी चमक से दमकती गोल्डन साड़ी में लिपटी, अभिनेत्री एक शाही आकर्षण बिखेरती दिखाई देती हैं, जो न केवल प्रभावशाली है बल्कि बेहद सुरुचिपूर्ण भी है। साड़ी की रेशमी चमक उनकी प्राकृतिक आभा को और निखार देती है, जबकि इसकी सहज लहराती गिरावट उनके शरीर की रेखाओं को बेहद नाज़ुक ढंग से उभारती है। ईशा ने लुक को न्यूनतम लेकिन आकर्षक रखा है, जिससे कपड़े की शानदार बनावट खुद ही केंद्र में आ जाती है। एक हल्के स्ट्रक्चर्ड ब्लाउज़ ने पूरे लुक में आधुनिकता का स्पर्श जोड़ा है, जिससे परंपरा और समकालीनता का संतुलन सहजता से बन गया है। उनकी स्टाइलिंग न तो ज़्यादा दिखावटी है और न ही साधारण-यह शान और सादगी का परिपूर्ण मिश्रण है। sleek जूड़ा उनके नुकीले चेहरे की खूबसूरती को उभारता है, वहीं छोटी सी लाल बिंदी क्लासिक भारतीय आकर्षण का स्पर्श देती है।

गोल्डन साड़ी के साथ मेल खाते हुए वे अपनी सजावट में एमराल्ड जड़े हुए ईयररिंग्स और मोती की चोकर नेकलेस पहनती हैं, जिसमें बीच में एमराल्ड का सुंदर पत्थर लगाया गया है-ये आभूषण लुक में गहराई और परिष्कार जोड़ते हैं, बिना इसे बोझिल बनाए। अंतिम छुअन के तौर पर एक पतला ब्रैसलेट उनके संपूर्ण लुक की नफ़ासत को और बढ़ा देता है।

ईशा का मेकअप भी इसी सोच को दर्शाता है-म्यूटेड टोन, हल्का कंटूर और न्यूड-ब्राउन लिप शेड उनकी प्राकृतिक सुंदरता को उभारते हैं। शांत चेहरे का भाव और आत्मविश्वास से भरी मुद्रा उन्हें पुराने ज़माने की किसी प्रेरक नायिका जैसा एहसास कराते हैं, जिसे आधुनिक समय के अनुरूप दोबारा गढ़ा गया हो। यह लुक हमें याद दिलाता है कि ग्लैमर को शोर मचाने की ज़रूरत नहीं होती-वह रेशमी नर्मी से भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकता है।

गोल्डन साड़ी में ईशा गुप्ता सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं हैं; यह भारतीय सौंदर्य और वैश्विक परिष्कार का एक कालातीत चित्र है। वर्क फ्रंट की बात करें तो ईशा गुप्ता ने हाल ही में 'धमाल 4' की शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में वे अजय देवगन के साथ नज़र आएंगी और ईद 2026 पर रिलीज़ होने की घोषणा की गई है।

अभिषेक बच्चन ने 6 बार साबित किया कि वह 2025 के सबसे सफल अभिनेता हैं

अभिषेक बच्चन ने 'पुनर्निमाण' को अपनी पहचान बना लिया है, और 2025 उनके लिए एक शानदार साल साबित हुआ है। इस साल उन्होंने यह दिखा दिया कि लगन, प्रतिभा और थोड़े से स्वैग के साथ कोई भी कहानी बदली जा सकती है। चाहे बात स्ट्रीमिंग की हो या थिएटर्स की, अवॉर्ड्स की हो या फैशन की - अभिषेक ने हर मोर्चे पर बाज़ी मारी है, जानिए कैसे।

ओटीटी प्लेटफॉर्म अब अभिषेक के लिए एक नया खेल का मैदान बन गया है। 'दसवी' से लेकर ग्लोबल हिट 'बी हैप्पी' तक, उनकी परफॉर्मेंस न केवल चार्ट में टॉप कर रही हैं, बल्कि दुनियाभर में ट्रेंड भी कर रही हैं - यह साबित करते हुए कि डिजिटल स्पेस में उनकी पकड़ बेजोड़ है। वह सिर्फ़ ओटीटी के चहेते नहीं हैं; हाउसफुल 5 के साथ, अभिषेक ने दर्शकों को अपनी ओर खींचकर और लगातार शानदार अभिनय करके सभी को अपनी कमर्शियल ताकत का एहसास दिलाया।

आई वांट टू टॉक से लेकर 'घूमर' तक, अभिषेक ने आलोचकों को उनके संजीदा अभिनय की सराहना करने पर मजबूर कर दिया है। मेलबर्न फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में उनका 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' पुरस्कार सिर्फ एक और अवॉर्ड नहीं था - यह उनके निरंतर शानदार प्रदर्शन और समर्पण का प्रमाण था। कॉमेडी हो, थ्रिलर हो या ड्रामा, अभिषेक हर शैली में सहजता से ढल जाते हैं। इतनी विविधता के साथ हर किरदार को निभाने की उनकी क्षमता यह दिखाती है कि वह बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद कलाकारों में से एक हैं।

स्क्रीन के बाहर भी उनका फैशन स्टाइल सहज, लेकिन बेहद प्रभावशाली है। मैगज़ीन शूट्स से लेकर रेड कारपेट तक, अभिषेक की शांत आत्मविश्वास से भरी उपस्थिति उन्हें खास बनाती है। स्ट्रीमिंग के दबदबे से लेकर बॉक्स ऑफिस की सफलता तक, आलोचकों की सराहना से लेकर स्टाइलिश अपीयरेंस तक - 2025 को अभिषेक बच्चन ने पूरी तरह अपना बना लिया है। हर किरदार, हर इवेंट में वह यह साबित कर रहे हैं कि निरंतरता और प्रामाणिकता ही असली सफलता की कुंजी हैं। और सबसे उत्साहजनक बात यह है कि उनकी यह गति आगे आने वाले समय के लिए और भी बड़े मुकाम तय कर रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज आपको दूसरों की ज़रूरतों पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। हालाँकि बच्चों को ज़्यादा छूट देना आपके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे।परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। आज के दिन क़िस्मत आपका साथ देगी और आपको लाभ होगा, क्योंकि आप सही समय पर सही जगह उपस्थित होंगे। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने फ़ैसले बच्चों पर थोपना उन्हें नाराज़ कर सकता है। बेहतर होगा कि आप उन्हें अपना पक्ष समझाएँ, ताकि वे उसके पीछे की वजह को समझकर आपकी बात को आसानी से स्वीकार कर सकें। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर मुमकिन हो तो लम्बे सफ़र पर जाने से बचें, क्योंकि लम्बी यात्राओं के लिए समय अनुकूल नहीं हैं आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. कोई ऐसा रिश्तेदार जो बहुत दूर रहता है, आज आपसे संपर्क कर सकता है। अचानक हुई रोमांटिक मुलाक़ात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा। आपके घर का कोई सदस्य आज आपके साथ वक्त बिताने की जिद्द कर सकता है जिसके कारण आपका कुछ समय खराब हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है लेकिन इस मेहमान की किस्मत की वजह से आज आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। ख़र्चों पर क़ाबू रखने की कोशिश करें और सिर्फ़ ज़रूरी चीज़ें ही ख़रीदें। लोगों और उनके इरादों के बारे में जल्दबाज़ी में फ़ैसला न लें। हो सकता है कि वे दबाव में हों और उन्हें आपकी सहानुभूति व विश्वास की ज़रूरत हो। लंबित व्यावसायिक योजनाएँ शुरू होंगी। आज आप सारे रिश्तों और रिश्तेदारों से दूर होकर अपना दिन किसी ऐसी जगह पर बिताना पसंद करेंगे जहां जाकर आपको शांति प्राप्त होती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन बहुत लाभदायक नहीं है इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और जरूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। लगता है कि आपके वरिष्ठ आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। आज घर के लोगों के साथ बातचीत करते दौरान आपके मुंह से कोई ऐसी बात निकल सकती है जिससे घर के लोग नाराज हो सकते हैं। इसके बाद घर के लोगों को मनाने में आपका काफी समय जा सकता है। आज आप अपने जी–वनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। निर्णय लेते समय अपने अहम को बीच में न आने दें, अपने कनिष्ठ सहकर्मियों की बात पर ग़ौर फ़रमाएँ। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जरूरत से ज़्यादा खाने से बचें और सेहतमंद रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए नई चीज़ों को सीखने की आपकी ललक क़ाबिल–ए–तारीफ़ है। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं जीवनसाथी का बिगड़ता स्वास्थ्य आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 सितंबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 01:33 तक
नक्षत्र : मृगशिरा प्रातः 07:32 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 02:34 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:17 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:18 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:13 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सौभाग्यवतीनां श्राद्ध , नवमी का श्राद्ध

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नाइट ट्यूरिज्म और वाटर शो की संभावनाओं पर किया जाए काम : दिया कुमारी

उदयपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री तथा वित्त, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण, कला, संस्कृति, साहित्य, और पुरातत्व, महिला एवं बाल विकास, बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी ने रविवार को उदयपुर प्रवास के दौरान कलक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न बजट घोषणाओं, विभागीय योजनाओं आदि की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विकास कार्यों को समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं तथा जहां आवश्यक हो वहां विशेषज्ञों की भी सेवाएं ली जाएं। उन्होंने जिले में गारंटी अवधि की सड़कों को संवेदकों के माध्यम से समय पर दुरूस्त कराने तथा नहीं होने पर संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने उदयपुर में सिंगापुर और दुबई की तर्ज पर वाटर बॉडीज पर लाइट एण्ड साउण्ड शो अथवा वाटर शो की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए।

उन्होंने जनजाति एवं दुरस्त क्षेत्रों से अन्य राज्यों में माइग्रेट होने वाले आंगनवाड़ी के बच्चों को संबंधित राज्य के आंगनवाड़ी केंद्रों से जोड़कर लाभान्वित करने की संभावना पर भी कार्य करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गति लाने के साथ–साथ जनहित की योजनाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र में सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की और महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़े मुद्दों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उप मुख्यमंत्री ने उदपपुर जिला कलक्टर एवं जिला प्रशासनिक कार्यप्रणाली की सराहना की और कहा कि जिले में विकास के कार्य द्रुतगति एवं समयबद्ध रूप से संपादित किए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि निरंतर समीक्षा एवं समयबद्ध क्रियान्वयन से आमजन का विश्वास और मजबूत बनाने के लिए कार्य किया जाए।

बैठक में उपमुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यों की मोनिटरिंग के लिए अपनाए गए सेवा ऐप से जिला प्रशासन को भी जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सिर्फ विभाग के अधिकारी जुड़े हुए हैं। जिला प्रशासन के जुड़ने से धरातल स्तर पर कामों की बेहतर मोनिटरिंग हो सकेगी।उन्होंने बजट घोषणा के कामों की प्रगति जानी। साथ ही गारंटी अवधि की सड़कों के क्षतिग्रस्त होने पर उन्हें संवेदक के माध्यम से यथाशीघ्र दुरस्त कराने के भी निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सभी सड़कों की आगामी दीपावली से मरम्मत सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिला कलक्टर नमित मेहता को विभिन्न विकास कार्यों में वन विभाग की एनओसी से जुड़े इशू को विशेष संज्ञान में रखते हुए निस्तारित कराने के भी निर्देश दिए।

पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उदयपुर में नाइट ट्यूरिज्म और वाटर शो की संभावनाओं पर काम किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से उदयपुर देश–विदेश में प्रसिद्ध है। यहां की झीलें और प्राकृतिक वातावरण अनुपम है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां लाइट एण्ड वाटर शो की संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं। साथ ही उन्होंने झीलों और पर्यावरण के संरक्षण को सर्वांपरि रखते हुए कार्य करने के भी निर्देश दिए।

बजट घोषणा कार्यों पर चर्चा करते हुए उन्होंने ट्राइबल ट्यूरिज्म सर्किट में जनजाति समुदाय से जुड़े स्थलों को शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उन स्थलों तक पहुंच सुलभ हो सके और वहां आने वाले लोगों को सामान्य सुविधाएं उपलब्ध हों यह ध्यान रखते हुए कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने महाराणा प्रताप ट्यूरिस्ट सर्किट की प्रगति की भी जानकारी ली। साथ ही जल्द ही इस प्रोजेक्ट के शिलान्यास के भी संकेत दिए। उन्होंने बजट घोषणाओं में शामिल विभिन्न मंदिरों तथा जियोलॉजिकल साइट जावर व झामरकोटड़ा आदि के कामों में देवस्थान विभाग, पुरातत्व विभाग सहित अन्य विशेषज्ञों की सेवाएं लेने के लिए भी निर्देशित किया।उपमुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यों की भी समीक्षा की।

राजस्थान विधानसभा में कैमरे को लेकर जोगाराम पटेल बोले

विपक्ष के पास नहीं बचा कोई मुद्दा

जोधपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनता की समस्याएं सुनीं इस दौरान प्रेसवार्ता में कैबिनेट मंत्री ने विधानसभा में लगे कैमरों को लेकर विपक्ष के आरोपों को सिरे से नकार दिया। जोगाराम पटेल ने कहा, न तो विधानसभा में कैमरे बढ़ाए गए हैं, न ही महिलाओं पर कोई कैमरे लगाए गए हैं। जब से विधानसभा भवन बना हुआ है, तब से कैमरे यहां लगे हुए हैं। समय को देखते हुए बस कुछ नए कैमरे लगाए गए हैं जो हाई डेफिनेशन के हैं और पुराने को निकाल दिया गया है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि इस पूरे मामले को लेकर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है। इसके बाद भी विपक्ष जिस तरह के आरोप लगातार लगा रहा है, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा

कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है और इसी वजह से वे इस तरह के गलत आरोप लगा रहे हैं। अगर विपक्ष इतना ही सही है तो वह विधानसभा के फ्लोर में ऐसे मुद्दे उठाता। वे मुद्दे इतिहास में भी दर्ज होते और उन पर कार्रवाई भी होती।जोगाराम पटेल ने आगे कहा कि विपक्ष विधानसभा में जनता के मुद्दे नहीं उठा रहा है। लोगों को गुमराह करने के लिए आरोप लगा रहा है। उनके पास अब कोई मुद्दा ही नहीं बचा है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा जब–जब चली है, कांग्रेस के बड़े नेता सदन में नहीं आए। कांग्रेस लगातार आपसी फूट के चलते और अखबारों की सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह के काम कर रही है, लेकिन वह कामयाब नहीं होंगे। जनता कांग्रेस को पहचान चुकी है। जोगाराम पटेल ने कहा कि राजस्थान में अनेक मुख्यमंत्री रहे हैं, लेकिन सबसे ज्यादा भजन लाल शर्मा ही विधानसभा में सक्रिय हैं। वे एक–दो दिन छोड़कर हमेशा विधानसभा की कार्यवाही में भाग लेते हैं। मुख्यमंत्री की सक्रियता से विपक्ष परेशान हो गया है और इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष किसी पक्ष का नहीं होता। वह दोनों पक्षों की बात सुनता है। विपक्ष जिस तरह से विधानसभा अध्यक्ष पर आरोप लगा रहा है, वह गलत है। हम लोग इसकी निंदा करते हैं।

खेल को खेल की भावना तक सीमित रखें विपक्ष: गजेंद्र सिंह शेखावत

जोधपुर, 14 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत रविवार को प्रवास दौरे पर जोधपुर पहुंचे, जहां उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच का विरोध कर रहे विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि खेल को खेल की भावना तक सीमित रखना चाहिए। इस पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, भारत आर्थिक विकास और घरेलू पर्यटन में तेजी का अनुभव कर रहा है। यह भारत भ्रमण के प्रति बदलते वैश्विक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में कहावत है पॉलिसी एंड प्रोटोकॉल। इंटरनेशनल प्लेटफार्म पर खेलना व संवाद करना हम खेल से आगे बढ़कर भी कर सकते हैं। कल ओलंपिक खेल होंगे, एशियाई खेल होंगे। खेल को खेल की भावना से देखना चाहिए। गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, हमने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में एक पोर्टल लॉन्च किया है। अब तक इस पोर्टल पर दो लाख डिजिटल पांडुलिपियां उपलब्ध हैं और जल्द ही यह संख्या दस लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। हमने इन पांडुलिपियों को रखने वाले सभी संरक्षकों, जिनमें मठ, मंदिर, विभिन्न संगठन, धार्मिक ट्रस्ट, विश्वविद्यालय और अभिलेखागार शामिल हैं, सभी के साथ सहयोग किया है।

कांग्रेस पूरे देश में चलाएगी 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान : सुरा

लालसोट, 14 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश यूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सुरा ने उपखंड मुख्यालय के खंडेलवाल धर्मशाला में आयोजित आमसभा को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव आयोग के साथ मिलकर कांग्रेस समर्थित मतदाताओं के नाम हटाने और वोट चोरी की साजिश कर रही है। सुरा ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की वोट चोरी या गलत कार्यवाही को कांग्रेस विफल करने में पीछे नहीं रहेगी।

सुरा ने बताया कि इस साजिश को रोकने के लिए कांग्रेस ने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त किए हैं। ये बीएलए सुनिश्चित करेंगे कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो और कांग्रेस समर्थित किसी भी मतदाता का नाम गलत तरीके से न हटाया जाए। उन्होंने युवाओं और कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गांव–गांव और ढाणी–ढाणी जाकर आम जनता को जागरूक करें और इस अभियान को सफल बनाएं।सुरा ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आम आदमी के वोट की सुरक्षा और

लोकतंत्र की रक्षा के लिए पूरे देश में अभियान चलाया है। इसी क्रम में 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक 'वोट चोर गद्दी छोड़' हस्ताक्षर अभियान पूरे देश में चलेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि यह सिर्फ एक अभियान नहीं बल्कि लोकतंत्र और आम जनता के हक की रक्षा का संघर्ष है। उन्होंने आगामी निकाय और पंचायत राज चुनाव में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सुरा ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है, इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का काम हर स्तर पर संगठन को मजबूत करना और जनता तक पार्टी की सशक्त आवाज पहुंचाना है। उन्होंने 16 सितंबर को लालसोट में आयोजित संविधान बचाओ रैली में अधिक से अधिक भागीदारी दिखाने का भी आह्वान किया। सभा में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य कमल मीणा, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपक पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस दीपक पुरोहित, श्यामसुंदर मिश्रा एडवोकेट ,चंद्रशेखर जांगिड़ हेमराज मीणा, प्रद्युमन सिंह,एडवोकेट सूरज सैनी, सुनील चतुर्वेदी, हरकेश शाहपुरा, यूथ विधानसभा अध्यक्ष कमल राड़ा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। सुरा ने सभा में लालसोट में फैले भ्रष्टाचार, जिम्मेदारीहीन शासन और अन्य स्थानीय मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस ही जनहित की सशक्त आवाज है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वह पार्टी के संदेश और राहुल गांधी की आवाज को हर गांव और हर ढाणी तक पहुंचाएं और जनता के हक के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं।

समाज में अच्छे कार्य की सराहना जरूरी, इससे सेवा करने की प्रेरणा मिलती है: अनिल विज

अंबाला, 14 सितंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि समाज में अच्छा काम करने वालों की सराहना करना अति आवश्यक है क्योंकि ऐसे मददगार लोगों को प्रोत्साहन मिलता है और दूसरों को भी समाज सेवा करने के लिए प्रेरणा मिलती हैं। एक मीडिया हाउस द्वारा आयोजित कार्यक्रम के लिए विज ने कहा कि आज अम्बाला के योद्धाओं, जिनमें चिकित्सकों के साथ–साथ अन्य शामिल है, उन्हें सम्मान देने के लिए आयोजन किया जा रहा है उसके लिए वे मीडिया हाउस के पदाधिकारियों को सेल्यूट करते हैं। विज ने यह अभिव्यक्ति अंबाला के किंगफिशर पर्यटक स्थल में आयोजित उत्कृष्ठ सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप शिखा प्रज्जवलित करके किया गया। इस मौके पर उनके साथ मेयर शैलजा सचदेवा भी मौजूद रहीं।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस मौके पर हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि बहुत सारे दुनिया में ऐसे लोग होते हैं जो व्यवसाय करने के साथ–साथ समाज को रास्ता दिखाने का, समाज का भला करने का, समाज का कल्याण करने का काम करते है। यह समूह भी इसी कड़ी में शामिल हैं। उन्होंने इस मौके पर यह भी कहा कि किसी भी कार्यक्रम की शुरूआत दीपक प्रज्जवलित करके होती है। दीपक जलने का अर्थ यह बताता है कि रोशनी करने के लिए इसकी बाती को जलना पड़ता है और तब तक दीए में तेल होता है, यहीं जीवन का सार है। इसका मतलब यह है कि हमें समाज सेवा क्षेत्र में निःस्वार्थ कार्य करके जरूरमंद लोगों की मदद करनी चाहिए।

विज ने इस मौके पर यह भी कहा कि हिन्दी दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाना काफी सराहनीय है।

भाजपा ने पीसी सैनी को बनाया नेक्सट–जेन जीएसटी का जिला संयोजक

गुरुग्राम, 14 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने गुरूग्राम भाजपा जिला मंत्री एडवोकेट प्रकाश चन्द सैनी को नेक्सट– जेन – जीएसटी कार्यक्रम के लिए जिला संयोजक के प्रमुख दायित्व पर नियुक्त किया गया है। वहीं पुरु आजाद, जसबीर यादव और संदीप तंवर को सदस्य नियुक्त किया गया है। सैनी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, संगठन व गुरूग्राम भाजपा जिलाध्यक्ष सर्व प्रिय त्यागी का इस प्रमुख दायित्व की जिम्मेदारी देने के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया है।

पीसी सैनी ने कहा कि नेक्सट–जेन जीएसटी पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि जीएसटी अर्थात गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स भारत की कर प्रणाली में एक महत्वपूर्ण सुधार है। जिसने देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि अब, सरकार नेक्स्ट–जेन जीएसटी की ओर बढ़ रही है, जो जीएसटी प्रणाली को और अधिक कारगर और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।सैनी ने कहा कि नेक्सट–जेन जीएसटी में ऑटोमेटेड कर निर्धारण की सुविधा होगी, जिससे करदाताओं को अपने करों का भुगतान करने में आसानी होगी। इसमें वास्तविक समय में डेटा विश्लेषण की सुविधा होगी, जिससे कर अधिकारियों को कर चोरी का पता लगाने और उसे रोकने में मदद मिलेगी।

शतरंज से होगी नशे पर सर्जिकल स्ट्राइक!

अंबाला पुलिस की अनोखी पहल ऑपरेशन मैदान

अंबाला, 14 सितंबर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के बढ़ते चलन और डिजिटल युग में जहां युवा पीढ़ी खेलों और मैदान से दूर होती जा रही है, वहीं नशे की गिरफ्त में आने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए अंबाला पुलिस ने 'ऑपरेशन मैदान' नामक एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसकी शुरुआत शतरंज प्रतियोगिता से हुई।

इस अभियान की शुरुआत अंबाला के एसपी अजीत सिंह शेखावत ने की। उन्होंने पहले दिन शतरंज प्रतियोगिता का उद्घाटन किया, जिसमें अंडर–13, अंडर–17 और ओपन कैटेगरी के तहत दो दिवसीय मुकाबले आयोजित किए जा रहे हैं। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर करना और खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रतियोगिता में 300 से अधिक छात्र–छात्राओं ने भाग लिया, जिन्होंने अलग–अलग स्कूलों से आकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले दिन तीन राउंड कराए गए, जबकि रविवार को चार राउंड (अनुमानित) कराए जाएंगे। समापन पर विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

एसपी अजीत सिंह शेखावत ने कहा कि अंबाला पुलिस सिर्फ कानून–व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। शतरंज जैसे खेल युवाओं को सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं। हम चाहते हैं कि युवा खेलों के ज़रिए अपने व्यक्तित्व का विकास करें और नशे जैसी बुराइयों से दूर रहें। उन्होंने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ अब तक 100 से अधिक मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं और उन्हें जेल भेजा गया है। इसके अलावा, एक विशेष टीम घर–घर सर्वे कर नशे के शिकार लोगों का इलाज करवा रही है। एसपी शेखावत ने इस आयोजन में सहयोग देने के लिए स्कूलों के प्रधानाचार्यों, सामाजिक संस्थाओं, युवाओं और बच्चों का आभार व्यक्त किया और कहा कि हमें मिलकर इस नशे के दानव से लड़ना होगा। यही अभियान हर गली–मोहल्ले तक पहुंचेगा।

शिवकुमार भारत में दूसरे सबसे अमीर मंत्री, मंत्री सुरेश पांचवें स्थान पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के एक अन्य मंत्री, बिरथी सुरेश, जो हेब्बाल निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं और वर्तमान में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के मंत्रिमंडल में शहरी विकास मंत्री के रूप में कार्यरत हैं, ने सूची में पाँचवाँ स्थान हासिल किया है। उन्होंने 648 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। आठ अरबपति मंत्रियों के साथ, कर्नाटक देश में पहले स्थान पर है।

आंध्र प्रदेश में छह अरबपति मंत्री हैं, जबकि महाराष्ट्र में चार अरबपति मंत्री हैं, जो इसे तीसरे स्थान पर रखता है। भारत के सबसे अमीर मंत्री टीडीपी के डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी हैं, जो पेशे से डॉक्टर हैं। वह वर्तमान में केंद्र सरकार में ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत हैं और 18वीं लोकसभा में गुंटूर का प्रतिनिधित्व करते हैं। पेम्मासानी ने 5,705 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

1,413 करोड़ रुपये की संपत्ति वाले डी के शिवकुमार के अलावा, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ सबसे अमीर लोगों में शामिल हैं, जिससे उन्हें 'सबसे अमीर मुख्यमंत्री' का खिताब मिला है। शीर्ष 10 में आंध्र प्रदेश के नारायण पोंगुरु और नारा लोकेश, तेलंगाना के गद्दाम विवेकानंद और पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कर्नाटक के सुरेश बीएस, महाराष्ट्र के मंगल प्रभात लोढ़ा और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शामिल हैं। पार्टीवार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में सबसे ज्यादा 14 अरबपति मंत्री हैं, जो उसके कुल मंत्रियों का लगभग 4 प्रतिशत है। कांग्रेस दूसरे स्थान पर है, जिसके 61 में से 11 अरबपति मंत्री (18 प्रतिशत) हैं। टीडीपी के छह अरबपति मंत्री हैं, जो उसके 23 सदस्यीय मंत्रिपरिषद का 26 प्रतिशत है। आम आदमी पार्टी, जन सेना पार्टी, जेडी(एस), एनसीपी और शिवसेना जैसी अन्य पार्टियों के भी अरबपति मंत्री हैं। राज्यवार, कर्नाटक आठ अरबपति मंत्रियों के साथ सबसे आगे है, उसके बाद आंध्र प्रदेश छह और महाराष्ट्र चार के साथ दूसरे स्थान पर है।

अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और तेलंगाना प्रत्येक में दो-दो अरबपति मंत्री हैं, जबकि गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब प्रत्येक में एक-एक अरबपति मंत्री हैं। एडीआर की रिपोर्ट, जिसमें राज्य विधानसभाओं, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिमंडल के 643 मंत्रियों की संपत्ति का विश्लेषण किया गया था, से पता चला कि उनमें से 36 अरबपति हैं, जो कुल संपत्ति का लगभग 6 प्रतिशत है। कुल मिलाकर, इन 643 मंत्रियों के पास 23,929 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

त्रासदी में मारे गए लोगों को मुआवजा दे राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण: मंत्री

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने मांग की है कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण मोसा-लेहोसाहल्ली गाँव के पास हुए हादसे में मारे गए लोगों को भी मुआवजा दे। घटनास्थल का निरीक्षण करने और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान एक ट्रक के कुचलने से 9 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि इस हादसे के लिए ट्रक चालक जिम्मेदार है। गोरूर पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। लोगों द्वारा बुरी तरह पीटे जाने के बाद उसका इलाज भी चल रहा है। उन्होंने कहा कि उसके खिलाफ हर तरह की सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस हिस्से में सड़क को और चौड़ा करने की माँग लंबे समय से की जा रही है क्योंकि सड़क का निर्माण वैज्ञानिक तरीके से नहीं किया गया था। सरकार की ओर से मैं और हासन जिले के सांसद श्रेयस एम. पाटिल को पत्र लिखेंगे। राज्य सरकार ने हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। इसी प्रकार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को भी मुआवजा प्रदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्र में इसकी भी मांग की जाएगी। यह भी देखा गया है कि विपक्ष के कुछ सदस्य इस दुर्घटना को सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं। ऐसा दुर्व्यवहार जिससे समाज में अशांति फैलती है, कानूनी अपराध भी है और ऐसे लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिला पुलिस अधीक्षक को उचित निर्देश दिए गए हैं।

कर्नाटक में आधिकारिक तौर पर फिल्म टिकट की कीमत 200 रुपये तय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने आधिकारिक तौर पर राज्य भर में सिनेमा टिकटों की अधिकतम कीमत 200 रुपये तय कर दी है। यह सीमा, जिसमें कर शामिल नहीं हैं, सिंगल-स्क्रीन थिएटरों में सभी भाषाओं की फिल्मों पर लागू होगी, लेकिन मल्टीप्लेक्स और 75 या उससे कम सीटों वाले प्रीमियम सिनेमाघरों पर लागू नहीं होगी। यह आदेश संशोधित कर्नाटक सिनेमा (विनियमन) नियम, 2025 के अंतर्गत आता है और आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने के बाद प्रभावी होगा। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स ने इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे दर्शकों के लिए सिनेमा अधिक किफायती हो जाएगा और कन्नड़ फिल्म उद्योग को लाभ होगा। हालाँकि, कर्नाटक फिल्म प्रदर्शक संघ ने मल्टीप्लेक्स को दी गई छूट पर आपत्ति जताई और इसे प्रीमियम सुविधाएं प्रदान करने वाले सिंगल-स्क्रीन थिएटरों के प्रति पक्षपातपूर्ण और अनुचित बताया। यह निर्णय जुलाई में जनता की प्रतिक्रिया आमंत्रित करते हुए जारी एक मसौदा अधिसूचना के बाद लिया गया है। 2017 में टिकट की कीमतों को विनियमित करने के इसी तरह के एक प्रयास को उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

नाबालिग लड़की की हत्या और बलात्कार के मामले में 51 वर्षीय व्यक्ति को मौत की सजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु में पॉक्सो मामलों की सुनवाई के लिए एक अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय-सह-फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बेलगावी जिले के एक 51 वर्षीय व्यक्ति को मेंगलूरु में एक 13 वर्षीय लड़की के साथ बलात्कार और हत्या का दोषी पाते हुए मृत्युदंड और आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक कोर्ट) के.एस. मानु ने 10 सितंबर को सावदत्ती तालुक के हंचिनाल गाँव के मूल निवासी फकीरप्पा हनुमप्पा मदारा के खिलाफ दोषसिद्धि और सजा का आदेश पारित किया। उस पर 6 अगस्त, 2024 को पनाम्बूर पुलिस सीमा के जोकाटे में अपने रिश्तेदारों के साथ किराए के मकान में रह रही पीड़िता के साथ बलात्कार और हत्या का आरोप लगाया गया था। पनाम्बूर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) और 332(ए) हत्या और आपराधिक अतिक्रमण तथा 16 साल से कम उम्र के बच्चे पर यौन उत्पीड़न के अपराध के लिए यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 4(2) के तहत मामला दर्ज किया था। वह तब से न्यायिक हिरासत में था।

मदारा को हत्या के अपराध के लिए मृत्युदंड की सजा सुनाई गई, जबकि यौन उत्पीड़न के अपराध के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

अदालत ने कहा दोनों सजाएँ साथ-साथ चलेंगी। आरोपी पर पीड़िता के माता-पिता को भुगतान करने के लिए 1 लाख का जुर्माना लगाने के अलावा, अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को कर्नाटक पीड़ित प्रतिकर योजना 2011 और पॉक्सो नियम, 2012 के नियम 7 के साथ बीएनएस की धारा 135 के तहत परिवार को 4 लाख का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। दोषी मदारा, जो जोकाटे में पीड़िता के रिश्तेदार के घर के पास रहता था, 6 अगस्त, 2024 को, जब उसके रिश्तेदार घर से बाहर गए हुए थे, जबरन घर में घुस गया और उसका यौन उत्पीड़न किया। बेलगावी की मूल निवासी, लड़की मेंगलूरु के एक सरकारी आवासीय विद्यालय में कक्षा 7 में पढ़ती थी। उसकी माँ उसे स्कूल में लगी चोट का इलाज कराने के लिए घर ले गई थी और नाग पंचमी की छुट्टी के बाद उसे स्कूल में शामिल होने के लिए जोकाटे में उसके चाचा के घर छोड़ गई थी। अभियोजन की शुरुआत पनाम्बूर के पुलिस निरीक्षक मोहम्मद सलीम अब्बास ने की, जिन्होंने आरोप पत्र दायर किया। पुलिस उपनिरीक्षक के.टी. श्रीकला और ज्ञानशेखर ने जांच की थी जबकि सरकारी वकील सहानादेवी ने अभियोजन चलाया था।

सांसद के खिलाफ अपशब्द बोलने वाले अपर थानाध्यक्ष का वीडियो वायरल, कार्रवाई की मांग तेज

सीवान (एजेंसियां)।

सीवान जिले के भगवानपुर हाट में अपर थानाध्यक्ष निरंजन कुमार का सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है और पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठ रही है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात भगवानपुर बाजार के पास सड़क पर बने गड्ढे के कारण एक ट्रक अनियंत्रित होकर दुकान में घुस गया। इस हादसे से काफी नुकसान हुआ। घटना से नाराज ग्रामीणों ने शनिवार सुबह सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अपर थानाध्यक्ष निरंजन कुमार पुलिस बल के साथ जाम हटाने पहुंचे। इसी दौरान बातचीत में उन्होंने सड़क की खराब स्थिति और जलजमाव के लिए स्थानीय सांसद को जिम्मेदार ठहराते हुए आपत्तिजनक शब्द कहे। किसी ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो के बाद विरोध तेज हो गया। सांसद प्रतिनिधि एवं भाजपा जिला महामंत्री अवधेश कुमार पांडेय ने बताया कि उन्होंने वायरल क्लिप पुलिस अधीक्षक (एसपी), जिला अधिकारी (डीएम) और एसडीपीओ को भेजकर दोषी पदाधिकारी पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की बदहाली और जलजमाव की समस्या बनी हुई है। इस घटना ने क्षेत्र में तनाव और बढ़ा दिया है।

बेंगलूरु में सिलसिलेवार दुर्घटना में दो लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हासन की घटना के बाद शनिवार सुबह कामाक्षीपाल्या यातायात पुलिस थाना क्षेत्र में एक के बाद एक कई दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। सुबह लगभग 7.45 बजे सुमनहल्ली जंक्शन रोड पर एक साइड रोड से तेज गति से आ रहा एक ट्रक, जैसे ही सुमनहल्ली रोड पर पहुँचा, अचानक ब्रेक लगाने से सामने चल रही एक कार और एक ऑटो से टकरा गया, जिससे भीषण दुर्घटनाएँ हुईं। ऑटो चालक और उसमें सवार यात्री की मृत्यु हो गई, और उनके नाम और पते अभी तक ज्ञात नहीं हैं। दुर्घटना में घायल हुए दो लोगों की हालत गंभीर है और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुबह इस मार्ग पर हुई दुर्घटना के कारण कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा। खबर मिलने पर कामाक्षीपाल्या यातायात पुलिस मौके पर पहुँची, दुर्घटनाग्रस्त वाहनों का निरीक्षण किया और फिर यातायात सुचारू रूप से शुरू कराया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जाँच कर रही है।

पीएफआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महबूब आलम नदवी गिरफ्तार, एनआईए की कड़ी पूछताछ जारी

पूर्णिया (एजेंसियां)।

किशनगंज के हलीम चौक से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महबूब आलम नदवी को गिरफ्तार किया गया है। एनआईए की टीम पिछले तीन दिनों से टाउन थाना परिसर में उससे पूछताछ कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, नदवी की गिरफ्तारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्णिया दौरे से पहले की गई। वह अप्रैल से किशनगंज के हलीम चौक स्थित फातमा गर्ल्स स्कूल में उर्दू शिक्षक के रूप में कार्यरत था। अपनी पहचान छिपाने के लिए वह अन्य शिक्षकों से दूरी बनाए रखता था।

बताया जाता है कि 2022 में पटना के फुलवारी शरीफ में टेरर फंडिंग का मामला सामने आने के बाद से नदवी फरार चल रहा था। अब सुरक्षा एजेंसियां उससे बीते तीन वर्षों की गतिविधियों, पीएफआई के भारत को मुस्लिम राष्ट्र बनाने की कथित योजना और बिहार में संगठन के विस्तार के लिए फंडिंग को लेकर पूछताछ कर रही हैं।

इसके अलावा, एजेंसियां उसके कॉल डिटेल्स, सरजील इमाम से संपर्क, आईएसआईएस और बांग्लादेशी आतंकी संगठनों से जुड़े संभावित लिंक की भी जांच कर रही हैं। हालांकि पूछताछ में नदवी अब तक कोई ठोस जानकारी नहीं दे रहा है। कटिहार निवासी नदवी का भाई किशनगंज के मोहिद्दीनपुर में ठेकेदारी करता है। एजेंसियां उसके पासपोर्ट और ओमान यात्रा की भी जांच कर रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, नदवी लंबे समय से शहर में रह रहा था, लेकिन अधिकांश को इसकी जानकारी नहीं थी।

7 लड़कों का गैंग... निशाने पर खास कारोबार, लेकिन कानून के लंबे हाथों को मिल गया तीसरी आंख का सहारा

बेगूसराय (एजेंसियां)।

जिले में 7 बदमाश गैंग बना कर सीएसपी संचालकों से लगातार लूट की घटना को अंजाम दे रहा था। अब पुलिस ने 10 सितंबर को दिनदहाड़े हथियार के बल पर सीएसपी संचालक विपिन कुमार से लूट मामले का खुलासा करते हुए घटना में शामिल 3 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके पास लूटे गए पैसों में से 32 हजार रुपए, एक पिस्तौल और बाइक बरामद की है। जबकि गिरोह के सरगना सहित चार अपराधी फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। सदर-वन डीएसपी आनंद कुमार पांडेय ने बताया कि 10 सितंबर को खरीदी मोड़ बाबा स्थान के समीप बदमाशों ने दिनदहाड़े वृंदावन स्थित सीएसपी सेंटर के संचालक विपिन कुमार से 2 लाख 39 हजार कैश, लैपटॉप, डिवाइस और चेक बुक लूट लिया था। टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा, टेक्निकल सर्विलांस और सूचना के आधार पर इस मामले में शामिल एक अपराधी तेघड़ा थाना क्षेत्र के मरसैती गांव के रहने वाले अमित कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपी अमित ने पूछताछ में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली और सात लोगों के साथ मिलकर लूट की घटना को अंजाम देना कबूल किया। अमित के पास से 31,800 रुपये और वारदात के समय पहने गए कपड़े को बरामद किया गया। उसके बाद गिरोह के दो सरगना में से एक लाखो थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव के रहने वाले बबलू महतो उर्फ अखिलेश कुमार को लूट में इस्तेमाल अपाचे मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही लूट में शामिल जगदीशपुर गांव के ही रहने वाले कुंदन महतो को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों की निशानदेही पर लूटा गया बैग, आई कार्ड, पंजाब नेशनल बैंक का एक वॉल्यूम चेक बुक, पासबुक, एक देसी कट्टा और गोली बरामद की गई है।डीएसपी ने बताया कि यह लोग पेशेवर अपराधी हैं। सात लोगों का गैंग है जो सीएसपी संचालकों को मौका देखकर लूट और रोड डकैती की घटना को अंजाम देता है। जून में भी इस गैंग ने लोहिया नगर थाना क्षेत्र में सीएसपी संचालक से 5 लाख 25 हजार रुपया लूट लिए थे। दोनों मामलों के सीसीटीवी फुटेज का मिलान किया गया तो कपड़ा और फोटो सभी का मैच हो गया। यह लोग लूट की घटना को अंजाम देने के बाद एक-डेढ़ महीने के लिए शांत हो जाते थे। इसके बाद फिर से घटना को अंजाम दिया जाता था। टीम में डीएसपी आनंद कुमार पांडेय के अलावा डीआईयू के शैलेंद्र कुमार, बैजनाथ सिंह, राजेश कुमार एवं मटिहानी थानाध्यक्ष संजीव कुमार पुलिस टीम के साथ शामिल थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com